

रोजगार और निर्माण

Join Telegram Channel Search @rojgaraurnirman

सुराज का मतलब है बिना विलंब लोगों के काम हों - मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश को सुराज के मॉडल के रूप में किया जायेगा स्थापित

“भोपाल, कोरोना संक्रमण का सामना करना अब तक राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता थी। प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और जनता के सहयोग से हम प्रदेश में कोरोना को नियंत्रित करने में सफल हुए हैं। इसके लिए समस्त प्रशासनिक अमला बधाई का पात्र है। प्रदेश को सुराज के मॉडल के रूप में स्थापित करना है। कोरोना के नियंत्रित होने के बाद अब विकास, जन-कल्याण और समय-सीमा में निर्माण कार्यों को पूर्ण करने के लिए हमें एक बार फिर फुल फॉर्म में आना है। सुराज का मतलब है बिना लिए-दिए और बिना विलंब के लोगों के काम होना। सुराज का मतलब है विकास के काम गुणवत्ता के साथ पूर्ण हों, घटिया काम बर्दाश्त नहीं होगा। प्रदेश में जनदर्शन आरंभ हो गया है और अब औचक निरीक्षण भी मैं शीघ्र आरंभ करूंगा। भ्रष्टाचार पर हमारी जीरो टॉलरेंस नीति होगी। ये बातें मुख्यमंत्री श्री चौहान ने भोपाल स्थित मंत्रालय से कलेक्टर-कमिश्नर्स को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुये कहीं।”

मुख्यमंत्री ने कहा कि सीएम हेलपलाइन में हर माह मॉनीटरिंग होगी। प्रदेश में जन-सुनवाई आरंभ हो गयी है। पूर्व की भांति प्रातः 11 से 12 बजे तक कलेक्टर-कमिश्नर और सभी विभागों के अधिकारी जनता से मिलेंगे और उनकी समस्याएं जानेंगे। समाधान एक दिन अर्थात् वन-डे गवर्नेंस भी आरंभ होगा। चिन्हित सेवाओं में प्रातः आवेदन देने पर शाम तक उसका निराकरण किया जाएगा।

श्री चौहान ने कहा कि वैक्सीनेशन



मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में कलेक्टर-कमिश्नर्स को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुये।

राजस्व अभिलेखों के शुद्धिकरण का अभियान

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कलेक्टर-कमिश्नर्स कॉन्फ्रेंस में निर्देश दिए कि जिलों में बड़े कार्यों की मॉनीटरिंग कलेक्टर स्वयं करें। अटल एक्सप्रेस-वे का नाम अब अटल प्रगति-वे होगा। श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में दिनांक 1 से 15 नवम्बर तक राजस्व अभिलेखों के शुद्धिकरण का अभियान चलाया जाएगा। राजस्व रिकॉर्ड में जितनी भी पेंडेंसी हैं, उसको समाप्त किया जाएगा। प्रदेश में 15 नवम्बर को जनजाति गौरव दिवस है, भगवान विरसा मुंडा के जन्म-दिवस पर राजस्व शुद्धिकरण अभियान पूर्ण होगा।

सोशल मीडिया-गुड गवर्नेंस का प्रभावी साधन

मुख्यमंत्री ने जिला स्तर पर सोशल मीडिया प्रबंधन की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया गुड गवर्नेंस का प्रभावी साधन है। जनता अपनी समस्याएं सोशल मीडिया पर सरलता से रख सकती है। इस आधार पर समस्याओं का समाधान होना जनता के लिए बड़ी राहत है। साथ ही जिला प्रशासन अपने अच्छे कार्यों को सोशल मीडिया के माध्यम से जनता तक पहुंचा सकता है। भ्रामक खबरों का रियल टाइम खण्डन भी इससे सुनिश्चित होता है। अतः शासन-प्रशासन के लिए जनता से संवाद का यह प्रभावी माध्यम है।

का पहला डोज प्रदेश की 80 प्रतिशत पात्र जनसंख्या को लग चुका है, यह देश में बड़ी उपलब्धि है। जनता को जोड़कर हम कोविड-19 पर नियंत्रण कर पाए। वैक्सीनेशन का यह बड़ा लक्ष्य भी जन-भागीदारी से ही प्राप्त हुआ है। जन-भागीदारी के मॉडल को अन्य क्षेत्रों में भी क्रियान्वित किया जाएगा। श्री चौहान ने ग्वालियर-चंबल संभाग में बाढ़ से निपटने में प्रशासन द्वारा की गई कार्यवाही और राहत कार्यों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि

प्रदेश में डेंगू का प्रभाव बढ़ रहा है। भारत सरकार द्वारा गाइडलाइन जारी की गई है। ब्लड प्लेटलेट्स कम होने से जीवन को खतरे की संभावना बनती है। हम बीमारी को फैलने नहीं देंगे। प्रशासनिक अमला, जनप्रतिनिधियों और जनता को साथ लेकर प्रत्येक स्तर पर एन्टी लार्वा गतिविधियां चलाई जाएंगी।

श्री चौहान ने कहा कि अनुसूचित जाति- अनुसूचित जनजाति और कमजोर तबके पर अत्याचार के संबंध में सजग

रहने की आवश्यकता है। इस दिशा में कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक अतिरिक्त सावधानी बरतें। यह छवि होनी चाहिए कि गलती करने वालों को पुलिस नहीं छोड़ेगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सूदखोरो द्वारा ऊंची दर पर ब्याज वसूलने के मामले में अनूपपुर पुलिस अधीक्षक द्वारा की गई कार्यवाही की प्रशंसा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जो अधिकारी अच्छा कार्य कर रहे हैं, उन्हें पुरस्कृत करने के लिए व्यवस्था स्थापित की जाए।

शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान में

शैक्षणिक गतिविधियां

27 सितम्बर से होंगी प्रारम्भ

भोपाल, स्कूल शिक्षा और सामान्य प्रशासन राज्यमंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने बताया कि सत्र 2021-22 के लिए विभाग के अधीन शासकीय शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों और अशासकीय डी.एल.एड. महाविद्यालयों में शैक्षणिक गतिविधियां 27 सितम्बर 2021 से प्रारंभ की जाएंगी। महाविद्यालयों में पुस्तकालय और छात्रावास भी खोले जाएंगे। श्री परमार ने बताया कि कोविड-19 महामारी के कम होते प्रभाव और प्रशिक्षणार्थियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि प्रदेश के समस्त महाविद्यालयों एवं संस्थानों में शैक्षणिक तथा अशैक्षणिक स्टाफ की शत-प्रतिशत उपस्थिति होगी। प्रशिक्षणार्थियों की भौतिक रूप से 50 प्रतिशत उपस्थिति के साथ कक्षाओं का संचालन किया जाएगा। शिक्षण संस्थानों द्वारा ऑनलाइन कक्षाओं का संचालन भी जारी रहेगा। शिक्षण संस्थानों द्वारा ऑफलाइन एवं ऑनलाइन कक्षाओं के लिए पृथक-पृथक समय-सारणी जारी की जायेगी। छात्रों की संख्या और उपलब्ध संसाधनों के आधार पर संस्था प्रमुख कक्षाओं के संचालन के संबंध में निर्णय ले सकेंगे। पुस्तकालय अध्ययन कक्ष में क्षमता से 50 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जायेगी।

संस्थानों एवं महाविद्यालयों में छात्रावास चरणबद्ध रूप से आरंभ होंगे। प्रथम चरण में अंतिम वर्ष या तृतीय सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थियों के लिये छात्रावास खोले जाएंगे। छात्रावास परिसर में सोशल डिस्टेंसिंग, सेनेटाइजेशन एवं सभी प्रशिक्षणार्थी की धर्मल स्क्रीनिंग सुनिश्चित की जायेगी। महाविद्यालय और प्रशिक्षण संस्थानों के सभी शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक स्टाफ को वैक्सीनेशन कराना अनिवार्य होगा।

खास खबर

प्रदेश में 263 स्वास्थ्य संस्थाओं की स्थापना एवं उन्नयन को मंजूरी

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में भोपाल में सम्पन्न हुई मंत्रिपरिषद की वर्युअल बैठक में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से 263 स्वास्थ्य संस्थाओं की स्थापना/उन्नयन किए जाने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। इसमें सात जिला चिकित्सालयों के विस्तारों की संख्या में वृद्धि, 21 सिविल अस्पतालों, 49 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, 73 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, 113 उप स्वास्थ्य केन्द्रों की स्थापना/उन्नयन किया जाना है। मंत्रिपरिषद ने जनसंपर्क विभाग के अंतर्गत 375 अस्थायी पदों को 1 मार्च 2021 से 28 फरवरी 2022 तक निरंतर किए जाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी।

अंदर के पृष्ठों पर

- **खेल चर्चा-** प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी-** देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं
- **चर्चा में-** प्रमुख चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **पिछला सप्ताह-** देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण

जनकल्याण और सुराज के 20 वर्ष पूर्ण

किसानों की आय दोगुनी करने के लिए पांच बिन्दुओं पर कार्य जारी

भोपाल, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कृषि की आय को दोगुना करने के संकल्प को पूर्ण करने के लिए राज्य सरकार पांच बिन्दु पर कार्य कर रही है। कृषि का उत्पादन बढ़ाना, उत्पादन की लागत कम करना, किसानों को उत्पादन का सही मूल्य दिलाना, नुकसान की भरपाई करने और किसानों को कृषि के विविधीकरण के लिए प्रेरित करने की दिशा में सघन प्रयास जारी हैं। सिंचाई, उत्पादन बढ़ाने का मूल आधार है। सशक्त और समृद्ध किसान का सपना प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में पूरा हो रहा है। पीएम सम्मान निधि, पीएम किसान मानधन, पीएम फसल बीमा और समर्थन मूल्य में वृद्धि जैसे फैसलों से किसान आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने जनकल्याण और सुराज के 20 वर्ष पूर्ण होने पर किसान-कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के कार्यक्रम में 50 वीज ग्रामों का शुभारंभ करते हुये कहीं।

गेहूं उपार्जन में पंजाब को पीछे छोड़ा

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान के उत्पादन की लागत को नियंत्रित रखने के लिए ही अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत बढ़ने के बावजूद प्रधानमंत्री ने देश में डीएपी

की कीमत नहीं बढ़ने दी। प्रदेश में नर्मदा का जल क्षिप्रा नदी में लाने के संकल्प को पूर्ण करना, विकास और जन-भावनाओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। किसानों के हित के संरक्षण के लिए राज्य सरकार कृत संकल्पित है। इसी के परिणामस्वरूप कोरोना काल में भी हमने 01 करोड़ 29 लाख मीट्रिक टन गेहूं उपार्जन कर पंजाब को भी पीछे छोड़ दिया।

कम भूमि वाले किसानों को मिल रही

10 हजार रुपये प्रतिवर्ष की सहायता

श्री चौहान ने कहा कि जिन किसानों के पास खेती योग्य भूमि कम है, उनकी चिंता करते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना लागू की गई है। इसी प्रकार मुख्यमंत्री किसान-कल्याण योजना चलाई जा रही है। इन योजनाओं से किसानों को 10 हजार रुपये प्रति वर्ष मिल रहा है।

कृषि का विविधीकरण आवश्यक

मुख्यमंत्री ने कहा कि भूमि के स्वास्थ्य को बेहतर करने के लिए कृषि का विविधीकरण आवश्यक है। लगातार एक फसल लेने से भूमि की उत्पादकता घटती है। फसलचक्र अपनाकर उत्पादकता बढ़ाई जा सकती है।

निर्यात बढ़ाने के लिए बाजार और सरकार मिलकर करेंगे काम



मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में एक्सपोर्ट कॉन्फ्लेव को संबोधित करते हुये।

भोपाल, मध्यप्रदेश में प्राकृतिक सम्पदा, खनिज, जल और वन सम्पदा भरपूर हैं। प्रदेश में निर्यात बढ़ाने की काफी संभावनाएं हैं। निर्यात बढ़ाने की दिशा में सरकार केवल अपने स्तर पर कार्य नहीं कर सकती। जो उद्यमी सक्रिय और अनुभवी हैं, उन्हें साथ लेकर राज्य सरकार इस दिशा में कार्य करेगी। बाजार और सरकार मिलकर काम करेंगे। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने वाणिज्य उत्सव-2021 में मध्यप्रदेश इंडियाज इमर्जिंग एक्सपोर्ट टाइगर कॉन्फ्लेव को संबोधित करते हुये कहीं।

श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन डिस्ट्रिक्ट एज एक्सपोर्ट हब को ध्यान में रखते हुए राज्य में एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल का गठन किया जा रहा है। यह एक हफ्ते में कार्य

करना आरंभ कर देगी। प्रत्येक जिले में भी एक्सपोर्ट प्रमोशन कमेटी गठित की जाएगी। श्री चौहान ने एम.पी. ट्रेड पोर्टल और एक्सपोर्ट हेलपलाइन का शुभारंभ किया। एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल प्रदेश में निर्यात को बढ़ावा देने का कार्य करेगी। इसी प्रकार मध्यप्रदेश ट्रेड पोर्टल औद्योगिक इकाइयों तथा निर्यातकों के लिए निर्यात से जुड़ी तकनीकों को समझाने और निर्यातकों को विश्व के प्रमुख आयातकों से जोड़ने में सेतु का कार्य करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण के लिए सुशासन तथा अर्थव्यवस्था और रोजगार सर्वोपरि हैं। रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए निवेश बढ़ाना होगा। हम प्रदेश में तेज गति से औद्योगिक विकास कर रोजगार सृजन पर फोकस कर रहे हैं।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)



18 सितम्बर

केंद्र सरकार ने आधार को पैन नंबर से लिंक कराने की समय-सीमा बढ़ाई

● केंद्र सरकार ने आधार नंबर को पैन नंबर से लिंक करने की समय-सीमा में एक बार फिर इजाफा किया है। सरकार ने आधार-पैन लिंकिंग की समय-सीमा बढ़ाकर 31 मार्च 2022 कर दी है। पहले यह समय-सीमा 30 सितम्बर 2021 थी। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने इस संबंध में जारी एक बयान में कहा कि कोरोना महामारी के दौर में विभिन्न हितधारकों के सामने आ रही समस्याओं को देखते हुये समय-सीमा में वृद्धि की जा रही है। अगर 31 मार्च 2022 तक किसी व्यक्ति ने अपना पैन नंबर आधार से लिंक नहीं किया तो उसका पैन कार्ड निष्क्रिय हो जायेगा और उस व्यक्ति को जुर्माना भी देना होगा।

● अमेरिका की एक संघीय अदालत ने बड़ा फैसला सुनाते हुये पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल के एच-1 वी वीजा नियमों में किये गये बदलाव को रद्द कर दिया है। अदालत के इस फैसले से अमेरिका में नौकरी की तलाश कर रहे विभिन्न देशों के कामगारों को फायदा मिलेगा, वहीं फ्रेशर्स को भी नौकरी पाने में आसानी होगी। उल्लेखनीय है कि डोनाल्ड ट्रंप ने एच-1 वी वीजा नियमों में बदलाव किया था। इस बदलाव के तहत वीजा चयन के लिये लॉटरी ड्रॉ व्यवस्था को बदलकर उच्च भुगतान वाली नौकरियों को लागू किया था।

SHREE INSTITUTE OF PROGRESSIVE STUDIES
(Approved by AICTE and Affiliated to DAVV, Indore)
Village Jakhiya, Infront of Aurobindo Hospital, Near Hotel Siddhant, Indore (M.P.)

APPOINTMENTS

Applications are invited for Faculty Position in MBA Program

DIRECTOR-PROFESSORS | ASSOCIATE PROFESSORS - ASSISTANT PROFESSOR

SPECIALIZATION : IT, HR, Marketing, Finance, Operation, Business Analytics and General management. Eligibility:- As per AICTE & UGC Norms/DAVV College Code 28

Send your CV with testimonials at above address within 10 days or email-sipsindore370@gmail.com, Ph. No. 9584360600

SKC LNCT GROUP OF COLLEGES, INDORE

APPLICATION INVITED

Applications are invited for the teaching & non-teaching (Teaching positions under College Code - 28 & UGC/ AICTE/ PCI norms)

Lakshmi Narain College of Professional Studies Indore (Under Code 28)	Principal / Professor / Assoc. Professor / Asst. Professor Biotechnology, Microbiology, Pharmaceutical - Chemistry, Chemistry, Physics, Mathematics, Economics, History, Computer Application, Journalism and Mass Comm., Comp. Science, English, Hindi, French, Psychology, Commerce and Management
Lakshmi Narain College of Technology Indore	Professor / Assoc. Professor / Asst. Professor MBA Dept. - Finance, Marketing, HR, IT, Business Analytics, Operations, General Management Engineering - CS / IT / ME / AU / EX / EC / Physics / Chemistry / Maths / Communication Skill
Lakshmi Narain College of Technology & Science (RIT) Indore	Professor / Assoc. Professor / Asst. Professor MBA Dept. - Finance, Marketing, HR, IT, Business Analytics, Operations, General Management Engineering - CS / IT / ME / Civil / Physics / Chemistry / Maths / Communication Skill
Jagadguru Dattatray College of Pharmacy & Lakshmi Narain College of Pharmacy (RCP), Indore	Professor / Assoc. Professor / Asst. Professor Pharmaceutics, Pharmacognosy, Pharma Chemistry, Pharmacology

Apply within 10 days to - HR Department

Candidates with higher qualification PhD & UGC Net may meet directly.

For Non Teaching: HR Manager, Administrative Officer, Sports Officer, PA to MD/Director, Accountants, Office Assistance, Network admin, Exam Controller, Receptionists, Housekeeping Supervisor, Librarian, Lab Attendants, Welder, Fitter, Carpenter, Electricians, Plumbers, Bus Drivers, Peon, Gardener

SKC LNCT
Education For Execution

Bhavrasala, Rewati Range
Behind Aurobindo Hospital
Sanwer Road, Indore- 453 331 (M.P.)

0731 - 4253100, 107, 132
hr@lncindore.com

19 सितम्बर

सीबीएसई की सीटीईटी परीक्षा

16 दिसम्बर से होगी शुरू

● केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीटीईटी) का आयोजन 16 दिसम्बर, 2021 से 13 जनवरी, 2022 तक करेगा। सीबीएसई ने इस संबंध में एक नोटिफिकेशन जारी किया है। नोटिफिकेशन के अनुसार यह परीक्षा सीबीटी (कम्प्यूटर आधारित टेस्ट) मोड में आयोजित होगी। अब तक यह परीक्षा ऑफलाइन आयोजित की जाती थी। उम्मीदवारों को परीक्षा की तारीख अपने एडमिट कार्ड पर चेक करनी होगी। यह परीक्षा देशभर में 20 भाषाओं में आयोजित की जायेगी। परीक्षा के लिये आवेदन की प्रक्रिया 20 सितम्बर से शुरू हो गई, जो 19 अक्टूबर तक चलेगी।

● केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने घरेलू विमानन कंपनियों को 85 प्रतिशत क्षमता के साथ उड़ानें संचालित करने की इजाजत दी है। मंत्रालय ने कहा कि घरेलू परिचालन की वर्तमान स्थिति की समीक्षा के बाद यात्रियों की क्षमता को 72.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 85 प्रतिशत करने का फैसला लिया गया है। मंत्रालय ने इस संबंध में एक आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार किराये की उच्चतम और न्यूनतम सीमाएं भी केवल 15 दिनों के लिये लागू रहेंगी।

20 सितम्बर

कॉमन सर्विस सेंटर में

अब बन सकेंगे राशन कार्ड

● देश में अब कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के जरिये राशन कार्ड बनवाये जा सकेंगे। सीएससी पर राशन कार्ड से संबंधित कोई भी कार्य जैसे- आवेदन सुधार और आधार नंबर से लिंक आदि कराए जा सकेंगे। इसके साथ ही राशन की उपलब्धता की जानकारी और शिकायत भी सीएससी से जानकारी और शिकायत भी सीएससी से

दर्ज करायी जायेगी। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने इसके लिये सीएससी ई-गवर्नेंस इंडिया लिमिटेड के साथ करार किया है। सीएससी के अनुसार इस करार का उद्देश्य शहरी और ग्रामीण इलाकों में राशन की आपूर्ति सुनिश्चित करना और सार्वजनिक वितरण प्रणाली को मजबूत करना है। सीएससी ने कहा कि यह सुविधा देशभर के 3.7 लाख से ज्यादा सेंटर्स पर उपलब्ध होगी। इसका लाभ 23.64 करोड़ राशन कार्डधारकों को मिलेगा।

● भारत ने श्रीलंका रेलवे को 20 अत्याधुनिक रेल यात्री कोच सौंप दिये हैं। इन रेल कोच को रेल इंडिया टेक्निकल एंड इकोनॉमिक सर्विस लिमिटेड ने तैयार किया है। इस खेप के साथ श्रीलंका को दिये जाने वाले कुल 160 कोच में से 60 कोच की आपूर्ति की जा चुकी है। भारत और श्रीलंका के बीच 160 अत्याधुनिक रेल कोच के लिये 8.2 करोड़ डॉलर का समझौता हुआ है।

21 सितम्बर

अमेरिका ने नवम्बर से अंतर्राष्ट्रीय यात्रा प्रतिबंध हटाने का किया ऐलान

● अमेरिका ने कोरोना महामारी के चलते लगे अंतर्राष्ट्रीय यात्रा प्रतिबंधों को हटाने का ऐलान किया है। अमेरिका ने अंतर्राष्ट्रीय यात्रा के लिये नई यात्रा प्रणाली की घोषणा की है। इस प्रणाली के तहत भारत सहित किसी भी देश के ऐसे लोगों को नवम्बर 2021 से अमेरिका में प्रवेश की अनुमति दी जायेगी, जिनका पूर्ण टीकाकरण हो गया है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार पूर्ण टीकाकरण करवा चुके लोग अब अपने टीकाकरण प्रमाण-पत्र के साथ अमेरिका की यात्रा कर सकते हैं, उन्हें उड़ान भरने से पहले टीकाकरण का प्रमाण-पत्र दिखाना होगा।

● भारत एक बार फिर कोरोनारोगी वैक्सीन का निर्यात दूसरे देशों को करेगा। यह जानकारी केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

मंत्री श्री मनसुख मांडविया ने दी। श्री मांडविया ने बताया कि भारत अगले महीने से वैक्सीन मैत्री कार्यक्रम के तहत वैक्सीन निर्यात करेगा। उन्होंने बताया कि देश में इस महीने 26 तथा अक्टूबर में 30 करोड़ डोज उपलब्ध होंगे। अगले तीन महीनों में कुल 100 करोड़ से अधिक डोज उपलब्ध होंगे।

22 सितम्बर

सीबीएसई कोरोना से अनाथ हुये बच्चों से नहीं लेगा परीक्षा शुल्क

● केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कोरोना काल में अनाथ हुये बच्चों को बड़ी राहत देते हुये परीक्षा शुल्क और पंजीकरण शुल्क माफ करने का फैसला लिया है। सीबीएसई के क्षेत्रीय निदेशक रणवीर सिंह ने कहा कि वैश्विक महामारी के दौरान माता-पिता को खोने से बच्चों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि बोर्ड ने फैसला लिया है कि वर्ष 2021-22 के शैक्षणिक सत्र में उन बच्चों से परीक्षा और पंजीकरण शुल्क नहीं लिया जायेगा, जिन्होंने कोरोनाकाल में अपने माता-पिता को खोया है।

● भारत ने मिसाइल प्रौद्योगिकी में पूर्ण आत्मनिर्भरता हासिल कर ली है। अब देश में वेहद उन्नत मिसाइलों को विकसित किया जा सकता है। यह जानकारी रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के प्रमुख जी. सतीश रेड्डी ने एक ऑनलाइन कार्यक्रम में दी। डीआरडीओ प्रमुख ने कहा कि देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिये उन्नत प्रौद्योगिकी पर काम करने की जरूरत है।

23 सितम्बर

नवम्बर से एनडीए परीक्षा में शामिल होंगी महिलाएं

● सुप्रीम कोर्ट ने महिलाओं को नेशनल डिफेंस एकेडमी (एनडीए) की प्रवेश परीक्षा में नवम्बर, 2021 से शामिल होने की

अनुमति प्रदान की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि महिलाओं को एनडीए में शामिल करने के लिये हम एक साल तक इंतजार नहीं कर सकते। जस्टिस एस.के. कौल की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित नहीं किया जाये। केंद्र सरकार की तरफ से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि महिलाओं को एनडीए में शामिल करने की अनुमति देने के लिये बुनियादी ढांचे और पाठ्यक्रम में कुछ बदलाव की आवश्यकता है, इसलिये मई, 2022 तक का समय दिया जाये। सुप्रीम कोर्ट ने इस मांग को खारिज कर दिया।

● दुनिया के सबसे साफ समुद्र तट (बीच) की सूची में भारत के दो नये बीच को शामिल किया गया है। तमिलनाडु के कोवलम और पुडुचेरी के ईडन बीच को प्रतिष्ठित ब्लू फ्लैग दिया गया है। यह जानकारी केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने दी। श्री यादव ने बताया कि भारत में ब्लू फ्लैग हासिल कर चुके बीच की संख्या बढ़कर 10 हो गई है।

24 सितम्बर

रक्षा मंत्रालय ने 118 अर्जुन टैंक खरीदने की मंजूरी दी

● रक्षा मंत्रालय ने भारतीय सेना के लिये 7,523 करोड़ रुपये की लागत से 118 युद्धक टैंक अर्जुन एमके-1ए खरीदने की मंजूरी प्रदान की है। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारतीय सेना के लिये अर्जुन एमके-1ए टैंक की आपूर्ति के लिये चेन्नई की हेवी व्हीकल फैक्ट्री को आदेश दिया गया है। यह ऑर्डर रक्षा क्षेत्र में मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा देने और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ा कदम है। अर्जुन एमके-1ए टैंक को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने विकसित किया है। यह अर्जुन टैंक का उन्नत वर्जन है।

● संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने इंजीनियरिंग सेवा परीक्षा-2021 के लिये नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। परीक्षा के लिये आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। उम्मीदवार 12 अक्टूबर तक आवेदन कर सकते हैं। इस परीक्षा के जरिये सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में ग्रुप ए तथा बी वर्ग के 247 पदों पर भर्ती की जायेगी। इंजीनियरिंग सेवा प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन 20 फरवरी 2022 को होगा।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित फोटो : गूगल से साभार)

GOVINDRAM SEKSARIA INSTITUTE OF MANAGEMENT AND RESEARCH (GSIMR)
(Approved by AICTE and affiliated to DAVV Indore)
MR-10, Scheme No.54, Vijay Nagar, Near Hotel Marriott, Indore-452010

APPOINTMENTS

Applications are invited for faculty position in MBA Programme

PROFESSORS/ASSOCIATE PROFESSORS/ASSISTANT PROFESSORS

FINANCE, BUSINESS ANALYTICS, I.T. TRAINING AND PLACEMENT OFFICER

Eligibility : As per AICTE and UGC norms

Send your CV with all testimonials within 7 days on email :
web.gsimr@gmail.com
For any query contact 9893845280

Agrani COURSES
POWERED BY KSG

“UPSC में 2000 से अधिक सिलेक्शन देने के बाद SSC, BANKING, RAILWAY, INSURANCE और VYAPAM को समर्पित KSG का प्रतिबद्ध संस्थान”

एक सम्पूर्ण समाधान, जो आपको रखे SSC, BANKING, RAILWAY, INSURANCE और VYAPAM की परीक्षाओं में अग्रणी!

COURSES WE OFFER

- SSC
- Banking
- Railway
- MP (SI)
- Constable
- Patwari
- Labour Inspector
- All One Day Exams

माध्यम हिंदी एवं अंग्रेजी

FREE DEMO CLASSES

NEW BATCH STARTS FROM 28th SEPTEMBER

संपर्क करें 0755 4281 148 | 834 9181 148

131/13 Zone II, M. P. Nagar, Bhopal

- प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े
- सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह
- कार्यकारी सम्पादक - राजीव तिवारी
- प्रभारी अधिकारी - नरेन्द्र कुमार वनवट (प्रसार एवं विज्ञापन)
- प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- आकल्पन - हेमंत वायंगणकर, आशा रोमन अरविन्द टोप्यो, सुशील लांडगे
- वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (रु. पाँच सौ) का डी.डी., मनी ऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर, रोजगार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें:-
रोजगार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011, फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com
रोजगार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोजगार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। जरूरी नहीं कि सम्पादक उससे सहमत हों। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोजगार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

कलेक्टर्स-कमिश्नर्स कॉन्फ्रेंस में योजनाओं की समीक्षा

अपने परिश्रम की पराकाष्ठा से सभी अधिकारी मध्यप्रदेश को मॉडल स्टेट बनायें। यह बात मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित मंत्रालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये कही। कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री ने कहा कि 27 सितम्बर को प्रदेश में वैक्सीनेशन महाअभियान संचालित होगा। सभी कलेक्टर्स अपनी जिला टीम के साथ वैक्सीनेशन अभियान को सफल बनाने के लिये सक्रिय हों। प्रदेश में अच्छा वैक्सीनेशन हुआ है और हम देश के अग्रणी प्रांत के रूप में जनता के स्वास्थ्य की सुरक्षा करने में सफल हुये हैं। शेष लोगों को वैक्सीन लगवाने के लिये अभी प्रयास निरंतर जारी रखने की जरूरत है। प्रदेश की शत-प्रतिशत आवादी को वैक्सीन का सुरक्षा कवच मिले, इसके लिये महाअभियान जरूरी है। श्री चौहान ने मुख्यमंत्री कोविड-19 विशेष अनुग्रह योजना की समीक्षा की। इस योजना में दमोह, रतलाम, छतरपुर, आगर-मालवा, डिंडौरी और भिंड को आवेदनों के शत-प्रतिशत निराकरण के लिये बधाई दी। कॉन्फ्रेंसिंग में बताया गया कि मुख्यमंत्री कोविड-19 अनुकंपा नियुक्ति योजना में प्रदेश में 553 लोगों को नियुक्ति दी जा चुकी है। इस योजना के क्रियान्वयन में नरसिंगपुर, होशंगाबाद, भोपाल, इन्दौर और जबलपुर आगे हैं। मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल सेवा योजना में प्रदेश में 843 प्रकरणों में मंजूरी दी जा चुकी है। योजना में 21 वर्ष आयु तक के ऐसे बाल हितग्राही प्रतिमाह 5 हजार रुपये आर्थिक सहायता के पात्र हैं, जिन्होंने माता-पिता को कोरोना के कारण खो दिया है। प्रदेश में हितग्राहियों को 52.65 लाख रुपये की सहायता दी जा चुकी है। कॉन्फ्रेंसिंग में बताया गया कि मध्यप्रदेश के प्रत्येक जिले में कुछ विशेष उत्पादन होते हैं। किसी जिले में काष्ठ-शिल्पियों द्वारा, किसी जिले में बंकरों द्वारा, किसी जिले में कृषि और खाद्य प्रसंस्करण से जुड़े कार्य बड़े पैमाने पर होते हैं। इन कार्यों से संबंधित व्यक्तियों की आर्थिक स्थिति में सकारात्मक परिवर्तन लाने की व्यापक संभावनायें हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि आगामी 1 नवम्बर, 2021 को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर 'एक जिला-एक उत्पाद' योजना में प्रत्येक जिला अपनी उपलब्धि का प्रदर्शन करे। नये प्रकल्पों के क्रियान्वयन का शुभारंभ हो। कॉन्फ्रेंसिंग में बताया गया कि मध्यप्रदेश में 200 ऑक्सीजन प्लांट शुरू करने के लक्ष्य को तेजी से पूरा किया जा रहा है। अब तक 135 संयंत्र शुरू हो चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम अपनी जनता को वैक्सीन के माध्यम से काफी सुरक्षित कर चुके हैं। तीसरी लहर जैसी कोई चीज आयी भी तो उससे निपटना कठिन नहीं होगा। कॉन्फ्रेंसिंग में बताया गया कि प्रदेश में जल-जीवन मिशन के अंतर्गत करीब सवा सौ करोड़ घरों तक नल से जल प्रदाय की व्यवस्था की गई है। 93 हजार से अधिक विद्यालयों और 66 हजार से अधिक आंगनवाड़ियों में भी नल से जल दिया जा रहा है। प्रदेश के 5 जिलों में कार्य की प्रगति सर्वश्रेष्ठ है, इनमें बुरहानपुर, इन्दौर, नरसिंहपुर, दतिया और बैतुल शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये पूरा सहयोग प्रदान किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान समय-समय पर कलेक्टर्स-कमिश्नर्स कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये प्रदेश में चल रही विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी प्राप्त करते हैं।

अल्जाइमर की सटीक भविष्यवाणी हो सकेगी

अल्जाइमर एक ऐसी बीमारी है, जिससे ग्रसित होने पर व्यक्ति का जीवन बहुत दुरुह हो जाता है। आमतौर पर इसके शिकार वरिष्ठ व्यक्ति होते हैं। दुनिया में मनुष्यों को होने वाली बीमारियों पर अनुसंधान होते हैं। अल्जाइमर बीमारी पर भी वैज्ञानिकों ने एक शोध किया है। इसके जरिये इस बीमारी की भविष्यवाणी करना संभव हो सकेगा। इसके लिये वैज्ञानिकों ने एक मॉडल तैयार किया है, जो डीप लर्निंग पर आधारित है। ब्रेन इमेज के जरिये इससे 99 प्रतिशत सटीकता के साथ अल्जाइमर की भविष्यवाणी की जा सकेगी। काउनास यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के मल्टीमीडिया इंजीनियरिंग के शोधकर्ता रायटिस मस्केलियुनस बताते हैं कि दुनियाभर में डॉक्टर अल्जाइमर के प्रारंभिक चरण में पहचान के लिये जागरूकता बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं, ताकि प्रभावित लोगों को इलाज से बेहतर लाभ मिल सके। अल्जाइमर के खतरे का पहला संकेत हल्का विस्मरण होता है, जो उम्र बढ़ने और मनोभ्रंश को अपेक्षित संज्ञानात्मक गिरावट के बीच का चरण है। शोधकर्ताओं ने इसके लिये अल्जाइमर से ग्रस्त रोगियों के मस्तिष्क के स्कैन का उपयोग किया है। जिसकी मदद से उनके गेम लर्निंग एल्मोरिदम ने मस्तिष्क में होने वाले संरचनात्मक परिवर्तनों को खोजना सीख लिया है। बढ़ती उम्र के साथ स्मरणशक्ति कमजोर पड़ने लगती है। आमतौर पर यह दिमाग के उत्तकों को नुकसान पहुंचाने से होता है। इसे व्यापक परिप्रेक्ष्य में मानसिक विकार अल्जाइमर कहा जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार इसमें सबसे ज्यादा योगदान करीब 70 प्रतिशत डिमेंशिया का होता है। फिलहाल इससे ग्रस्त लोगों की संख्या दुनियाभर में 24 करोड़ है। हर बीस साल में इनकी संख्या दोगुनी होने का अनुमान है। डिमेंशिया किसी एक बीमारी का नाम नहीं है, बल्कि ये कई बीमारियों का यूं कहें कि कई लक्षणों के एक समूह का नाम है। अल्जाइमर के खतरे की भविष्यवाणी का यह तरीका 138 सब्जेक्ट्स के एम.आर.आई. इमेज के विश्लेषण पर आधारित है, जो पुराने तरीके की तुलना में ज्यादा सटीक, संवेदनशील तथा विशिष्ट है।

- देवेश तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर लिखते हैं)

विश्व पर्यटन दिवस 27 सितम्बर

यात्राएं भरती हैं हमारे जीवन के कैनवास में अनुभव के रंग



क्षेत्र बन गया है। यह वैश्विक वाणिज्य क्षेत्र में अहम भूमिका अदा कर रहा है साथ ही विकासशील देशों में आय का प्रमुख स्रोत भी बन गया है।

2021 का मेजबान

संयुक्त राष्ट्र महासभा हर साल विश्व पर्यटन दिवस की विषय-वस्तु अर्थात् थीम तय करती है। विश्व पर्यटन दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य पर्यटन और उसके सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक व आर्थिक मूल्यों के प्रति विश्व समुदाय को जागरूक करना है। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर एक राष्ट्र को मेजबान राष्ट्र घोषित किया जाता है, जो कि जीयोग्राफिकल ऑर्डर पर होता है। इस वर्ष पश्चिमी अफ्रीका में स्थित लंबे समुद्र तटों के किनारों वाला कोत दिव्वार एक खूबसूरत देश है। पहले इस देश का नाम आइवरी कोस्ट था। 1985 में देश की राष्ट्रीय सरकार ने इसका नाम कोत दिव्वार कर दिया और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से मांग की कि भविष्य में अब इसे इसी नाम से पुकारा जाए। इस देश की सीमाएं पश्चिम में लाईबेरिया, उत्तर में माली एवं बुर्किना फासो से, पूर्व में घाना से एवं दक्षिण में गिनी की खाड़ी से मिलती हैं। यहां की अधिकारिक भाषा फ्रांसीसी है। देश की राजधानी यामोसुकरो है। यहां भी यह 'Tourism for Inclusive Growth' की थीम पर ही मनाया जाएगा। जिसके तहत स्थानीय लोगों का पर्यटन के माध्यम से कैसे आर्थिक विकास किया जा सके, उसे ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है।

समग्र विकास के लिए पर्यटन

इस तरह पूरे विश्व के देशों में पर्यटन को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। जिनमें सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक और आर्थिक कार्यक्रम शामिल हैं। पर्यटन दिवस की यह विशेषता है कि हर साल लोगों को विभिन्न तरीकों से जागरूक करने के लिए पर्यटन दिवस पर विभिन्न तरीके की थीम रखी जाती है। 'Tourism for Inclusive Growth.' वर्ष 2021 की थीम है अर्थात् पर्यटन के माध्यम से समग्र विकास करने पर जोर दिया जा रहा है। गौरतलब है कि कोरोना के इस संकट के दौर में पूरी दुनिया पर आर्थिक और सामाजिक असर हुआ है। ऐसे में वे समुदाय जो छोटे-छोटे कामकाज के माध्यम से अपनी जीविका चला रहे थे, उनके लिए अपने परिवार को पालना मुश्किल हो गया है। ऐसी स्थिति में पर्यटन को दोबारा पूरी सतर्कता के साथ शुरू करने पर ध्यान देने की आवश्यकता है, ताकि पर्यटन के माध्यम से इन लोगों के जीवन स्तर और आर्थिक स्थिति में सुधार लाया जा सके। यूएनडब्ल्यूटीओ के महासचिव जुराब पोलोलिकाशिवली ने इस वर्ष अपना औपचारिक संदेश जारी करते हुए कहा है कि यात्रा करना और घूमना दुनिया में हर व्यक्ति की चाह है इसलिए हर व्यक्ति को इसका आनंद लेने की आज़ादी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आर्थिक और सामाजिक विकास में भी पर्यटन की भूमिका अत्यधिक है तथा इस वर्ष की थीम भी पर्यटन के माध्यम से समग्र विकास है। ऐसे में पर्यटन के माध्यम से हम उन लोगों तक पहुंच सकते हैं, जिनका जीवन कोरोना की इस महामारी की वजह से विपरीत परिस्थितियों में है और जिनके लिए सुधार कार्य करने की सबसे ज्यादा आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतेरेस ने कहा कि कोविड-19 महामारी की वजह से सबसे ज्यादा अगर किसी बिजनेस पर

असर हुआ है तो वह पर्यटन है और पर्यटन ऐसा क्षेत्र है जिसका समाज के आर्थिक और सामाजिक क्षेत्र पर निश्चित ही प्रभाव पड़ता है। एक आंकड़े के अनुसार साल 2021 के अंत तक 4 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान जीडीपी को पर्यटन के क्षेत्र में उठाना होगा। ऐसे में बेहतर नीतियों, ट्रांसपोर्ट की बेहतर सुविधा और सतत विकास को केंद्र में रखकर ही ज़रूरतमंदों की मदद की जा सकती है।

हिंदी साहित्य में यात्रा वृत्तांत के जनक महापंडित राहुल सांकृत्यायन

यात्रा करने या यायावरी के लिए जुनून की ज़रूरत होती है। यह बात हिंदी साहित्य में यात्रा वृत्तांत के जनक महापंडित राहुल सांकृत्यायन के जीवन से बखूबी समझी जा सकती है। ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों, नदियों और घाटियों को पारकर बौद्ध पांडुलिपियों को वापस तिब्बत से भारत लाने का श्रेय राहुल सांकृत्यायन को जाता है। परिवहन के साधन का अभाव था फिर भी उन्होंने इन प्राचीन पांडुलिपियों को खच्चरों पर लादकर दुर्गम रास्तों को चोरी-छिपे तय किया। बौद्ध दर्शन के इतिहास को समझने के लिए उन्होंने चार बार तिब्बत की यात्रा की। वे सत्य की खोज में जीवन पर्यंत घूमते रहे और 'घुमक्कड़ शास्त्र' की रचना कर दी। तिब्बत की ऐतिहासिक यात्रा के बाद उन्हें महापंडित कहा गया। प्रसिद्ध इतिहासकार काशी प्रसाद जायसवाल ने उन्हें दूसरे बुद्ध की संज्ञा दी। नौ अप्रैल 1893 को उत्तरप्रदेश के आजमगढ़ जिले के पंदहवा गांव में जन्में राहुल सांकृत्यायन किसी विचारधारा में बंधे नहीं रह सके। उन्होंने सत्य की खोज में अपनी 'जीवन-यात्रा' को अनवरत जारी रखा। राहुल सांकृत्यायन की प्रमुख रचनाओं में सिंह सेनापति, वोल्गा से गंगा, मधुर स्वप्न, बहुरंगी मधुपुरी, विस्मृत यात्री, कनैला की कथा, सप्तसिंधु शामिल हैं। कई भाषाओं के जानकार होने के बावजूद राहुल ने ज्यादातर किताबें हिन्दी में ही लिखी हैं, उन्होंने जनआंदोलनों के लिए कई नाटक भी लिखे।

स्वास्थ्य से लेकर इको टूरिज़्म

पिछले कुछ वर्षों में देखा जाए तो पर्यटन में भी कई बदलाव दिखाई दिए हैं, जैसे पहले लोग सिर्फ देश में ऐतिहासिक स्थल घूमने आते थे लेकिन अब इको टूरिज़्म, रूरल टूरिज़्म, मेडिकल टूरिज़्म जैसे कई क्षेत्र विकसित हो गए हैं। भारत में अमेरिका की तुलना में स्वास्थ्य सुविधाएं सस्ती हैं, इसलिए अब विदेशों से भी लोग चिकित्सा के लिए यहां आने लगे हैं। केरल में हर साल बड़ी संख्या में पर्यटक आयुर्वेद चिकित्सा के लिए आते हैं। अब इस ओर देश के अन्य राज्य भी ध्यान देने का प्रयास कर रहे हैं। शहरों की आवां हवा में रहने वाले लोगों के लिए इको टूरिज़्म या रूरल टूरिज़्म बेहतर है। इसी तरह धार्मिक पर्यटन का स्वरूप पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा पुराना है और लगभग पूरी दुनिया में प्रत्येक व्यक्ति अपनी धार्मिक और आध्यात्मिक आस्था की पूर्ति के लिए यात्रा करता है। अगर हम धार्मिक पर्यटन के संबंध में भारत की बात करते हैं तो दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक मेला महाकुंभ हर 12 साल में एक बार आता है। इसमें देश-दुनिया से लोग तीर्थ यात्रा की दृष्टि से आते हैं। सांस्कृतिक पर्यटन के क्षेत्र में पर्यटक विशेष रूप से उन भौगोलिक क्षेत्रों में स्थानीय लोगों की जीवनशैली, उन लोगों का इतिहास, उनकी कला, वस्तु कला, धर्म और उनके जीवन के तरीके को पास से जानने और समझने के लिये एकजुट होते हैं।

सर्जना चतुर्वेदी

(लेखिका, समसामयिक विषय पर लेखन कार्य करती हैं)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड, होशंगाबाद

पुलिस कन्ट्रोल रूम के सामने, पिपरिया रोड, होशंगाबाद

दूरभाष क्रमांक : 07574-252571, फैक्स : 07574-253119, Email Address : eephedhos@mp.nic.in

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य की निविदाएं ई-टेंडरिंग पद्धति से पोर्टल <http://mptenders.gov.in> पर होशंगाबाद जिले के विकासखंड पिपरिया के विभिन्न ग्रामों में 'जल जीवन मिशन' अंतर्गत रेट्रोफिटिंग नलजल योजना क्रियान्वयन के तहत आरसीसी उच्च स्तरीय टंकी निर्माण, आरसीसी सम्प्वेल निर्माण, पंप हाउस निर्माण, मोटर पंप स्थापना, पाइप लाइन बिछाना, घरेलू नल कनेक्शन, विद्युत संयोजन कार्य तथा समस्त सामग्री एवं लेबर सहित योजनाओं की टेस्टिंग, कमीशनिंग, 90 दिवस तक ट्रायल रन कार्य हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं :

निविदा क्रमांक/दिनांक	सिस्टम क्रमांक	विकासखंड का नाम	ग्रामों की संख्या	ग्राम का नाम	निविदा की कुल लागत (रुपये में)	धरोहर राशि (रुपये में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये में)	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	ठेकेदार की श्रेणी
58/21-22 दिनांक 13.09.2021	2021_PHED_159547_1	पिपरिया	03	1. तरोनकलां 2. समनापुर 3. सिमारा	20108000/-	201080/-	15000/-	180 दिवस वर्षाक्रतु सहित	नवीन केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली
59/21-22 दिनांक 13.09.2021	2021_PHED_159551_1	पिपरिया	03	1. मटकुली 2. सिंगानामा 3. रिछेड़ा	23978600/-	239786/-	15000/-	180 दिवस वर्षाक्रतु सहित	-तदैव-
60/21-22 दिनांक 13.09.2021	2021_PHED_159554_1	पिपरिया	03	1. खापरखेड़ा 2. सांडिया 3. मरकाढाना	27070500/-	270705/-	15000/-	180 दिवस वर्षाक्रतु सहित	-तदैव-
61/21-22 दिनांक 13.09.2021	2021_PHED_159584_1	पिपरिया	03	1. खैरीकलां 2. सिलारी 3. पुनौर	23530000/-	235300/-	15000/-	180 दिवस वर्षाक्रतु सहित	-तदैव-
62/21-22 दिनांक 13.09.2021	2021_PHED_159587_1	पिपरिया	01	1. हथवांस	32502000/-	325020/-	15000/-	180 दिवस वर्षाक्रतु सहित	-तदैव-

ऑनलाइन निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि 30.09.2021 17.00 बजे तक

ऑनलाइन निविदा दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 30.09.2021 17.00 बजे तक

ऑनलाइन निविदा दर खोलने की तिथि 01.10.2021 17.00 बजे तक

जी-17074/45989/2021

कार्यपालन यंत्री, लोक स्वस्थ यांत्रिकी खण्ड, होशंगाबाद

कार्यालय संभागीय परियोजना यंत्री

लोक निर्माण विभाग पी.आई.यू. मण्डला (म.प्र.)

NIT No. 22/2021/Centralized Tender/G/APD

Jabalpur, Dated : 10.09.2021

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से प्रथम आमंत्रण की जाती है :-

क्र. एवं कार्य का नाम - 1. जिला मण्डला में उच्च शिक्षा विभागान्तर्गत शासकीय महाविद्यालय अंजनिया में भवन निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित।

पोर्टल टेंडर क्र.	ठेके की अनुमानित लागत पी.ए.सी. लाख में	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्यपूर्ण करने का समय वर्षाकाल सहित	कार्यालय का नाम जहाँ ई.एम.डी. एवं बिड प्राप्त की जावेगी	निविदा की श्रेणी/निविदा काल	90 प्रतिशत अविवादित भूमि प्राप्त एवं एमओयू निष्पादित
2021_PWPIU_159234	378.07	378070/-	15000/-	18 माह वर्षाकाल सहित	अतिरिक्त परियोजना संचालक, लो.नि.वि. पी.आई.यू. परिक्षेत्र-जबलपुर	लो.नि.वि. में नवीन श्रेणी का पंजीकरण प्रथम काल	-
2. जिला मण्डला में उच्च शिक्षा विभागान्तर्गत शासकीय महाविद्यालय मवाई में भवन निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित।							
2021_PWPIU_159240	378.07	378070/-	15000/-	18 माह वर्षाकाल सहित	अतिरिक्त परियोजना संचालक, लो.नि.वि. पी.आई.यू. परिक्षेत्र-जबलपुर	लो.नि.वि. में नवीन श्रेणी का पंजीकरण प्रथम काल	-

1. निविदा से संबंधित बिड डाक्यूमेंट वेबसाइट <http://mptenders.gov.in> पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किए जा सकेंगे। 2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा। 3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 14.09.2021 समय 9.00 बजे से दिनांक 27.09.2021 समय 18.00 बजे तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है। 4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किए जाएंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

संभागीय परियोजना यंत्री

जी-17044/45995/2021

लोक निर्माण विभाग पी.आई.यू. मण्डला (म.प्र.)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खण्ड सागर (म.प्र.)

दूरभाष : 07582-224269, E-mail : eephe_sagar@yahoo.co.in

क्र. 3166/निविदा प्रकोष्ठ/का.यं./लो.स्वा.यां./खण्ड, सागर

दिनांक : 13.09.2021

संक्षिप्त निविदा सूचना

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से अध्यक्ष जिला जल एवं स्व. मिशन सागर से प्राप्त अनुमोदन के आधार पर ई-टेंडरिंग लिफाफा पद्धति से सागर जिले के विकासखण्ड रहली में जल जीवन मिशन के अन्तर्गत रेट्रोफिटिंग नल जल योजना हेतु ऑनलाइन निविदा <http://www.mptenders.gov.in> पर आमंत्रित की जाती है। ये मात्र संक्षिप्त सूचना है निविदाकार को सलाह दी जाती है कि निविदा में भाग लेने के पूर्व विस्तृत निविदा सूचना का अवलोकन भी कर लें :-

स. क्र. एवं दिनांक	निविदा ई-टेंडर आई.डी.	ग्राम/योजना का नाम	कार्य की अनु. लागत (लाख रुपये में)	ई-धरोहर राशि (रु.)	निविदा प्रपत्र का मूल्य प्रति	निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि
1. 268/13.09.2021	2021_PHED_159375	काछी पिपरिया मेनपानी, रजउआ	75.52	75520/-	10,000/-	28.09.2021 सायं 5.30
2. 269/13.09.2021	2021_PHED_159376	पटना बुजुर्ग	109.45	1,09,450/-	12,500/-	बजे तक

समस्त विवरण <http://www.mptenders.gov.in> वेबसाइट पर अथवा अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में देखा जा सकता है निविदा प्रपत्र ऑनलाइन ही क्रय व प्रस्तुत करना होगा। समस्त प्रक्रिया 'की-डेट्स' अनुसार होगी। भविष्य में यदि कोई निविदा आमंत्रण सूचना में संशोधन होता है तो वह ऑनलाइन वेबसाइट पर ही प्रदर्शित होंगे अर्थात् समाचार पत्रों में पृथक से प्रकाशित नहीं होंगे।

सदस्य सचिव, जिला जल एवं स्व. मिशन एवं

कार्य. यंत्री, लो.स्वा.यां. खंड सागर

जी-17054/45991/2021

कार्यालय कार्यपालन यंत्री

लोक निर्माण विभाग, संभाग अलीराजपुर (म.प्र.)

सिनेमा चौराहा, कुक्षी रोड अलीराजपुर, फोन नं. : 07394-233548, ई-मेल : eepwdali@mp.gov.in

निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 04/व.ले.लि./वर्ष 2021-22/

अलीराजपुर, दिनांक : 14.09.2021

निम्न सड़क कार्य की निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	पोर्टल पर टेंडर आई.डी. क्रमांक	जिला	कार्य का नाम	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	धरोहर राशि	निविदा मूल्य	आमंत्रण क्र.	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	2021_PWDRB_159487_1	अलीराजपुर	चाँदपुर मोरधी सोरवाकेल चांदरमुली आँधारकांच गुजरात सीमा मार्ग लंबाई 7.00 कि.मी. का निर्माण कार्य।	481.31	481310/-	15000/-	द्वितीय	12 माह वर्षाकाल सहित

योग :-

481.31

481310/-

15000/-

1. उपरोक्त वेबसाइट <https://mptenders.gov.in> पर ऑनलाइन पेमेंट करने के पश्चात् बिड डाक्यूमेंट क्रय किया जा सकता है। 2. बिड प्रस्तुत करते समय बिड प्रस्तुतकर्ता को निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत करना आवश्यक हैं। I. बिड डाक्यूमेंट की खरीदी का प्रमाण, II. अर्नेस्ट मनी जमा करने का प्रमाण, III. चेक लिस्ट, IV. एफिडेविट विस्तृत जानकारी बिड डाटाशीट में देखी जा सकती है। 3. निविदा प्रपत्र ऑनलाइन क्रय करने की तिथि दिनांक 14.09.2021 सुबह 10.30 बजे से दिनांक 27.09.2021 सायं 17.30 बजे तक निर्धारित है। 4. निविदा प्रपत्र ऑनलाइन क्रय करने की अंतिम तिथि दिनांक 27.09.2021 17.30 बजे तक निर्धारित है। 5. निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन पेपर पब्लिकेशन में नहीं किया जाकर सिर्फ वेबसाइट पर ही किया जावेगा। 6. निविदा संबंधित समस्त अभिलेख ऑनलाइन प्रस्तुत करना होगा।

कार्यपालन यंत्री

जी-17051/45994/2021

लोक निर्माण विभाग संभाग, अलीराजपुर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड विदिशा (म.प्र.)

Email I.D. : eephvid@mp.nic.in, Fax No. : 07592-250336, Telephone No. : 07592-250663

VIDISHA 464001 (M.P.)

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 11/नि.प्र./खण्ड विदिशा/लोस्वायांवि/2021-22/विदिशा

दिनांक : 14.09.2021

निविदा आमंत्रण सूचना

विदिशा जिले के विभिन्न विकासखण्डों के विभिन्न ग्रामों में "जल जीवन मिशन" के अंतर्गत आर.सी.सी. उच्च स्तरीय टंकी का निर्माण, सम्प्वेल कम पम्प हाउस का निर्माण, पाइप लाइन, घरेलू नल कनेक्शन एवं विद्युत संयोजन आदि कार्य हेतु निविदा ऑनलाइन वेबसाइट <https://mptenders.gov.in> पर आमंत्रित की गई हैं। निविदा प्रपत्र दिनांक 30.09.2021 को सायं 17.00 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किये जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सके सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है :-

स. क्र.	टेंडर आई.डी. क्रमांक	विकास-खण्ड	ग्रामों की संख्या	अनुमानित लागत (PAC) (रु. में)	धरोहर राशि (EMD) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	ठेकेदार की श्रेणी
1.	2021_PHED_159579_1	नटेरन	02	13258916/-	132589/-	12500/-	05 माह वर्षाक्रतु सहित	नवीन केन्द्रीयकृत
2.	2021_PHED_159596_1	नटेरन	04	17931491/-	179315/-	12500/-	09 माह वर्षाक्रतु सहित	पंजीयन प्रणाली
3.	2021_PHED_159598_1	लटेरी	02	7118999/-	71190/-	10000/-	09 माह वर्षाक्रतु सहित	अंतर्गत पंजीकृत
4.	2021_PHED_159600_1	लटेरी	02	21645625/-	216456/-	15000/-	09 माह वर्षाक्रतु सहित	ठेकेदार

सदस्य सचिव

जिला जल एवं स्वच्छता मिशन एवं कार्यपालन यंत्री

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खण्ड विदिशा (म.प्र.)

जी-17062/45990/2021

कार्यालय कार्यपालन यंत्री

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खण्ड सागर (म.प्र.)

दूरभाष : 07582-224269, E-mail : eephe_sagar@yahoo.co.in

क्र. 3164/निविदा प्रकोष्ठ/का.यं./लो.स्वा.यां./खण्ड, सागर

दिनांक : 13.09.2021

संक्षिप्त निविदा सूचना

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से अध्यक्ष जिला जल एवं स्वच्छता मिशन सागर से प्राप्त अनुमोदन के आधार पर ई-टेंडरिंग लिफाफा पद्धति से सागर जिले के विकासखण्ड रहली/सागर में जल जीवन मिशन के अन्तर्गत रेट्रोफिटिंग नल जल योजना हेतु ऑनलाइन निविदा <http://www.mptenders.gov.in> पर आमंत्रित की जाती हैं। यह मात्र संक्षिप्त सूचना है निविदाकार को सलाह दी जाती है कि निविदा में भाग लेने के पूर्व विस्तृत निविदा सूचना का अवलोकन भी कर लें :-

स. क्र.	निविदा क्रमांक एवं दिनांक	ई-टेंडर आई.डी.	ग्राम/योजना का नाम	कार्य की अनु. लागत लाख रुपये में	ई-धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य प्रति	निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि
1.	264/08.09.2021	2021_PHED_159057	भटाटोला (बैरखेरी गुरु), मेनपानी, रजउआ	151.54	15140/-	12,500/-	28.09.2021 सायं 5.30
4.	265/08.09.2021	2021_PHED_159058	खैराना	72.96	72960/-	10,000/-	बजे तक
7.	266/08.09.2021	2021_PHED_159060	रमखिरिया	49.33	50,000/-	5000/-	
8.	267/08.09.2021	2021_PHED_159061	सहजपुरी कलां	61.52	61520-	10,000/-	

समस्त विवरण <http://www.mptenders.gov.in> वेबसाइट पर अथवा अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में देखा जा सकता है निविदा प्रपत्र ऑनलाइन ही क्रय व प्रस्तुत करने होंगे। समस्त प्रक्रिया 'की-डेट्स' अनुसार होगी। भविष्य में यदि कोई निविदा आमंत्रण सूचना में संशोधन होता है तो वह ऑनलाइन वेबसाइट पर ही प्रदर्शित होंगे अर्थात् समाचार पत्रों में पृथक से प्रकाशित नहीं होंगे।

सदस्य सचिव, जिला जल एवं स्व. मिशन एवं

कार्य. यंत्री, लो.स्वा.यां. खंड सागर

जी-17052/45992/2021

कोरोना को मारने के तीन हथियार,
हाथ धुलायी, मास्क और वैक्सीन का वार।

अफवाहों पर न दें ध्यान, कोरोना से बचने का टीका ही समाधान

कार्यालय आयुक्त, तकनीकी शिक्षा संचालनालय, मध्यप्रदेश

चतुर्थ तल, सतपुड़ा भवन, भोपाल-462004

Ph. No. 0755-2576751, Fax 0755-2552219, Website : www.mpachedu.org
Email : dtemp.bpl@mp.gov.in

प्रतिनियुक्ति हेतु विज्ञापन

प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड, भोपाल में नियंत्रक के पद पर प्रतिनियुक्ति हेतु योग्य उम्मीदवारों से दिनांक **11.10.2021 सायं 05.00 बजे तक** निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। इच्छुक आवेदक अपना आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप में भरकर सक्षम अधिकारी से अग्रपेण उपरांत निर्धारित तिथि एवं समय तक आयुक्त, तकनीकी शिक्षा संचालनालय, चतुर्थ तल, सतपुड़ा भवन, भोपाल में प्रस्तुत किया जाना सुनिश्चित करें। विवरण निम्नानुसार है :-

पदनाम	रिक्त पद	प्रतिनियुक्ति हेतु वेतनमान	अर्हता एवं अनुभव
नियंत्रक	01	6वां वेतनमान 37400-67000+ 10000 (एजीपी) अथवा 7वां वेतनमान 144200-218200 (अकादमिक स्तर 14)	इंजीनियरिंग महाविद्यालय के प्राध्यापक या इसके समकक्ष स्तर के अन्य विभाग के अधिकारियों के स्थानांतरण से जिन्हें परीक्षा कार्य का पर्याप्त अनुभव हो।

नोट :-

- उपरोक्त पद की पूर्ति प्रतिनियुक्ति से की जायेगी।
- प्रतिनियुक्ति हेतु इच्छुक आवेदक अपना आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप में सक्षम अधिकारी के माध्यम से अनापत्ति प्रमाण पत्र एवं अन्य आवश्यक समस्त प्रमाण-पत्रों सहित आयुक्त, तकनीकी शिक्षा संचालनालय, चतुर्थ तल, सतपुड़ा भवन, भोपाल को प्रस्तुत करेंगे। विना अनापत्ति प्रमाण पत्र के आवेदन मान्य नहीं किये जाएंगे।
- यदि नियंत्रक पद के लिये निर्धारित वेतनमान से अधिक वेतनमान वाले व्यक्ति आवेदन करते हैं, जो प्रतिनियुक्ति उपरांत वह किसी उच्च पद हेतु दावा नहीं कर सकेंगे।
- प्रतिनियुक्ति हेतु आवेदन करते समय सामान्य प्रशासन विभाग भोपाल के परिपत्र दिनांक 29.02.2008 एवं तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग, मंत्रालय, भोपाल के पृष्ठांकन क्रमांक/एफ 14-8/2009/बयालीस (1) दिनांक 14 मार्च 2014 में दिये गये निर्देशों का अवलोकन कर पात्रता सुनिश्चित कर लें।
- आवेदन पत्र डाक अथवा व्यक्तिगत रूप से प्रस्तुत किये जा सकते हैं। लिफाफे पर आवेदित पद का नाम अनिवार्य रूप से अंकित करें।
- समय सीमा के पश्चात प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा।
- आवेदन के संबंध में आयुक्त, तकनीकी शिक्षा संचालनालय का निर्णय अंतिम एवं बंधनकारी होगा।
- आवेदन का प्रारूप एवं अन्य आवश्यक जानकारी/सर्कुलर तकनीकी शिक्षा संचालनालय की वेबसाइट **www.mpachedu.org** पर उपलब्ध है।

आयुक्त

तकनीकी शिक्षा, संचालनालय मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड, भोपाल

नियंत्रक के पद पर प्रतिनियुक्ति हेतु आवेदन-पत्र

आवेदक का विवरण

- नाम :-
- वर्तमान में धारित पदनाम एवं विभाग :-
- वर्तमान में कार्यरत संस्था का नाम :-
- वर्तमान वेतनमान जिस पर कार्यरत हैं :-
- (छठवां अथवा सातवां वेतनमान जो लागू हो)
- जन्मतिथि :-
- सेवा में प्रथम नियुक्ति की तिथि :-
- स्थायी पता :-
- मोबाइल/लैण्डलाइन नं. :-
- ई-मेल आई.डी. :-
- शैक्षणिक योग्यता :-

स.क्र.	डिग्री	संस्था/वि.वि. का नाम	उत्तीर्ण होने का वर्ष	प्राप्तांक	प्रतिशत/सीजीपीए	अभियुक्ति
--------	--------	----------------------	-----------------------	------------	-----------------	-----------

- स्नातक योग्यता
- स्नातकोत्तर योग्यता
- पीएचडी
- अन्य डिग्री
-

11. अनुभव (सुसंगत क्रम में)

स.क्र.	पदनाम	वेतनमान	संस्था का नाम	समयावधि	
				से	तक
1.					
2.					
3.					

12. परीक्षा कार्य का अनुभव

स.क्र.	पदनाम	संस्था का नाम	परीक्षा कार्य का विवरण	समयावधि	
				से	तक
1.					
2.					
3.					

- क्या आपको कभी न्यायालयीन प्रकरणों में दोषी पाया गया है? यदि हां तो उसका विस्तृत विवरण दें।
.....
- क्या आपके द्वारा माननीय न्यायालय में शासन के विरुद्ध दायक की गई कोई रिट याचिका लंबित है? यदि हां तो उसका विस्तृत विवरण दें।
.....
- क्या आपके विरुद्ध लोकायुक्त/आर्थिक अपराध ब्यूरो/विभाग इत्यादि में जांच/विभागीय जांच/या अन्य कोई जांच लंबित है? यदि हां तो उसका विस्तृत विवरण दें।
.....

Verification

Verified that the contents from Sr. No. 1 to 15 are true to the best of my knowledge and no part of the information furnished is false and nothing has been concealed or mis-stated therein.

Verified at on this the of.....

Signature of Applicant

Place.....

Date.....

Forwarding by Competent Authority

Verified from the office records and forwarded for necessary action.

Signature and seal of Competent Authority

Place.....

Date.....

G-17104/45978/2021

कार्यालय प्राचार्य

सरदार वल्लभ भाई पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, भोपाल

(म.प्र. शासन द्वारा स्वशासी घोषित) दूरभाष नं. 0755-2660558

भोपाल, दिनांक 2021

महाविद्यालय में संचालित “निःशक्तजन विकास योजना” (Scheme of Integrating Persons with Disabilities in the Mainstream of Technical & Vocational Education) (PWDs) के अंतर्गत सत्र 2021-2022 के लिए निःशक्तजनों से निम्नलिखित ब्रांचों में त्रिवर्षीय पूर्णकालिक फार्मल डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु संलग्न प्रारूप में आवेदन दिनांक 30.09.2021 तक आमंत्रित किये जाते हैं।

क्र.	ब्रांच	अवधि	उपलब्ध सीट	शैक्षणिक योग्यता
1.	इलेक्ट्रॉनिक इंजी.	3 वर्ष	05	माध्यमिक शिक्षा मंडल, मध्यप्रदेश अथवा किसी अन्य मान्यता प्राप्त बोर्ड से (10+2) प्रणाली की दसवीं कक्षा की परीक्षा/SSC परीक्षा अथवा समकक्ष परीक्षा विज्ञान (भौतिक एवं रसायन) तथा गणित विषयों के साथ न्यूनतम 35 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य होगा।
2.	कम्प्यूटर साइंस एवं इंजी.	3 वर्ष	05	
3.	इंफॉर्मेशन टेक्नॉलोजी	3 वर्ष	05	
4.	इलेक्ट्रिकल इंजी.	3 वर्ष	05	
5.	मॉर्डन ऑफिस मैनेजमेंट	3 वर्ष	05	माध्यमिक शिक्षा मंडल, मध्यप्रदेश अथवा किसी अन्य मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10+2 प्रणाली की बारहवीं कक्षा की परीक्षा किसी भी विषय समूह के साथ न्यूनतम 35 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण।

टीप :- 1. आवेदक को मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना आवश्यक है। 2. मेडीकल बोर्ड द्वारा जारी प्रमाण-पत्र में विकलांगता का प्रतिशत 40 या इससे अधिक होना अनिवार्य है साथ ही विकलांगों हेतु व्यवसायिक पुनर्वास केन्द्र, नेपियर टाउन, दाना गोदाम के पास, जबलपुर द्वारा जारी प्रमाण-पत्र जिसमें प्रवेश हेतु इच्छुक ब्रांचों की पात्रता का उल्लेख होना आवश्यक है। 3. योजना के अंतर्गत पूर्व में अध्ययन कर चुके उम्मीदवार प्रवेश हेतु पात्र नहीं होंगे। 4. उम्मीदवार काउंसिलिंग हेतु दिनांक **06.10.2021** को प्रातः 11.00 बजे महाविद्यालय के निःशक्तजन कार्यालय में अपने मूल प्रमाण-पत्रों, फोटोग्राफ एवं अभिभावक के साथ उपस्थित होंगे। अधिक जानकारी हेतु कार्यालय पी.डब्ल्यू.डी.एस. विभाग में सम्पर्क करें। एक पाठ्यक्रम के लिये एक ही आवेदन पत्र स्वीकार किया जावेगा।

विशेष :- प्रवेशित उम्मीदवारों को निःशक्तजन योजना के नियमानुसार छात्रवृत्ति एवं अन्य भत्तों की पात्रता होगी।

प्राचार्य

निःशक्तजन विकास योजना (पी.डब्ल्यू.डी.एस.) अंतर्गत
फॉर्मल कोर्स हेतु आवेदन पत्र का प्रारूप

प्रति,

प्राचार्य

स.व. पॉलिटेक्निक महाविद्यालय

भोपाल

- उम्मीदवार का नाम
- पिता/पति का नाम
- जन्मतिथि
- लिंग (पुरुष/स्त्री)
- श्रेणी (एस.सी./एस.टी./ओ.बी.सी./सामा.)
- निःशक्तता का प्रकार एवं प्रतिशत
- व्यावसायिक पुनर्वास केन्द्र जबलपुर द्वारा कौन से पाठ्यक्रमों (फॉर्मल कोर्स) में प्रशिक्षण हेतु पात्रता प्रमाणित की गई है। (प्रमाण पत्र की छायाप्रति संलग्न करें।)
- पाठ्यक्रम (ब्रांच) का नाम जिसमें प्रवेश के इच्छुक हैं।
- पत्र व्यवहार का पता
- टेलीफोन/मोबाइल नं.
- अर्हकारी उत्तीर्ण परीक्षा (10वीं/12वीं) का विवरण :- (अंक सूची की छायाप्रति संलग्न करें)

स.क्र.	परीक्षा उत्तीर्ण	बोर्ड का नाम	प्राप्तांक	पूर्णांक	प्रतिशत
--------	------------------	--------------	------------	----------	---------

मुझे यह स्वीकार है कि मेरे द्वारा गलत जानकारी प्रस्तुत करने अथवा महत्वपूर्ण तथ्य छुपाने के फलस्वरूप यदि मैं किसी पाठ्यक्रम में सफल हो जाता/जाती अथवा वाद में किसी भी समय यह पाया जाता है कि मुझे किसी वृटिवश प्रवेश दिया गया है, तो मेरा प्रवेश विना किसी सूचना के तत्काल प्रभाव से किसी भी समय निरस्त किया जा सकेगा।

पिता/पालक के हस्ताक्षर

उम्मीदवार के हस्ताक्षर

प्रमाणित छायाप्रतियां आवेदन पत्र के साथ संलग्न करें -

- अर्हकारी परीक्षा की अंकसूची (हाईस्कूल 10वीं/12वीं)।
- व्यावसायिक पुनर्वास केन्द्र नेपियर टाउन, जबलपुर से प्राप्त प्रमाण-पत्र।
- मेडीकल बोर्ड द्वारा विकलांगता एवं प्रतिशत का प्रमाण-पत्र।
- म.प्र. के मूल निवासी का प्रमाण-पत्र।

जी-17076/45983/2021

कार्यालय कार्यपालन यंत्री

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड शिवपुरी (म.प्र.)

दूरभाष क्रमांक : 07492-223269

शिवपुरी, दिनांक : 16.09.2021

क्रमांक 07-09/2021-22/लोस्वायावि/खण्ड

निविदा आमंत्रण सूचना

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से म.प्र. लोक निर्माण विभाग में नवीन केन्द्रीयकृत प्रणाली के अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदारों से लोक निर्माण के अपेण्डिक्स 2.10 में प्रतिशत दर पर ई-निविदायें Online आमंत्रित की जाती हैं।

कार्य का नाम :- शिवपुरी जिले की निम्नानुसार नलजल प्रदाय योजनाओं के अंतर्गत उच्च स्तरीय टंकी, सम्पवेल निर्माण, पाइप लाइन विछाना, धरेलू नल कनेक्शन इत्यादि कार्य।

क्र.	निविदा सूचना क्रमांक	सिस्टम टेंडर क्रमांक	विकासखण्ड	ग्राम का नाम	कार्य की अनु. लागत (रु. लाख में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1.	07/2021-22	2021_PHED_159901_1	खनियाधाना	कसैरा, निवोदा	135.12	135500/-	12500/-
2.	08/2021-22	2021_PHED_159909_1	खनियाधाना	डबिया जगन, कफार, देवखो	240.88	241000/-	15000/-
3.	09/2021-22	2021_PHED_159927_1	खनियाधाना	धिलोन्दरा	54.30	54500/-	10000/-

निविदा क्रय/डाउनलोड दिनांक : **22.09.2021 समय 10:30 बजे से 07.10.2021 समय 17:30 तक**

बिड सबमिशन प्रारम्भ दिनांक : 22.09.2021 समय 10:30 बजे से

बिड सबमिशन अंतिम दिनांक : 07.10.2021 समय 17:30 बजे तक

तकनीकी बिड खोलने का दिनांक : 11.10.2021 समय 11:30 बजे

नोट - यह निविदा का संक्षिप्त भाग है। विस्तृत जानकारी अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय अथवा वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है। समस्त संशोधन उक्त वेबसाइट पर प्रदर्शित किये जावेंगे। संशोधनों का पृथक से प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

सदस्य सचिव डी.डब्ल्यू.एस.एम. एवं कार्यपालन यंत्री

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, खण्ड शिवपुरी, प्र.प्र.

जी-17079/45988/2021

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग खण्ड - भिण्ड

फोन नम्बर : 07534-244636, ई-मेल : eephedbhi@mp.nic.in
क्रमांक 4148/2021/लेखा/का.यं./लो.स्वा.यां./ भिण्ड, दिनांक : 15.09.2021

निविदा विज्ञप्ति क्रमांक 99 से 110

निम्न कार्य की निविदाएं ई-टेंडरिंग पद्धति से ऑनलाइन वेबसाइट <http://mptenders.gov.in> पर भिण्ड जिले के विभिन्न विकासखण्डों के विभिन्न ग्रामों में जल जीवन मिशन के अंतर्गत पाईप लाइन, घरेलू नल कनेक्शन एवं विद्युत संयोजन आदि समस्त कार्य हेतु निविदाएं निम्नानुसार आमंत्रित हैं :-

क्र.	सिस्टम क्रमांक	निविदा क्रमांक	विकास खण्ड	ग्राम/मजरों की संख्या	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रुपये में)	निविदा प्रपत्र की कीमत (रु.)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	2021_PHED_158770_1	99	अटेर	2	240.39	240390/-	15000/-	6 माह
2.	2021_PHED_158771_1	100	अटेर	2	213.14	213140/-	15000/-	6 माह
3.	2021_PHED_158772_1	101	भिण्ड	2	258.74	258740/-	15000/-	6 माह
4.	2021_PHED_158773_1	102	भिण्ड	2	271.09	271090/-	15000/-	6 माह
5.	2021_PHED_158774_1	103	भिण्ड	1	243.80	243800/-	15000/-	6 माह
6.	2021_PHED_158775_1	104	भिण्ड	1	342.32	342320/-	15000/-	6 माह
7.	2021_PHED_158776_1	105	मेंहगांव	4	313.37	313370/-	15000/-	6 माह
8.	2021_PHED_158777_1	106	मेंहगांव	2	333.39	333390/-	15000/-	6 माह
9.	2021_PHED_158778_1	107	मेंहगांव	3	437.31	437310/-	15000/-	6 माह
10.	2021_PHED_158779_1	108	रौन	1	332.25	332250/-	15000/-	6 माह
11.	2021_PHED_158780_1	109	रौन	2	323.42	323420/-	15000/-	6 माह
12.	2021_PHED_158781_1	110	लहार	2	295.78	295780/-	15000/-	6 माह

निविदा की संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकेगी।
ऑनलाइन निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि 30.09.2021 17:30 बजे
ऑनलाइन निविदा दर डालने की अंतिम तिथि 30.09.2021 17:30 बजे
ऑनलाइन निविदा दर खोलने की अंतिम तिथि 04.10.2021 11:00 बजे

कार्यपालन यंत्री
जी-17083/45987/2021 लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग खण्ड भिण्ड, म.प्र.

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड रायसेन

दूरभाष क्र. : 07482 222095, फैक्स क्र. : 07482-223388
ईमेल: eephrai@nic.in
क्रमांक/3840/लेखा./का.यं./लो.स्वा.यां./खण्ड/ रायसेन, दिनांक : 15.09.2021

निविदा आमंत्रण सूचना

रायसेन जिले के विभिन्न ग्रामों में नलजल योजना के माध्यम से ग्रामों में शत प्रतिशत क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन (FHTC) प्रदाय कार्य हेतु निम्नलिखित तालिका अनुसार ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है।
उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण <http://www.mptenders.gov.in> पर देखा जा सकता है। निविदा फार्म ऑनलाइन कम करने की अंतिम तिथि 29.09.2021 शाम 17:30 है एवं संशोधन केवल वेबसाइट पर देखे जा सकेंगे।

क्र.	ऑनलाइन टेंडर आई.डी. क्र.	निविदा क्रमांक	वि.खं.	ग्राम का नाम	कार्य की अनु. लागत राशि रु.
01.	2021_PHED_158144_1	27	औ.गंज	1. मजूसखुर्द 2. पाझिर 3. खोदरा 4. खमरिया 5. दारुदगढ़ 5. जैतपुर 6. मण्डवारमपुरा 7. जटानपुर 8. करकवानी 9. सर्रा।	21146877/-
02.	2021_PHED_158145_1	28	औ.गंज	1. हिनोतिया 2. चंपानेर 3. बम्होरी 4. हथियाखेडी 5. अमरथोन 6. मुनीरगढ़ 7. लुलका	18977106/-
03.	2021_PHED_158146_1	29	औ.गंज	1. बोदरा 2. गौहरगंज 3. वांसकुअर	19954352/-
04.	2021_PHED_158147_1	30	औ.गंज	1. मुरारी चौपडा 2. दाहोद 3. बीलाखेडी	18658434/-
05.	2021_PHED_158148_1	31	औ.गंज	1. जावरा मलखार 2. नाशीपुर 3. बावडियागोंडी 4. झिरीबहेडा 5. ईमलियागोंडी 6. भूतपलासी 7. कुम्हारिया	21129689/-
06.	2021_PHED_158149_1	32	औ.गंज	1. समनापुरकला 2. जमुनियावीरान 3. नगरी 4. पिपलानीखुर्द 5. भियापुर 6. तजपुरा	23149934/-
07.	2021_PHED_158150_1	33	सांची	1. खामखेडा 2. मुठैल 3. सरार 4. पन्नेश्वर 5. मेहगांव 6. गुदावल 7. खण्डेरा	24733559/-
08.	2021_PHED_158151_1	34	सांची	1. बारला 2. नकतरा 3. वनगवा	25292031/-
09.	2021_PHED_158152_1	35	गैरतगंज	1. देहगांव	35917134/-
10.	2021_PHED_158153_1	36	उदयपुरा	1. पडरईकलां 2. टिमरावन 3. रमपुरा	19558359/-
11.	2021_PHED_158295_1	37	वाड़ी	1. गौरामच्छवाई 2. गुरारिया	8638949/-

सदस्य सचिव
जिला जल एवं स्वच्छता मिशन एवं कार्यपालन यंत्री
जी-17036/45986/2021 लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, खंड रायसेन

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय कन्या शिक्षा परिसर धरमपुरी

(बैगंदा, रोड धामनोद), जिला धार (म.प्र.) मो. नं. : 9669743603
E-mail : Kanyashikshadharampuri@gmail.com, Affiliation No. 1020087
क्रमांक/अतिथि/2021/040 धरमपुरी, दिनांक : 14.09.2021

विज्ञप्ति वर्ष - 2021

अतिथि शिक्षकों के लिए आवेदन पत्र आमंत्रण

आवेदन प्रारंभ तिथि : 20.09.2021 आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि : 28.09.2021
शासकीय कन्या शिक्षा परिसर धरमपुरी वि.ख. धरमपुरी अंतर्गत सत्र 2021-22 में कक्षा 6वीं से 12वीं तक अध्यापन कार्य हेतु निम्न विषयों के अतिथि शिक्षकों की आवश्यकता है :

क्र.	पदनाम	विषय	पद संख्या	अनिवार्य योग्यता
1.	पी.जी.टी. अतिथि शिक्षक	हिन्दी अंग्रेजी जीव विज्ञान भौतिक रसायन राजनीति अर्थशास्त्र भूगोल	1 1 1 1 1 1 1 1	1. विश्वविद्यालय/मान्यता प्राप्त संस्था से संबंधित विषय में 60 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातकोत्तर उपाधि। 2. बी.एड.। 3. हिन्दी तथा अंग्रेजी दोनों माध्यम में पढ़ाने की दक्षता।
2.	टी.जी.टी. अतिथि शिक्षक	हिन्दी अंग्रेजी संस्कृत गणित सा. विज्ञान	1 1 1 1 1	1. विश्वविद्यालय/मान्यता प्राप्त संस्था से संबंधित विषय में 60 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातकोत्तर उपाधि। 2. बी.एड.। 3. हिन्दी तथा अंग्रेजी दोनों माध्यम में पढ़ाने की दक्षता।
3.	व्यायाम शिक्षक (टी.जी.टी., महिला)	खेल कूद	1	स्नातक 50 प्रतिशत अंकों के साथ B.P. ed. अनिवार्य।

शर्तें :-

- आवेदन निर्धारित प्रारूप में सभी दस्तावेजों की प्रमाणित छाया प्रति संलग्न कर निर्धारित दिनांक 28.09.2021 तक स्वयं अथवा पंजीकृत डाक द्वारा विद्यालय के कार्यालय प्राचार्य कन्या शिक्षा परिसर धरमपुरी के नाम कार्यालयीन समय में जमा करें।
- एक से अधिक पदों हेतु पृथक-पृथक आवेदन पत्र जमा करना होगा।
- शासकीय विद्यालय जो सी.बी.एस.ई. पाठ्यक्रम से संचालित है, में अध्यापन अनुभवधारी अभ्यर्थी को अनुभव प्रमाण पत्र के आधार पर प्राथमिकता दी जायेगी।
- प्राप्त आवेदनों की जांच के उपरांत प्राप्तियों एवं अनुभव अंकों के आधार पर मेरिट सूची अनुसार अतिथि शिक्षकों का पैनल तैयार कर वरीयता क्रम के अनुसार जिला स्तरीय चयन समिति द्वारा चयनित करने पर अध्यापन हेतु आमंत्रित किया जावेगा।
- राज्य शासन द्वारा नियमित शिक्षकों की अथवा प्रतिनियुक्ति होने पर पद विरुद्ध नियुक्त अतिथि शिक्षक की नियुक्ति स्वतः समाप्त होगी।
- ऐसे टीजीटी अतिथि शिक्षक जिनके द्वारा CTET परीक्षा उत्तीर्ण की गई है, उन्हें MPSARAS द्वारा निर्धारित राशि के अतिरिक्त विशेष लाभ दिया जा सकता है तथा जिनके द्वारा CTET परीक्षा उत्तीर्ण नहीं की गई है। उन्हें मासिक मानदेय MPSARAS द्वारा निर्धारित राशि प्रदाय की जायेगी। पी.जी.टी. अतिथि शिक्षकों को MPSARAS द्वारा निर्धारित राशि प्रदाय की जायेगी।
- चयनित अतिथि शिक्षकों को विद्यालय आवासीय होने से चयनित मुख्यालय पर रहना एवं आवश्यकता पड़ने पर निदानात्मक कक्षाओं की ड्यूटी भी देना अनिवार्य होगा।
- अतिथि शिक्षकों की व्यवस्था विद्यालय में स्वीकृत पदों के विरुद्ध रिक्त पदों के लिए वास्तविक आवश्यकता का आंकलन जिला स्तरीय समिति द्वारा किया जाकर प्राप्त आवेदनों की मेरिट सूची के आधार पर जिला स्तरीय समिति द्वारा चयनित किये जावेंगे तथा अतिथि शिक्षकों के अधिकतम कालखण्डों का निर्धारण जिला स्तरीय समिति द्वारा किया जावेगा।
- सत्र 2021-22 के दौरान कार्य संतोषप्रद नहीं पाये जाने पर संस्था आपको अतिथि शिक्षक से मुक्त कर सकती है।
- MPSARAS द्वारा वेतन एवं अन्य शर्तें जो निर्धारित कि जावेंगी, वो मान्य करनी होंगी।

प्राचार्य
जी-17066/45982/2021 शास. कन्या शिक्षा परिसर धरमपुरी

कार्यालय संभागीय परियोजना यंत्री
लोक निर्माण विभाग, परियोजना क्रियान्वयन इकाई
साउथ सिविल लाइन, जबलपुर

NIT No. 22/2021/Centralized Tenders/G/APD/JBP/ Dated : 10.09.2021
निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती हैं :-

स. क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
1.	2021_PWPIU_159395_1	संभागीय परियोजना यंत्री (वि/यां)जबलपुर कार्यालय अतिरिक्त परियोजना संचालक लो.नि.वि. पी.आई.यू. जबलपुर के निरीक्षण कार्य हेतु स्कार्पियों या समतुल्य वाहन लगाने के कार्य की निविदा। (द्वितीय आमंत्रण)	जबलपुर	7.00	14000/-	2000/-	24 माह
2.	2021_PWPIU_159403_1	नवीन जिला न्यायालय जबलपुर में द्वितीय तल पर मंदिर के तरफ ब्रिज का निर्माण कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	जबलपुर	10.10	20200/-	2000/-	03 माह
2.	2021_PWPIU_159412_1	संयुक्त तहसील कार्यालय भवन नगरीय तहसील अधारताल जिला जबलपुर का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	जबलपुर	488.47	488470/-	15000/-	12 माह

1. निविदा से संबंधित विड डॉक्यूमेंट वेबसाइट <https://mptenders.gov.in> पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे। 2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा। 3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 14.09.2021 समय 9.00 से दिनांक 27.09.2021 समय 18.00 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है। 4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

संभागीय परियोजना यंत्री
जी-17053/45993/2021 लोक निर्माण विभाग पी.आई.यू., जबलपुर

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सामान्य ज्ञान – भूगोल (उड़ीसा)

- कोणार्क मन्दिर किस राजा द्वारा बनाया गया?
(अ) नरसिंह देव
(ब) अशोक
(स) भीमसेन
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं
- कलिंग तथा उत्कल किस राज्य का प्राचीन नाम है?
(अ) छत्तीसगढ़ (ब) विहार
(स) तेलंगाना (द) उड़ीसा
- उड़ीसा उच्च न्यायालय कहां स्थित है?
(अ) कटक (ब) भुवनेश्वर
(स) पुरी (द) संबलपुर
- भितरकणिका राष्ट्रीय उद्यान स्थित है?
(अ) मध्यप्रदेश (ब) महाराष्ट्र
(स) उत्तरप्रदेश (द) उड़ीसा
- नंदनकानन राष्ट्रीय उद्यान कहां स्थित है?
(अ) कटक (ब) भुवनेश्वर
(स) संबलपुर (द) पुरी
- किस राज्य से कर्क रेखा नहीं गुजरती है?
(अ) मध्यप्रदेश (ब) छत्तीसगढ़
- उड़ीसा के किस जिले की सीमा झारखण्ड और पश्चिम बंगाल से स्पर्श होती है?
(अ) मयूरभंज (ब) बालेश्वर
(स) सुंदरगढ़ (द) बारगढ़
- उड़ीसा का कौन-सा समुद्र तटीय जिला नहीं है?
(अ) बालेश्वर (ब) पुरी
(स) गंजम (द) गजपति
- उड़ीसा में कौन सी झील है?
(अ) सांभर झील
(ब) चिल्का झील
(स) अष्टमुखी झील
(द) कोयना झील
- हिराकुण्ड बांध किस नदी पर स्थित है?
(अ) दामोदर नदी
(ब) महानदी
(स) इन्द्रावती नदी
(द) ब्रह्माणी नदी
- निम्न में से कौन-सा राष्ट्रीय उद्यान/वन्यजीव अभ्यारण्य टाइगर प्रोजेक्ट के अंतर्गत शामिल है?
(अ) सिमलीपाल
(ब) चिल्का वन्यजीव अभ्यारण्य
- उड़ीसा के मेलकानगिरी जिले में कौन-सी जनजाति पायी जाती है?
(अ) बोंडा जनजाति
(ब) भील जनजाति
(स) संथाल जनजाति
(द) कोरकू जनजाति
- उड़ीसा में कौन-सा बंदरगाह स्थित है?
(अ) पारादीप (ब) तूतीकोरन
(स) कोच्चिन (द) मछलीपटनम
- कौन-सा लोक नृत्य उड़ीसा राज्य से संबंधित है?
(अ) घमुरा नृत्य (ब) पाला नृत्य
(स) दलवाई नृत्य
(द) उपरोक्त सभी
- स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया का इस्पात कारखाना स्थित है?
(अ) राउरकेला (ब) पुरी
(स) बालेश्वर (द) मयूरभंज
- कटक शहर किस नदी के किनारे बसा हुआ है?
(अ) महानदी
(ब) इन्द्रावती नदी
- शिवनाथ नदी
(द) हसदेव नदी
- किस खनिज के उत्पादन में उड़ीसा राज्य शीर्ष पर है?
(अ) तांबा (ब) सोना
(स) बॉक्साइट (द) फेल्सपार
- उड़ीसा के किस जिले में बॉक्साइट का बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जाता है?
(अ) कोरापुट (ब) संबलपुर
(स) बालासोर
(द) इनमें से कोई नहीं
- उड़ीसा राज्य का जनगणना-2011 के अनुसार लिंगानुपात है?
(अ) 850 (ब) 920
(स) 978 (द) 995
- उड़ीसा राज्य में कौन-सा सागरीय पुलिन (बीच) है?
(अ) मरीना (ब) गोपालपुर
(स) कलांगुट (द) दीघा
- उड़ीसा दिवस कब मनाया जाता है?
(अ) 1 नवम्बर (ब) 1 अप्रैल
(स) 12 मई (द) 1 जून
- महानदी की सहायक नदी नहीं है?
(अ) जोंक नदी (ब) तेल नदी
(स) कोयना नदी (द) इव नदी
- मयूरभंज जिले का बादाम पहाड़ किस अयस्क के उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है?
(अ) लोहा (ब) सोना
(स) तांबा (द) इनमें से कोई नहीं
- उड़ीसा का मैंगनीज उत्पादक जिला है?
(अ) कालाहांडी (ब) कोरापुट
(स) सुंदरगढ़ (द) उपरोक्त सभी
- नाल्को एल्युमिनियम संयंत्र किस जिले में स्थित है?
(अ) कोरापुट (ब) विलासपुर
(स) संबलपुर (द) कटक

उत्तरमाला

- अ, 2. द, 3. अ, 4. द, 5. ब, 6. द, 7. अ, 8. द, 9. ब, 10. ब, 11. अ, 12. अ, 13. अ, 14. द, 15. अ, 16. अ, 17. स, 18. अ, 19. स, 20. ब, 21. ब, 22. स, 23. अ, 24. द, 25. अ।

- डॉ. संदीप सारवान

(लेखक, शासकीय महाविद्यालय टोंकखुर्द, जिला देवास में भूगोल के सहायक प्राध्यापक हैं)



आजादी के अनजान नायिकाओं, नायकों की गाथाओं को जनमानस में पहुंचाएं

भोपाल, सैनिक राष्ट्र का गौरव होते हैं। उनसे जनमानस को राष्ट्र की सेवा और संकल्प की प्रेरणा लेनी चाहिये। आजादी के अमृत महोत्सव को जन उत्सव के रूप में मनाया जाये। सीमा बलों द्वारा देश के विभिन्न हिस्सों, भाषा, वर्ग और समुदायों के बीच देश की आजादी के लिए अपना सब कुछ खपा देने वाले अनजान नायकों, नायिकाओं की गाथाओं को पहुंचायें। ये बातें राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने भोपाल स्थित शौर्य स्मारक में सशस्त्र सीमा बल की साइकिल रैली शुभारम्भ कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहीं। शौर्य स्मारक भोपाल से प्रारम्भ साइकिल रैली राजघाट दिल्ली पर सम्पन्न होगी।

कठिन संघर्ष के बाद मिली है देश को आजादी

श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि हमारा देश ज्ञान और समृद्धि का प्रतीक था। यहां तक्षशिला नालंदा जैसे ज्ञान के केंद्र थे। जहां दुनियाभर के लोग ज्ञान प्राप्त करते थे। इतना समृद्ध था कि दूध दही की नदियां बह जाएं। ऐसे वीर सेनानी थे जिनकी वीरता की दुनिया में मिसाल दी जाती थी। व्यापार करने आए अंग्रेजों ने लोगों की आपसी ईर्ष्या, फूट और भेदभाव का लाभ लेते हुए आपस में लड़वा कर सत्ता हड़प ली। उन्होंने कहा कि आजादी हमें कठिन संघर्ष के बाद मिली है। इसके लिए किए गए त्याग और बलिदान से आजादी के अमृत महोत्सव में युवा पीढ़ी को परिचित कराया जाये। उन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा और सेवा में लगे सैनिक बलों के द्वारा आजादी के महोत्सव कार्यक्रमों के आयोजन के लिए सराहना की।

दो अक्टूबर को सम्पन्न होगी साइकिल रैली

सशस्त्र सीमा बल अकादमी के निदेशक श्री राजिन्द्र कुमार भूमला ने स्वागत उद्बोधन में बताया कि साइकिल रैली करीब 865 किलोमीटर की यात्रा कर 2 अक्टूबर को राजघाट में सम्पन्न होगी। सशस्त्र सीमा बल के गठन के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भोपाल स्थित प्रशिक्षण अकादमी द्वारा सहायक कमांडेंट से लेकर उप महानिरीक्षक स्तर के अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाता है।

भेयो ग्रुप ऑफ कॉलेज

सुल्तानिया रोड, स्टेट बैंक चौराहे के पास, भोपाल-462001
इन्द्र विहार कालोनी, एयरपोर्ट रोड, भोपाल-462032
Tel. No. 9425010770, 9425605962

म.प्र. पैरामेडिकल काउंसिल, म.प्र. मेडिकल साइंस विश्वविद्यालय, जबलपुर,
इंडियन नर्सिंग काउंसिल, नई दिल्ली, म.प्र. नर्सिंग काउंसिल
एवं थिकिस्ता शिक्षा विभाग म.प्र. से मान्यता प्राप्त

प्रवेश सत्र 2021-22

क्र.	पाठ्यक्रम	अवधि
1.	मास्टर ऑफ नर्सिंग (एम.एस.सी नर्सिंग)- योग्यता बी.एस.सी. नर्सिंग	2 वर्ष
2.	मास्टर ऑफ फिजियोथेरेपी (एम.पी.टी.) योग्यता बी.पी.टी.	2 वर्ष
3.	मास्टर ऑफ मेडिकल लेब टेक्निशियन (एम.एम.एल.टी.) योग्यता बी.एम.एल.टी.	2 वर्ष
4.	बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी (बी.पी.टी.) 6 माह इंटरशिप	4 वर्ष
5.	पोस्ट बैसिक बी.एस.सी नर्सिंग-योग्यता जी.एन.एम.	2 वर्ष
6.	डिप्लोमा इन मेडिकल लेब टेक्निशियन (डी.एम.एल.टी.)	2 वर्ष
7.	सर्टिफिकेट इन एक्स-रे रेडियोग्राफर टेक्निशियन	1 वर्ष
8.	ओ.टी. टेक्निशियन (ऑपरेशन थिएटर)	1 वर्ष
9.	एम.बी.ए.	2 वर्ष

क्रमांक 4 एवं 6 से लेकर क्रमांक 8 तक के लिए योग्यता 12वीं जीव विज्ञान विषय से। तथा क्र. 9 के लिए स्नातक किसी भी विषय से। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्ग के छात्रों के लिये शासन अनुसार छात्रवृत्ति की सुविधा। छात्राओं के लिए उत्तम भोजन युक्त छात्रावास की विशेष सुविधा उपलब्ध है।

संचालक

R-45999/2021

कार्यालय अध्यक्ष, काउंसलिंग समिति, तकनीकी शिक्षा संचालनालय, मध्यप्रदेश

टेगोर छात्रावास क्रमांक-टी 2, प्रथम तल, श्यामला हिल्स, दूरदर्शन रोड, भोपाल - 462002

बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी/इंजीनियरिंग (बी.टेक./बी.ई.) पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु (मध्यप्रदेश में स्थित शासकीय/स्वशासी/अनुदान प्राप्त/स्ववित्तीय/निजी इंजीनियरिंग संस्थान)

ऑनलाइन काउंसलिंग समय सारणी, सत्र 2021-22

प्रथम चरण	
जेईई मेन - 2021 की मेरिट पर आधारित सामान्य पूल एवं TFW की सीटों के लिए एक साथ संयुक्त रूप से आयोजित	
गतिविधियां	दिनांक/समय
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन/ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन निरस्त	23.09.2021 (सायं 5 बजे से प्रारंभ) से 27.09.2021 सायं 5:00 तक
रजिस्ट्रेशन में सुधार (Edit Registration) ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि/समय के उपरान्त, ऑनलाइन सत्यापित उम्मीदवारों के लिये रजिस्ट्रेशन में सुधार की सुविधा, जो केवल एक बार के लिये ही रहेगी।	27.09.2021 (सायं 5:00 से) से 28.09.2021 (दोपहर 12:00 बजे तक)
इच्छित संस्थाओं के प्राथमिकताक्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक करना प्राथमिकता क्रम (Choice filling) में परिवर्तन की सुविधा अंतिम दो दिन उपलब्ध रहेगी।	24.09.2021 से 28.09.2021 रात्रि 11:45 बजे तक
कॉमन मेरिट सूची की उपलब्धता	29.09.2021 अपराह्न 3:00 बजे तक
आवंटन पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता/आवंटित संस्था में उपस्थिति, आवंटित संस्था में मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश।	03.10.2021 से 05.10.2021 सायं 5:00 बजे तक
अपग्रेडेशन का विकल्प ऑनलाइन प्रस्तुत करना	03.10.2021 से 05.10.2021 सायं 5:00 बजे तक
अपग्रेडेशन आवंटन पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता/आवंटित संस्था में उपस्थिति, आवंटित संस्था में मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश	08.10.2021 से 10.10.2021 सायं 5:00 बजे तक
द्वितीय चरण	
जेईई मेन - 2021 के आधार पर आवंटन उपरान्त रिक्त रह गई सीटों के लिये अर्हकारी परीक्षा के आधार पर आवंटन जारी किया जायेगा	
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन/ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन निरस्त (12वीं के आधार पर)	30.09.2021 से 11.10.2021 सायं 5:00 बजे तक
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन/ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन निरस्त (जेईई मेन - 2021 के आधार पर)	05.10.2021 से 11.10.2021 सायं 5:00 बजे तक
रजिस्ट्रेशन में सुधार (Edit Registration) ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि के उपरान्त, ऑनलाइन सत्यापित उम्मीदवारों के लिये रजिस्ट्रेशन में सुधार की सुविधा, जो केवल एक बार के लिये ही रहेगी।	12.10.2021 से 12.10.2021 सायं 5:00 बजे तक
इच्छित संस्थाओं के प्राथमिकताक्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक करना प्राथमिकता क्रम (Choice filling) में परिवर्तन की सुविधा अंतिम दो दिन उपलब्ध रहेगी।	01.10.2021 से 13.10.2021 रात्रि 11:45 बजे तक (12वीं के आधार पर) एवं 06.10.2021 से 13.10.2021 रात्रि 11:45 बजे तक (जेईई मेन-2021 के आधार पर)
कॉमन मेरिट सूची की उपलब्धता	14.10.2021 अपराह्न 3:00 बजे तक
आवंटन पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता/आवंटित संस्था में उपस्थिति, आवंटित संस्था में मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश (प्रथमतः जेईई मेन - 2021 के आधार पर आवंटन पश्चात् रिक्त सीटों पर 12वीं के आधार पर आवंटन जारी किया जायेगा)।	17.10.2021 से 19.10.2021 सायं 5:00 बजे तक
आंतरिक ब्रांच परिवर्तन	
प्रवेशित संस्था के लिये प्राथमिकता क्रम का ऑनलाइन चयन	20.10.2021 से 20.10.2021 सायं 5:00 बजे तक
ब्रांच परिवर्तन की सूची एवं पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता	22.10.2021 को अपराह्न 4:00 बजे तक
संस्था स्तर की काउंसलिंग (CLC)	
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन	21.10.2021 से 25.10.2021 रात्रि 11:30 बजे तक
इच्छुक संस्था में प्रवेश का अवसर प्राप्त करने के लिये उपस्थित होना।	24.10.2021 से 25.10.2021 प्रातः 10:30 बजे से प्रति दिन अंतिम दिन रात्रि 11:45 तक।
- प्रवेश नियम, विस्तृत समय-सारणी, अभ्यर्थी मार्गदर्शिका/काउंसलिंग प्रक्रिया, अधिकृत सहायता केन्द्रों की सूची आदि वेबसाइट dte.mponline.gov.in पर उपलब्ध है। काउंसलिंग में सम्मिलित होने के पूर्व इनका सूक्ष्मता से अध्ययन कर लें। - काउंसलिंग के किसी भी चरण में प्राथमिकता क्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक करने की अंतिम दिनांक/समय से आवंटन जारी होने तक प्रवेश निरस्तीकरण की सुविधा उपलब्ध नहीं रहेगी।	
संपर्क : 0755-6720205, 2660441, ई-मेल : dte.helpcenter@mp.gov.in	
(कोविड-19 के कारण, सहायता केन्द्रों पर किसी भी अभ्यर्थी को जाने की आवश्यकता नहीं)	
म.प्र. माध्यम/102050/46000/2021	
अध्यक्ष, काउंसलिंग समिति एवं आयुक्त, तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश	

भीड़-भाड़ से रहेंगे दूर, कोरोना भागने को हो जायेगा मजबूर

जमीनी क्रियान्वयन के आधार पर हो योजनाओं की समीक्षा

भोपाल, योजनाओं की समीक्षा जमीनी क्रियान्वयन के आधार पर की जानी चाहिए। अधिकारी क्षेत्र का सतत भ्रमण करें। योजना की मंशा के व्यवहारिक रूप के आधार पर क्रियान्वयन कार्य की समीक्षा की जानी चाहिए। यह बात राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने भोपाल स्थित राजभवन में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं के संबंध में अधिकारियों से चर्चा करते हुये कही।

राज्यपाल ने अधिकारियों से कहा कि योजना की मंशा और सफलता, उसके जमीनी स्वरूप के आधार पर तय की जानी चाहिए। इसके लिए जरूरी है कि योजना के क्रियान्वयन की अधिकारी मौके पर जाकर समीक्षा करें। गांव वालों के साथ संवाद कायम कर जानकारी प्राप्त करें। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को सुनिश्चित किए जाने पर बल दिया। निर्माण के विभिन्न चरणों में कार्यों की नियमित मॉनीटरिंग की जरूरत बताई। अधिकारियों से कहा कि

मध्यप्रदेश ने एक दिन में

सत्ताईस लाख से अधिक लोगों का वैक्सीनेशन कर बनाया नया रिकॉर्ड

भोपाल, मध्यप्रदेश ने 17 सितंबर को एक दिन में 27 लाख 14 हजार 795 लोगों को वैक्सीन लगाकर फिर से एक नया रिकॉर्ड बनाया है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने टीकाकरण महाअभियान-3 में मिली रिकॉर्ड उपलब्धि के लिये जनप्रतिनिधि, प्रशासन, डॉक्टर्स, स्वास्थ्य कर्मी, स्वयं सेवी संस्थाओं और नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

श्री चौहान ने कहा है कि हमारा लक्ष्य है कि 26 सितम्बर तक प्रत्येक पात्र व्यक्ति को वैक्सीन की पहली डोज लग जाये। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सहयोग से प्रदेश को निःशुल्क और आवश्यकतानुसार वैक्सीन उपलब्ध हो रही है। निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने के लिए वैक्सीनेशन का कार्य प्रदेश में लगातार जारी रहेगा।

मुख्यमंत्री के लगातार प्रयासों और प्रदेश के जनभागीदारी मॉडल को अपना कर टीकाकरण महाअभियान-3 को अपार सफलता मिली। एक दिन में 27 लाख से ज्यादा लोगों ने वैक्सीन लगाकर पुनः देश में अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है। प्रदेश के 16 जिलों में निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध 100 प्रतिशत से अधिक वैक्सीनेशन हुआ। कुल हुए वैक्सीनेशन में 14 लाख 78 हजार

ऐसा करने से यदि कार्य में कमी अथवा गड़बड़ी मिलती है तो प्रारम्भिक अवस्था में ही उसे सुधारा जा सकेगा।

श्री पटेल ने कहा कि किसी भी कार्य की सफलता में कार्य करने वालों की भावना बहुत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि गरीब और जरूरतमंद के लिए किए गये कार्यों से अपार आत्म-संतुष्टि और आनंद प्राप्त होता है। श्री पटेल को बताया गया कि प्रदेश में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में वनाधिकार अधिनियम 2006 के तहत वन भूमि हक प्रमाण-पत्र धारक परिवारों को वर्ष में 150 दिवस का रोजगार और अन्य को 100 दिवस का रोजगार उपलब्ध कराया जाता है।

योजना में रोजगार के साथ स्थायी परिसम्पत्तियों के सृजन के लिए 162 प्रकार के कार्य कराए जाते हैं। रोजगार सृजन में 30 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी होना भी अनिवार्य किया गया है।

869 नागरिकों को वैक्सीन की पहली डोज और 12 लाख 35 हजार 926 नागरिकों को वैक्सीन की दूसरी डोज लगाई गई।

श्री चौहान ने कहा कि हमारी प्राथमिकता कोरोना पर विजय प्राप्त करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि टीकाकरण महाअभियान में सभी टीकाकरण केंद्रों पर जो व्यवस्थाएं की गई, उसका परिणाम यह रहा कि प्रदेश में रिकॉर्ड वैक्सीनेशन हुआ। लोग स्व-प्रेरणा से आगे आये और महाअभियान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि टीकाकरण महाअभियान में बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिये स्थानीय प्रशासन द्वारा केंद्र पर लाने और ले जाने के लिए वाहन की व्यवस्था की गई। अनेक क्षेत्रों में बुजुर्गों और दिव्यांग जनों ने प्रेरक की भूमिका अदा कर लोगों को वैक्सीन लगवाने के लिये प्रेरित भी किया। सम्पूर्ण प्रदेश में टीकाकरण महाअभियान में जो सकारात्मक वातावरण निर्मित हुआ है, उसमें समाज के विभिन्न वर्गों की भागीदारी अहम रही है। प्रदेश का हर नागरिक कोरोना संक्रमण के प्रति सजग है। शीघ्र ही मध्यप्रदेश के शत-प्रतिशत लोग वैक्सीन के सुरक्षा कवच में आ जायेंगे।

जनजातीय समाज को अधिकार देने की प्रदेश सरकार ने की है शुरुआत

चरणबद्ध तरीके से प्रदेश में लागू किया जायेगा पेसा एक्ट - मुख्यमंत्री



केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह और मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों का अवलोकन करते हुये।

जबलपुर, मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में जनजातीय कल्याण की दिशा में बेहतर कार्य हुए हैं। केंद्र सरकार के साथ राज्य सरकार ने भी जनजातियों के विकास के लिए अनेक योजनाएं बनाकर उन्हें मैदानी स्तर पर क्रियान्वित किया है। मध्यप्रदेश में जनजातीय विकास के लिए पहले भी कार्य हुए हैं, लेकिन श्री शिवराज सिंह चौहान ने जनजातीय वर्ग को अधिकार देने की शुरुआत की है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने यह बात जबलपुर में गैरिसन ग्राउंड में अमर शहीद शंकर शाह एवं कुँवर रघुनाथ शाह के बलिदान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य दोनों ही सरकारें जनजातीय विकास के लिए समर्पित सरकारें हैं। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने जनजातीय कल्याण के लिए कई कार्यों को मैदानी स्तर पर अमलीजामा पहनाने का कार्य किया है।

आजादी की अलख जगाने में जनजातीय वर्ग का योगदान अधिक

श्री शाह ने कहा कि आजादी की अलख जगाने का इतिहास उठाकर देखें तो वर्ष 1857 की क्रांति और उससे पहले गुलामी की जंजीरों से मां भारती को मुक्त कराने में बलिदान देने वालों में जनजातीय वर्ग के नायकों की भूमिका सर्वाधिक रही है। श्री शाह ने देशभर के जनजातीय समाज के नायक भगवान विरसा मुंडा, टंट्या भील, रानी दुर्गावती सहित अन्य जन-नायकों की आजादी की लड़ाई में उनके योगदान पर

विस्तार से प्रकाश डाला।

हर वर्ष मनाया जायेगा

बलिदान दिवस - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पराक्रमी राजा शंकर शाह एवं कुँवर रघुनाथ शाह ने अपनी मातृ-भूमि, अपने धर्म, अपने राज्य की रक्षा के लिये और भारत माता की परतन्त्रता की जंजीरों को काटने के लिये अपना सर्वस्व न्यौछावर किया है। हम उन सभी वीरों की पूजा करते हैं, जिन्होंने मातृ-भूमि के लिये अपना सर्वस्व न्यौछावर किया। ऐसे जनजातीय नायकों को समर्पित भव्य स्मारक का निर्माण कराया जायेगा, जिसका सूत्रपात आज किया गया है। हर साल 18 सितम्बर को बलिदान दिवस मनाया जायेगा।

पेसा कानून की भावना के

अनुरूप जंगल का प्रबंधन

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सामुदायिक वन प्रबंधन का अधिकार जनजातीय भाई-बहनों को देने जा रहे हैं। पेसा एक्ट चरणबद्ध तरीके से प्रदेश में लागू किया जायेगा। उन्होंने पेसा एक्ट की भावना के अनुरूप जंगल प्रबंधन की बात कही। उन्होंने बताया कि पेसा एक्ट ग्राम सभा को सामुदायिक संसाधनों की सुरक्षा और संरक्षण का अधिकार देता है। वन भी सामुदायिक संसाधन हैं। इसे अमलीजामा पहनाने के लिये हम सामुदायिक वन प्रबंधन समितियों के गठन की जिम्मेदारी ग्राम सभा को देने जा रहे हैं। अब सामुदायिक वन प्रबंधन समितियां वर्किंग प्लान के अनुसार हर साल का माइक्रो प्लान बनाएंगी और उसे ग्राम सभा से

अनुमोदित कराएंगी। समितियां ही उस प्लान को क्रियान्वित करेंगी। वन विभाग का अमला समितियों को इस काम में मदद करेगा।

राशन आपके द्वार

मुख्यमंत्री ने जिले के जनजातीय बहुल विकासखण्डों में एक नवम्बर मध्यप्रदेश स्थापना दिवस से राशन आपके द्वार व्यवस्था प्रारंभ करने की बात कही। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एक नवंबर से जनजातीय बहुल विकासखंडों में घर-घर राशन वितरण किया जायेगा। प्रदेश के 89 जनजातीय बहुल विकासखंडों में अब किसी भी जनजातीय भाई-बहन को राशन लेने के लिए दुकानों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उनके अधिकार का राशन सरकार उनके घर तक भिजवायेगी। हम गांव-गांव तक राशन पहुंचाने की एक नई योजना प्रारंभ करने जा रहे हैं। इसका लाभ हमारे जनजातीय विकासखंडों के 7 हजार 500 से अधिक गांव में रहने वाले 23 लाख 80 हजार परिवारों को मिलेगा। इन परिवारों तक राशन की सामग्री वाहनों से पहुंचाई जायेगी।

मछली पालन, मुर्गी पालन एवं बकरी पालन के लिए एकीकृत योजना

श्री चौहान ने जनजातीय भाई-बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिये मछली पालन, मुर्गी पालन और बकरी पालन के लिये एकीकृत योजना की बात कही। उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में मुर्गी पालन, बकरी पालन और पशु पालन के क्षेत्र में अपार संभावना है। हम एकीकृत योजना बना रहे हैं।

मध्यप्रदेश में डेढ़ लाख प्रधानमंत्री आवास पुनः किये जायेंगे स्वीकृत

श्री सखलेचा ने हितग्राहीमूलक योजनाओं की समीक्षा की

छतरपुर, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम एवं विज्ञान प्रौद्योगिकी मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा ने कलेक्ट्रेट में हितग्राहीमूलक योजनाओं की समीक्षा के दौरान नगरपालिका के सीएमओ और जनपदों के सीईओ के साथ बैठक में कहा प्रदेश में डेढ़ लाख पीएम आवास पुनः स्वीकृत किये जायेंगे। श्री सखलेचा ने निर्देश दिए कि पात्र हितग्राहियों को लाभांशित करने के लिए प्रचार-प्रसार कर नाम जोड़ें। विकासखंडवार जनसमस्या निवारण शिविर लगाएं। उन्होंने मूलभूत सुविधा सहित निर्माण कार्यों की समीक्षा की। स्वच्छता और पेयजल की वर्तमान स्थिति की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि निर्माण कार्य पूर्ण पारदर्शी हों तथा समय पर काम न करने वाले ठेकेदारों पर कार्यवाही की जाए।

श्री सखलेचा ने स्ट्रीट वैंडर्स योजना की समीक्षा करते हुए जो हितग्राही रह गए हैं उन्हें भी लाभ दिलाने के निर्देश दिए।

उन्होंने निर्देश दिए कि स्वच्छता अभियान में केवल ओडीएफ कार्य शामिल नहीं हैं अपितु ग्राम एवं शहर की समग्र स्वच्छता शामिल है।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि आगामी दिनों में विधानसभावार ग्रामों का भ्रमण करेंगे। उन्होंने सरपंच, सचिव और पटवारियों की संयुक्त बैठक करने के निर्देश दिए। संवल योजना में सहायता राशि के आवंटन में विलंब होने पर उन्होंने कार्यवाही कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वच्छता पर विशेष ध्यान देकर डेंगू संक्रमण रोकने और रोग के नियंत्रण के लिए कीटनाशक का छिड़काव कराने के निर्देश दिए। पेयजल की स्थिति की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि शहरों एवं ग्रामीण क्षेत्रों के घरों में 2024 तक एक भी घर या परिवार बिना नल-जल योजना के नहीं रहे।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मध्यप्रदेश की धरती पर हर गरीब परिवार के पास होगा अपना आवास

खंडवा, प्रदेश का कोई भी गरीब बिना आवास नहीं रहेगा। हर गरीब परिवार के पास आवास के लिए जमीन का टुकड़ा होना चाहिए। प्रदेश के हर गरीब परिवार को उपयुक्त स्थान पर रहने के लिए आवासीय भूमि राज्य शासन द्वारा दी जाएगी। यह बात मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने खंडवा जिले के पंधाना में 103 आंगनवाड़ी के नव-निर्मित भवनों और पोषण वाटिकाओं के लोकार्पण कार्यक्रम में कही।

हर गांव में पहुंचेगा खेती के लिए पानी मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी की लहर के दौरान भी प्रदेश में विकास कार्य नहीं रुकें। राज्य शासन द्वारा प्रदेश के अंतिम छोर में खड़े व्यक्ति तक विकास कार्यों एवं जन-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास किया गया। गरीबों को निःशुल्क राशन वितरित किया गया। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में किसानों के खातों में 8 हजार करोड़ रुपये अंतरित किए गए। किसान सम्मान निधि योजना में 10 हजार रुपये

की राशि कोरोनाकाल में भी किसानों के खाते तक पहुंचाई गई।

स्वस्थ नारी से बनेगा स्वस्थ प्रदेश

श्री चौहान ने कहा कि जब प्रदेश की नारी स्वस्थ होगी तभी स्वस्थ भविष्य का निर्माण किया जा सकेगा। इसलिए प्रदेश में पोषण वाटिकाओं का निर्माण किया जा रहा है, जिससे महिलाओं और बच्चों को पोषण आहार प्रदान किया जा सके। उन्होंने बताया कि प्रदेश में फिर से संवल योजना शुरू की जा रही है, जिसमें गर्भवती महिलाओं को गर्भधारण के दौरान 4 हजार रुपये और प्रसव के पश्चात् 12 हजार रुपये उनके बैंक खातों में डालने का प्रावधान है।

आदिवासी वर्ग के गरीब बच्चों की

फीस राज्य सरकार भरेगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बेटियों को बोझ न समझा जाए। इसके लिए लाइली लक्ष्मी योजना क्रियान्वित की जा रही है। आदिवासी और गरीब वर्ग के छात्र-छात्राओं को उच्च स्तरीय शिक्षा प्राप्त हो, इसकी जिम्मेदारी भी राज्य शासन ने उठाई है। श्री

चौहान ने कहा कि आदिवासी वर्ग के गरीब बच्चे चाहे वे देश के किसी भी मेडिकल, इंजीनियरिंग या विश्व स्तर के कॉलेज में पढ़ना चाहें उनकी फीस की जिम्मेदारी राज्य सरकार लेगी। प्रदेश के बच्चों की शिक्षा में हम किसी भी प्रकार की बाधा नहीं आने देंगे।

सामाजिक समरसता लाने के लिए

बना सामान्य वर्ग आयोग

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य शासन का उद्देश्य है कि हर वर्ग का कल्याण हो। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय सबको मिले और सामाजिक समरसता स्थापित हो इसके लिए सामान्य वर्ग के गरीबों के कल्याण के लिए प्रदेश में सामान्य वर्ग आयोग बनाया गया है।

उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए शुरू की गई सीएम राइज स्कूल योजना

श्री चौहान ने कहा कि किसान और गरीब वर्ग के छात्र-छात्राओं की गुणवत्तायुक्त पढ़ाई के लिए प्रदेश में विशेष स्कूल स्थापित किए जा रहे हैं।

जन-कल्याण और सुराज अभियान

नगरों की प्लानिंग में छोटे व्यवसायों के लिए स्थान हो निर्धारित - मुख्यमंत्री



मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में जनकल्याण और सुराज अभियान कार्यक्रम को संबोधित करते हुये।

भोपाल, शहरों में स्वच्छता और व्यवस्था चाहिए, पर गरीब की रोजी-रोटी का सही इंतजाम सर्वोपरि है। शहरों में उद्योग स्थापित हों पर इसके साथ ही हाथठेला वालों के लिए भी उचित व्यवस्था हो। शहरों की प्लानिंग में छोटे-छोटे व्यवसाय करने वालों, ठेले वालों के लिए स्थान निर्धारित किया जाना आवश्यक है। यह बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा जन-कल्याण और सुराज अभियान में प्रदेश के 24 नगरों में 1056 करोड़ रुपये की लागत से किए गए 69 विकास कार्यों के मिटो हॉल में आयोजित वर्चुअल लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहीं।

सपनों का भारत है बनाना

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छ भारत, स्मार्ट सिटी, अमृत योजना, पीएम आवास तथा पीएम स्वनिधि जैसी योजनाओं ने नगरीय विकास को नए आयाम और नई गति प्रदान की है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सपनों का भारत निर्माण हम सभी की जिम्मेदारी है। प्रदेश में नगरीय विकास की योजनाओं के क्रियान्वयन के सुखद परिणाम अब सामने आने लगे हैं।

प्रदेश की 30 प्रतिशत से ज्यादा

आबादी अब शहरी क्षेत्र में

श्री चौहान ने कहा कि शहरों का आकार लगातार बढ़ रहा है। प्रदेश की 30

प्रतिशत से ज्यादा आबादी अब शहरी क्षेत्र में रह रही है, यह संख्या और बढ़ेगी। शहरों को गंदगी, प्रदूषण, वीमारी, अपराध और माफिया मुक्त बनाने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। शहरी क्षेत्र में सर्वोच्च प्राथमिकता स्वच्छता की है। स्वच्छता के मामले में मध्यप्रदेश सर्वश्रेष्ठ राज्य है। स्वच्छता सर्वेक्षण 2020 में प्रदेश ने एक पायदान की छलांग लगाकर लगातार देश में तीसरा स्थान प्राप्त किया। इंदौर शहर ने चौथी बार सबसे स्वच्छ शहर का स्थान प्राप्त किया है। भोपाल देश की स्वच्छतम स्वःसंवहनीय राजधानी है। स्मार्ट सिटी मिशन में राष्ट्रीय स्तर पर 11 अवॉर्ड मध्यप्रदेश को मिले हैं।

सीवेज या जलापूर्ति कार्य से खुदी

सड़कों को तत्काल सुधारा जाए

श्री चौहान ने कहा कि पिछले 15 सालों के प्रयासों से शहरों के स्वरूप में बदलाव आया है। शहरों में व्यवस्थित जलापूर्ति परियोजनाएं पूर्ण की गई हैं। सीवेज प्रणाली को विकसित कर कार्यशील बनाया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना में लगभग 58 हजार आवास शहरी गरीबों के लिए बनाए गए हैं। शहरों में रात्रिकालीन आश्रय स्थलों और दीनदयाल रसोई योजना की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन शहरों में सीवेज या जलापूर्ति के कार्य के संबंध में सड़कों की खुदाई हो, वहां सड़कों को तत्काल

सुधारना सुनिश्चित किया जाए।

भवन अनुज्ञा अब 15 दिन में मिलेगी

श्री चौहान ने कहा कि नगरों में पब्लिक ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वसों की संख्या को बढ़ाया गया है। नगरीय निकायों द्वारा प्रदाय की जा रही सभी नागरिक सेवाओं को ऑनलाइन किया गया है। ऑनलाइन भवन अनुज्ञा में लगने वाली समय-सीमा को 30 दिन से घटाकर 15 दिन किया गया है। कम्पाउंडिंग के संबंध में भी संशोधन पारित किया गया है।

मूलभूत सुविधाएं नहीं देने वाले

बिल्डरों पर कठोर कार्रवाई होगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि आम नागरिकों को राहत देने की दृष्टि से सभी अवैध कॉलोनियों के नियमितकरण की व्यवस्था की गई है। वर्तमान में बन रही कॉलोनियों तथा भविष्य में बनने वाली कॉलोनियों में जो विल्डर मूलभूत सुविधाएं नहीं देगा, उनके विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। सम्पत्ति कर और जल दर के संबंध में भारत सरकार के निर्देशानुसार आवश्यक संशोधन किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने की कोरोना और डेंगू से

सजग रहने की अपील

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना की कठिन परिस्थितियों के बाद भी नगरीय विकास की गतिविधियों को प्रभावित नहीं होने दिया गया।

सरकार के खजाने पर पहला अधिकार जनजातियों का है - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश का विकास सभी संभव है, जब प्रदेश के जनजातीय भाई-बहन समाज की मुख्य धारा से जुड़ें। प्रदेश सरकार जनजातियों की शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका विकास और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिये कसर कस चुकी है। सरकार के खजाने पर पहला हक जनजातियों का है और हम उनके लिए धन और अवसर दोनों के खजाने खोलने के लिए कृत-संकल्पित हैं।

बजट में 948 प्रतिशत की वृद्धि

श्री चौहान ने कहा कि जनजातीय वर्ग के समग्र विकास के लिए बजट में लगातार वृद्धि की गई है। वर्ष 2003-04 में जनजातीय कार्य विभाग का बजट 746.60 करोड़ रुपये था, जिसे वर्ष 2020-21 में बढ़ाकर 8085.99 करोड़ रुपये तक लाया गया है। इस प्रकार इस वर्ग के बजट में 948 प्रतिशत की वृद्धि की गई।

जनजातीय शिक्षा में हम क्रांति लाएंगे

श्री चौहान ने कहा कि जनजातीय शिक्षा में हम क्रांति लाएंगे और प्रधानमंत्री जी द्वारा दी गई नई शिक्षा नीति का लाभ जनजातीय बच्चों और युवाओं को दिलाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे। हमने तय किया है कि 8वीं और 9वीं कक्षा से ही मेरे भांजे-भाजियों को नीट और जेईई के फाउंडेशन को सुधारने स्मार्ट क्लास की ऑनलाइन व्यवस्था की जाएगी। हम पाठ्यक्रम को भी वर्तमान की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाएंगे। कौशल विकास से आर्थिक उन्नति के उद्देश्य से प्रत्येक ग्राम पंचायत में कम से कम 4 लोगों को ग्रामीण इंजीनियर के रूप में कृषि उपकरण कौशल, आईटी सर्विसेस, भवन निर्माण संबंधित कौशल, जैविक खेती जैसे विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

प्रदेशभर में आश्रम, छात्रावास, शालाएं और कन्या शिक्षा परिसर संचालित किए जा रहे हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रशिक्षण के लिए आकांक्षा और सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना संचालित है। स्व-रोज़गार योजनाओं में आरक्षण के साथ ही कौशल विकास के लिए केंद्र संचालित किये जा रहे हैं।

विशेष पिछड़ी जनजातियों पर विशेष ध्यान

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय वर्ग के विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास के लिए एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय,

गरुकुलम विद्यालय तथा विशेष पिछड़ी जनजाति आवासीय विद्यालयों के साथ न्यूनतम साक्षरता वाले कन्या परिसरों का संचालन किया जा रहा है। प्रदेश की 3 विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा, भारिया और सहरिया के विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान करने के लिए गुना, जबलपुर और श्योपुर में आवासीय विद्यालय संचालित हैं। विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों की महिला मुखिया को कुपोषण से बचाने के लिए प्रति माह एक हजार रुपये का आहार अनुदान भी दिया जा रहा है। जनजातीय विद्यार्थियों के लिए यूपीएससी कोचिंग है। इसमें प्रति विद्यार्थी अधिकतम 4 लाख 40 हजार रुपये की राशि 18 माह के लिए दी जा रही है। जनजातीय विद्यार्थियों को विदेश में शिक्षा प्राप्त करने के लिए भी सरकार द्वारा छात्रवृत्ति दी जाती है। अलग-अलग जिलों में बालक-बालिकाओं के लिए आठ क्रीड़ा परिसर भी बनाए गए हैं।

वनाधिकार पट्टे

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल, जंगल और जमीन पर वनवासियों का अधिकार है। हमने वन अधिकार के निरस्त पट्टों का पुनः परीक्षण कर 34 हजार से अधिक निरस्त पट्टों को फिर से स्वीकृति दी। सरकार लघु वनोपज को मिट्टी के मोल कदापि विकने नहीं देगी। पिछले वर्ष 32 लघु वनोपजों का समर्थन मूल्य तय किया गया। सरकार ने समर्थन मूल्यों पर लघु वनोपजों की खरीदी भी की।

सिकल सैल मिशन 15 नवंबर से

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी 89 जनजातीय विकासखण्डों में सिकल सैल मिशन 15 नवम्बर से प्रारंभ किया जाएगा। इसमें घर-घर जाकर ऐसे भाई-बहनों की पहचान की जाएगी, जिनके खून में सिकल सैल ट्रेट विद्यमान हैं। ऐसे व्यक्तियों को चिन्हित कर उनका इलाज करवाया जाएगा।

साहूकारों के शोषण से मुक्ति

श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश में अनुसूचित जनजाति साहूकार विनियम 1972 को अब और प्रभावी बनाया गया है। जनजातीय क्षेत्रों में साहूकारी का धंधा करने वालों के लिए पंजीयन शुल्क में वृद्धि की गई है। साहूकारों द्वारा वसूले जाने वाले ब्याज की दरों को भी अब नियंत्रित किया गया है। निर्धारित दर से अधिक ब्याज वसूलने वाले साहूकारों को कड़ा दंड दिया जाएगा।

मध्यप्रदेश ग्रीन एनर्जी का उपयोग बढ़ाने की दिशा में कर रहा है प्रयास

नेशनल क्वालिटी एश्योरेन्स मापदंड अनुसार विकसित करने पर प्रदेश पुरस्कृत

भोपाल, प्राथमिक स्वास्थ्य संस्थाओं को नेशनल क्वालिटी एश्योरेन्स मापदंड अनुसार विकसित करने पर प्रदेश पुरस्कृत हुआ। देश में प्रदेश को रनर-अप पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री मनसुख मंडाविया ने दिया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री मनसुख मंडाविया ने 17 सितंबर, 2021 को आयोजित वर्चुअल पुरस्कार समारोह में पुरस्कृत किया। प्रदेश की इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने समस्त पुरस्कृत स्वास्थ्य संस्थाओं के चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ को बधाई दी।

डॉ. चौधरी ने कहा बड़े राज्यों की श्रेणी में प्रदेश को सम्मान मिलना गौरव का विषय है। मुख्यमंत्री द्वारा स्वास्थ्य संस्थाओं को सुदृढ़ करने और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार को सर्वोच्च प्राथमिकता देने से यह उपलब्धि मिली है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने 'विश्व रोगी सुरक्षा सप्ताह' में लक्ष्य कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्तर पर मेटरनिटी ओटी के क्वालिटी मानक की पूर्ति के आधार पर पुरस्कार दिए हैं। उन्होंने बताया कि नेशनल क्वालिटी एश्योरेन्स मापदण्ड (एनक्यूएएस) का उद्देश्य स्वास्थ्य

संस्थाओं द्वारा दी जा रही चिकित्सकीय सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करना और मरीजों के संतुष्टि स्तर को बढ़ाना है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि केंद्र सरकार के राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के लिये लक्ष्य कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रसव कक्ष और प्रसूति ऑपरेशन थियेटर में प्रसव के दौरान उत्कृष्ट स्तर पर सभी मानकों के अनुसार देखभाल करना है। इससे मातृ और नवजात मृत्यु दर को जीरो करना और मां बच्चे की सम्मानजनक देखभाल सुनिश्चित करना है।

डॉ. चौधरी ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि प्रदेश की सभी स्वास्थ्य संस्थाएं क्वालिटी एश्योरेन्स कार्यक्रम में सराहनीय कार्य कर रही हैं। स्वास्थ्य संस्थाओं द्वारा किये जा रहे प्रयासों के परिणामस्वरूप स्वास्थ्य के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश की विशिष्ट छवि बनी है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश की स्वास्थ्य संस्थाओं में दी जा रही सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए विभाग प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में नेशनल क्वालिटी एश्योरेन्स मापदण्ड अनुरूप राज्य की अधिक से अधिक संस्थाओं को विकसित किया जायेगा।

नई दिल्ली, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने नई दिल्ली में केंद्रीय ऊर्जा, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री आर.के. सिंह से मुलाकात कर प्रदेश में हरित ऊर्जा विशेषकर सौर ऊर्जा क्षेत्र में उठाये गये कदमों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से केंद्र सरकार की पुनरोत्थान वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) पर भी विस्तार से चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और ऊर्जा मंत्रालय भारत सरकार ने विजली के सेक्टर में अनेक नवाचार और परिवर्तन करने का फैसला किया है। योजनाओं के अंतर्गत पूरे विजली सेक्टर का आधुनिकीकरण होगा और नई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके पूरे विद्युत सिस्टम को सुदृढ़ करने का फैसला लिया गया है। इसमें भारत सरकार 60 प्रतिशत अनुदान देगी और 40 प्रतिशत विजली कम्पनियों को व्यवस्था करना पड़ेगी। श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री का ग्रीन एनर्जी के उपयोग पर जोर है। मध्यप्रदेश इस दिशा में प्रयास बढ़ा रहा है। हम तेजी से सोलर एनर्जी की तरफ बढ़ रहे हैं।

श्री चौहान ने बताया कि नीमच और आगर सौर ऊर्जा संयंत्रों में 2 रुपये 14 पैसे प्रति यूनिट की दर प्राप्त हुई। संयंत्रों



मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान नई दिल्ली में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री श्री आर.के. सिंह से मुलाकात करते हुये।

का जल्द ही भूमि-पूजन किया जाना है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री को ऊर्जा संयंत्रों के निरीक्षण के लिए आमंत्रित भी किया। श्री चौहान ने बताया कि मध्यप्रदेश में 300 सौर ऊर्जा की ओर अग्रसर हो रहा है। मुख्यमंत्री ने ओंकारेश्वर में फ्लोटिंग सौर ऊर्जा प्लांट और छतरपुर तथा मुरैना के सौर ऊर्जा प्लांट के प्रस्ताव के संबंध में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रीवा का 750 मेगावॉट का सौर ऊर्जा संयंत्र दिल्ली मेट्रो को भी विजली दे रहा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रदेश में पवन ऊर्जा, हाइड्रिड ऊर्जा और हरित ऊर्जा के भण्डारण की जानकारी भी दी।

आरडीएसएस ऊर्जा क्षेत्र की क्रांतिकारी योजना

मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार की पुनरोत्थान वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) ऊर्जा क्षेत्र की एक क्रांतिकारी योजना है। मध्यप्रदेश स्मार्ट मीटर अपनाने में अच्छी प्रगति कर रहा है। राज्य में लगभग 1.2 लाख स्मार्ट मीटर लगाये जा चुके हैं और 3.5 लाख मीटर लगाने का कार्य प्रगति पर है। वर्तमान में 23.7 लाख मीटर की खरीद और स्थापना की प्रक्रिया उन्नत चरण में है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

टीका लगवाओ सुखी रहेगा परिवार, कोरोना जायेगा हार

जो दिव्यांग या वृद्धजन नहीं आ सकते उन्हें घर जाकर टीका लगाया जाए

भोपाल, कोरोना वैक्सीनेशन के लिए मजबूरी के कारण जो दिव्यांग व्यक्ति या बुजुर्ग टीकाकरण केंद्र नहीं आ सकते उन्हें घर जाकर टीका लगाने की व्यवस्था जिला प्रशासन द्वारा की जाए। कोरोना की तीसरी लहर का संकट अभी टला नहीं है। कई राज्यों में कोरोना के केस आ रहे हैं, अतः सर्तकता की आवश्यकता है। मास्क और दूरी बनाए रखने का पालन जरूरी है। दुनिया के सभी वैज्ञानिकों और डॉक्टरों का मत है कि कोरोना महामारी से बचने का सर्वश्रेष्ठ उपाय वैक्सीन की दोनों डोज हैं। केंद्र सरकार द्वारा हम सबको मुफ्त वैक्सीन उपलब्ध कराई गई है। सभी पात्र व्यक्ति वैक्सीन के दोनों डोज अवश्य लगवाएं। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल के सरोजनी नायडू शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शिवाजी नगर में स्थापित टीकाकरण केंद्र में उपस्थित जन-समुदाय को टीकाकरण के लिए प्रेरित करते हुए यह बात कही।

बड़ी देर भई नंदलाला

श्री चौहान ने कहा कि वैक्सीन की डोज जल्दी लगवाएं। आपको देखकर लोग यह न कहें कि 'बड़ी देर भई नंदलाला'। यह जिंदगी का डोज है। अपनी जिंदगी बचाने के लिए वैक्सीन लगवाना आवश्यक है, इसमें देरी नहीं करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि हम वैक्सीन नहीं लगवाते तो दूसरे

की जिंदगी भी खतरे में डालते हैं। यह वैक्सीन आपकी सुरक्षा के साथ आपके परिवार और आपके परिचितों की सुरक्षा के लिए भी जरूरी है।

प्रदेशवासियों के सहयोग से ही

होगा सबका टीकाकरण

मुख्यमंत्री ने कहा कि 26 सितम्बर तक प्रदेश की शत-प्रतिशत पात्र जनसंख्या को वैक्सीन का पहला डोज लगाया जाना है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सभी प्रदेशवासियों का सहयोग आवश्यक है। जिन लोगों ने स्वयं वैक्सीन नहीं लगवाई है वे लगवाएं और जिन्होंने लगवा ली है वे अपने परिचितों को प्रेरित करें। जिन व्यक्तियों को पहली डोज लग चुकी है वे निश्चित समयावधि पर दूसरी डोज भी अवश्य लगवाएं।

व्हीलचेयर पर पहुंचे

अनिल कुमार और अरुण चौरसिया

श्री चौहान ने टीकाकरण केंद्र पर व्हीलचेयर पर आये दिव्यांग श्री अनिल कुमार और श्री अरुण चौरसिया से चर्चा की और उन्हें वैक्सीन-बूथ तक स्वयं ले गए। मुख्यमंत्री ने टीकाकरण केंद्र का अवलोकन कर टीकाकरण महाअभियान-3 की प्रगति की जानकारी भी ली। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने भी उपस्थित जन-समुदाय को संबोधित किया।

भोपाल में बनेंगे खुर्जा की पॉटरी और मुरादाबाद के डेकोरेटिव आइटम

भोपाल, खुर्जा पॉटरी और मुरादाबाद में बनने वाली सजावटी वस्तुओं की निर्माण इकाइयां स्थापित करने के लिए भोपाल के पास अचारपुरा में भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। राज्य शासन निवेशकों को हरसंभव सहयोग प्रदान करेगा। कई उद्योग और व्यापार बड़े स्तर पर चीन से अन्य स्थानों की तलाश में हैं। कोरोना वायरस ने यह अवसर प्रदान किया है, हम इसमें कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे। हमें चीन को पीछे छोड़ना है। विश्व में बढ़ रही भारतीय हथकरघा की मांग को देखते हुए इनकी निर्माण इकाइयों को हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री से मुरादाबाद और

खुर्जा में पॉटरी, डेकोरेटिव स्टोन वेयर, मेटल, लकड़ी और फेब्रिक आधारित होम डेकोर के निर्माताओं और एक्सपोर्टर्स के प्रतिनिधियों ने निवास पर भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने खुर्जा पॉटरी और मुरादाबाद में बनने वाले सजावटी सामान की निर्माण इकाइयां मध्यप्रदेश में स्थापित करने की इच्छा जताई है। इन इकाइयों से 3 हजार व्यक्तियों के लिए रोजगार के अवसर निर्मित होंगे। इसमें दस प्रतिशत अवसर महिलाओं के लिए होंगे। प्रमुख सचिव श्री संजय शुक्ला तथा खुर्जा और मुरादाबाद से आए निवेशक श्री अमित परमार, श्री मोहम्मद नदीम हुसैन और श्री अजय तोमर उपस्थित थे।

सामाजिक दायित्व निभाने के लिये गांव गोद लें विश्वविद्यालय और महाविद्यालय



उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव भोपाल में विभागीय समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुये।

भोपाल, विश्वविद्यालय और महाविद्यालय अपने कार्य क्षेत्र के कम से कम एक गांव को गोद लेकर अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करें। इससे विद्यार्थियों में न सिर्फ समाज सेवा की भावना उत्पन्न होगी, बल्कि शहरी क्षेत्र के विद्यार्थी ग्रामीण परिवेश और जीवन शैली से रूबरू होंगे। ये बातें उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल स्थित मंत्रालय में आयोजित विभागीय बैठक में कही।

डॉ. यादव ने कहा कि गांवों को गोद लेने वाली संस्था ग्रामों में विद्यार्थियों के माध्यम से स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, स्वच्छता के प्रति जागरूकता अभियान चलाएं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण के दृष्टिगत प्रत्येक विद्यार्थी

गोद लिए गए गांव में एक पौधा लगाए और उसकी देखभाल भी करें। डॉ. यादव ने कहा कि शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाने में भी विद्यार्थी और शैक्षणिक संस्था अहम भूमिका निभा सकते हैं। डॉ. यादव ने कहा कि सभी संस्थान ऑल इंडिया सर्वे ऑन हायर एजुकेशन (एआईएसएचई) पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपनी एनट्री करवाएं। उन्होंने कहा कि इसकी मॉनीटरिंग भी संचालनालय स्तर पर सुनिश्चित हो। इससे प्रदेश की जीईआर में परिवर्तन लाया जा सकता है। डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के 50 शासकीय महाविद्यालयों को बहुविषयक बनाया जायेगा, जिससे एक स्थान पर

अधिकतम विषयों की शिक्षा दिए जाने की व्यवस्था हो सके।

प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा श्री अनुपम राजन ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू होने के बाद इसके बेहतर क्रियान्वयन के लिए अलग-अलग मॉड्यूल तैयार किए गए हैं। संचालनालय स्तर पर हेल्पडेस्क तथा वाट्सएप समूह का गठन करने की प्रक्रिया चालू है। अपर आयुक्त उच्च शिक्षा श्री दीपक सिंह ने ख्याति प्राप्त व्यक्तियों के नाम पर शासकीय महाविद्यालयों का नामकरण, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संदर्भ में एफ.ए.एच. तैयार करने, गांव की वेटी एवं प्रतिभा किरण छात्रवृत्ति, उच्च शिक्षा में नवाचार आदि पर विस्तृत जानकारी दी।

आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के रोडमैप में सड़कें हैं अभिन्न आधारभूत ढांचा



मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी के साथ चर्चा करते हुये।

नई दिल्ली, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी से उनके आवास पर मुलाकात की। मुलाकात के दौरान प्रदेश में सड़क परिवहन से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि रोड प्रगति का आधार हैं और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के रोडमैप में सड़कें अभिन्न आधारभूत ढांचा हैं। मध्यप्रदेश ऐसे सड़क निर्माण का प्रयास कर रहा है, जिसके दोनों तरफ आर्थिक कलस्टर, औद्योगिक पार्क तथा टाउनशिप हों, जिससे प्रदेश में औद्योगिक निवेश में वृद्धि आये।

मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्रीय सड़क और आधारभूत ढांचा फण्ड (सीआईआरएफ) योजना में लगभग 4200 करोड़ रुपये के प्रस्ताव सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय को भेजे गये हैं। इनमें से केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी के इंदौर प्रवास के दौरान लगभग 1500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को स्वीकृति देने की घोषणा की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त राज्य शासन द्वारा लगभग 844 करोड़ रुपये लागत की 15 ऐसी परियोजनाएं चिन्हित की गई हैं, जिसमें न्यूनतम भू-अर्जन के कारण त्वरित क्रियान्वयन किया जा सकता है। साथ ही ग्वालियर, भोपाल और सीहोर की 909 करोड़ रुपये लागत की चार नवीन परियोजनाओं की अनुशंसा की गई है। मुख्यमंत्री ने सीआईआरएफ योजना में इन प्राथमिकता वाली परियोजनाओं की शीघ्र

स्वीकृति जारी करने का अनुरोध किया। श्री चौहान ने नसरुल्लागंज से संदलपुर (38 किलोमीटर) और बुधनी से वाड़ी को राष्ट्रीय राजमार्ग 146-बी के विस्तारित रूप में स्वीकृत कर फोर लेन में उन्नयन करने की स्वीकृति का भी निवेदन किया।

अटल पथ के लिये जमीन हस्तांतरित

मुख्यमंत्री ने अटल प्रगति पथ से संबंधित प्रस्तावित परियोजनाओं के ओवर ब्रिज, अंडर ब्रिज इत्यादि से संबंधित तकनीकी जानकारी एवं शासकीय, निजी और वन भूमि के भू-अर्जन की जानकारी केंद्रीय मंत्री को दी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि अटल प्रगति पथ के लिए मध्यप्रदेश शासन द्वारा 90 प्रतिशत भूमि एन.एच.ए.आई. को दिसम्बर 2021 तक हस्तांतरित कर दी जायेगी।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को नर्मदा एक्सप्रेस-वे के 906 किलोमीटर के अलाइनमेंट प्रस्ताव से भी अवगत कराया। श्री चौहान ने बताया कि मध्यप्रदेश के पूर्वी सीमा में छत्तीसगढ़ तथा पश्चिमी सीमा में गुजरात तक प्रस्तावित अलाइनमेंट मध्यप्रदेश के 10 जिलों से होकर गुजरता है। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि वार्षिक योजना में शामिल शहडोल और बड़वानी जिलों के 130 किलोमीटर के फीडर रूट्स की स्वीकृति अपेक्षित है। केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी ने नर्मदा एक्सप्रेस-वे को भारत माला में शामिल करने की स्वीकृति प्रदान की।

श्री चौहान ने जानकारी दी कि स्विस चैलेन्ज में मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग

द्वारा मार्गों के उन्नयन का कार्य प्रारम्भ करने की योजना बनाई जा रही है। इस मॉडल में निजी निवेशकों को मार्गों के निर्माण के लिए मार्गों के चयन, उनकी फिजीबिलिटी और डीपीआर तैयार करने और फाइनैशियल मॉडल तैयार करने का दायित्व रहेगा। इस प्रक्रिया से समय की बचत होगी।

चार शहरों में बनेंगे रिंग रोड

मुख्यमंत्री ने बताया कि मंत्रालय की परियोजनाओं के अंतर्गत कुछ शहरों में बायपास के कार्य निर्माणाधीन हैं। इसके अतिरिक्त कुछ शहरों में रिंग रोड बनाने के लिये पूर्णतः अथवा आंशिक रूप से बायपास बनाने की आवश्यकता है। इस योजना में इंदौर, भोपाल, जबलपुर, सागर और खण्डवा शहरों में रिंग रोड का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। प्रदेश की रिंग रोड को आर्थिक प्रगति का आधार बनाया जायेगा। बैठक में ब्राडगेज मेट्रो पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने बताया कि मध्यप्रदेश के प्रमुख शहरों को ब्राडगेज मेट्रो से जोड़ा जायेगा, जिसका उपयोग यात्रियों और गुड्स कैरियर के लिए होगा। मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैस, प्रमुख सचिव वित्त श्री मनोज गोविल, प्रमुख सचिव लोक निर्माण श्री नीरज मंडलोई, प्रमुख सचिव उद्योग श्री संजय शुक्ला एवं मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कार्पोरेशन की प्रबंध निदेशक सुश्री छवि भारद्वाज उपस्थित थीं। अधिकारियों ने लोक निर्माण, वित्त, औद्योगिक विकास, मेट्रो रेल निर्माण की प्रगति, प्रदेश की एथनोल नीति तथा इलेक्ट्रिकल व्हीकल नीति का प्रस्तुतिकरण दिया।

होम्योपैथी चिकित्सक मध्यप्रदेश होम्योपैथी परिषद में पंजीयन का पुनरीक्षण कराएं

भोपाल, मध्यप्रदेश होम्योपैथी परिषद में पंजीकृत चिकित्सक, जिनके द्वारा पांच वर्ष की अवधि समाप्त होने के बाद पंजीयन का पुनरीक्षण नहीं कराया गया है, वे अपने पंजीयन के पुनरीक्षण के लिए एम.पी. ऑनलाइन के माध्यम से या स्वयं उपस्थित होकर निर्धारित प्रपत्र में ऑफलाइन आवेदन कर सकते हैं। परिषद में पंजीकृत सभी चिकित्सकों को पंजीयन का पुनरीक्षण प्रत्येक पांच वर्ष में कराना अनिवार्य है।

मध्यप्रदेश राज्य होम्योपैथी परिषद के रजिस्ट्रार डॉ. आयशा अली ने बताया कि मध्यप्रदेश होम्योपैथी परिषद द्वारा पंजीकृत

होम्योपैथी चिकित्सा व्यवसायियों, पंजीकृत चिकित्सकों के राज्य रजिस्टर के पुनरीक्षण की कार्यवाही प्रचलन में है। जिन चिकित्सकों ने पंजीयन के पांच वर्ष की अवधि समाप्ति के बाद भी पुनरीक्षण नहीं कराया है। उन्हें तीन माह की अवधि में पुनरीक्षण के लिये परिषद को ऑनलाइन या ऑफलाइन आवेदन करना चाहिए।

निर्धारित अवधि के पश्चात् पंजीकरण का पुनरीक्षण नहीं कराने वाले होम्योपैथी चिकित्सकों का नाम राज्य रजिस्टर से हटा दिया जाएगा। ऐसी स्थिति में सम्पूर्ण जिम्मेदारी स्वयं संबंधित चिकित्सक की होगी।

कोरोना प्रोटोकॉल के साथ शुरू हुई प्रदेश की प्राथमिक शालाएं

भोपाल, चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने शासकीय नवीन कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, तुलसी नगर पहुंचकर प्राथमिक शालाओं का निरीक्षण किया। श्री सारंग ने बच्चों को तिलक लगाकर टॉफी, पेन-पेंसिल और पुस्तकें भेंट कीं। उन्होंने बच्चों को स्नेहपूर्वक पढ़ाया भी। श्री सारंग ने कहा कि प्रदेश में कोरोना गाइडलाइन के पालन के साथ शासकीय प्राथमिक शालाएं लम्बी अवधि के बाद फिर से शुरू की गई हैं। बच्चे मास्क लगाकर सोशल डिस्टेंसिंग के साथ स्कूल आये हैं।

अभिभावकों की रजामंदी पर ही बच्चे कक्षाओं में उपस्थित हुए हैं। उन्होंने बताया कि स्कूल अभी 50 प्रतिशत उपस्थिति के साथ शुरू किये गये हैं।

प्रदेश में बहुत समय के बाद प्राथमिक शालाएं पुनः शुरू की गई हैं। तुलसी नगर स्थित विद्यालय बच्चों के आगमन के लिये सजाया गया था। बच्चे अपनी कक्षाओं को बैलून से सजा देखकर गदगद हो रहे थे।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)



लिटिल अमाल

सीरिया की कठपुतली वेटिकन पहुंची

युवा शरणार्थियों के समर्थन में लिटिल अमाल तुर्की से ब्रिटेन तक की 8 हजार किलोमीटर की यात्रा पर हैं। अमाल पिछले दिनों वेटिकन पहुंचीं। उसका स्वागत माइकल जेनी ने किया। लिटिल अमाल वास्तव में सीरियाई शरणार्थी लड़की की कठपुतली है। 3.5 मीटर लंबी इस कठपुतली को हैंडसिंग्रिग पपेट कंपनी ने तैयार किया है।

सीमोन बाइल्स

चालीस किलो की ड्रेस पहनी

चार बार की ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट अमेरिकी जिमनास्ट सीमोन बाइल्स मेट गाला 2021 में श्री-इन-वन ड्रेस पहनकर पहुंचीं। इसका वजन 40 किलोग्राम से अधिक था। ड्रेस में स्वरोवस्की क्रिस्टल और हाथ से बनी स्कर्ट शामिल है। इसे 100 से ज्यादा लोगों ने 6 हजार 650 घंटे में बनाकर तैयार किया था।

विनी द पूह

जंगल में बुडहाउस का किराया 10 हजार रुपये

ब्रिटेन के एशडाउन के जंगल में स्थित विनी द पूह थीम पार्क आधारित आशियान चर्चा का विषय बना हुआ है। लकड़ी से बना यह घर डिज्नी की 95वीं वर्षगांठ समारोह को लेकर आम लोगों के लिए खुला है। यहां चार लोगों के रहने की व्यवस्था है। इसमें रहने से लेकर भोजन करने तक थीम आधारित रहेगा। ताकि व्यक्ति निजी जिंदगी से अलग रोचक जीवन जी सकें। इसका किराया 10 हजार रुपये प्रतिदिन के हिसाब से रखा गया है।

देवज्योति मिश्रा

भारतीय संगीतकार को स्पेन में मिला पुरस्कार

भारतीय संगीतकार ने स्पेन में देश का नाम रोशन किया है। देवज्योति मिश्रा ने फिल्म निर्माता हरि विश्वनाथ की फिल्म 'बांसुरी द फ्लूट' में अपने काम के लिए स्पेन में आयोजित 20वें इमेजिन इंडिया फिल्म महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशक का पुरस्कार अपने नाम किया है। गौरतलब है कि इस महोत्सव की शुरुआत सितंबर के अंत में होगी, लेकिन पुरस्कारों की घोषणा कर दी गई है।

सैंट निकोलस चर्च

9/11 हमले में ध्वस्त चर्च का पुनर्निर्माण

अमेरिका में 9/11 आतंकी हमलों में ध्वस्त हुए न्यूयॉर्क स्थित चर्च के बदले बनाए जा रहे सैंट निकोलस ग्रीक आर्थोडॉक्स चर्च एंड नेशनल

श्राइन में प्रार्थना सभा आयोजित की गई। यह चर्च वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के दो टावर में से एक के गिरने से नष्ट हो गया था। इस चर्च को स्पेनिश आर्किटेक्ट सनतियागो कैलात्रावा ने डिजाइन किया है। हालांकि अभी चर्च का काम चल रहा है। जिसके अगले साल तक पूरा होने की उम्मीद है।

एमा रादुकानु

यूएस ओपन जीतकर मिलेनियर्स बनीं

यू.एस. ओपन जीतने के बाद ब्रिटिश टेनिस प्लेयर एमा रादुकानु 1.8 मिलियन के चैक के साथ मिलेनियर्स बन गई हैं। इंडोर्समेंट डील और अन्य स्पॉन्सर के कारण वह ब्रिटेन की सबसे महंगी महिला प्लेयर बनने की राह पर हैं। कयास लगाये जा रहे हैं कि वह जल्द ही सेरेना विलियम्स के बाद सबसे ज्यादा कमाई करने वाली होंगी।

प्रियंका चोपड़ा

प्रोड्यूसर्स गिल्ड

ऑफ अमेरिका में सदस्य नामित

अभिनेत्री एवं निर्माता प्रियंका चोपड़ा जोनस को प्रोड्यूसर्स गिल्ड ऑफ अमेरिका (पीजीए) ने सदस्य के रूप में संस्थान में शामिल किया है। पीजीए एक गैर लाभकारी व्यापार संगठन है जो फिल्म, टेलीविजन और न्यू मीडिया में निर्माता टीम के सभी सदस्यों के हितों का प्रतिनिधित्व, सुरक्षा और प्रचार करता है। प्रियंका द व्हाइट टाइगर सहित 14 प्रोजेक्ट्स का निर्माण कर चुकी हैं।

डॉग ऑफ द मंथ

आईसीसी ने मैदान में आए

छोटे पालतू पपी को दिया अवॉर्ड

बीते दिनों आईसीसी ने अपने 'प्लेयर ऑफ द मंथ' अवॉर्ड की घोषणा की थी। मॅस कैटेगरी में यह खिताब शानदार फॉर्म में चल रहे इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान रूट को मिला, तो विमेंस कैटेगरी में आयरलैंड की एमी रिचर्डसन ने यह अवॉर्ड जीता। प्लेयर ऑफ द मंथ 'अवॉर्ड्स' के दौरान एक पालतू पपी (कुत्ता) सबसे ज्यादा लाइम लाइट में रहा। आईसीसी ने उसकी लोकप्रियता को ध्यान में रखकर उसे 'डॉग ऑफ द मंथ' के अवॉर्ड से नवाजा है।

दक्षिण कोरियाई नियामक

गूगल पर लगाया

17.7 करोड़ डॉलर का जुर्माना

दक्षिण कोरिया के नियामक ने गूगल पर 17.7 करोड़ डॉलर का जुर्माना लगाया है। कोरिया फेयर ट्रेड कमिशन ने कहा कि उसने स्मार्ट फोन निर्माताओं को एंड्रॉयड ऑपरेटिंग सिस्टम लगाने के लिए बाध्य करने के वास्ते गूगल को 177 मिलियन डॉलर (207.4 बिलियन वोन) का जुर्माना देने का आदेश दिया है। केएफटीसी स्थानीय स्मार्ट फोन निर्माताओं जैसे सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स को अन्य डेवलपर्स के ऑपरेटिंग सिस्टम का उपयोग करने से रोकने और उन पर एंड्रॉयड ऑपरेटिंग सिस्टम लगाने का दबाव बनाने के लिए गूगल की जांच कर रहा है।

होनोलूलू

हाइकू सीढ़ियां

सुरक्षा की दृष्टि से खतरनाक

हवाई के होनोलूलू में स्थित हाइकू सीढ़ियां स्वर्ण की सीढ़ियों के रूप में अपार लोकप्रिय हैं। ये सीढ़ियां टूरिस्ट के बीच बेहद लोकप्रिय हैं, लेकिन अब उनको हटाने की योजना बनायी जा रही है। होनोलूलू के

अधिकारियों के अनुसार स्वर्ण की ये हाइकू सीढ़ियां दिन प्रतिदिन पर्यटकों की सुरक्षा दृष्टि से खतरनाक होती जा रही है। 2,480 फीट ऊंची सीढ़ियों में 3,922 स्टेप्स हैं। बादलों के बीच की ऊंचाई तक होने से यह स्वर्ण में जाने वाली प्रतीत होती हैं।

हो वान लॉग

वियतनाम के रियल

लाइफ टार्जन की मौत

वियतनाम के जंगलों में 40 वर्षों तक जीवन बिताने वाले रियल लाइफ टार्जन हो वान लॉग की 52 वर्ष की उम्र में लीवर कैंसर से मौत हो गई। हो वान 41 वर्षों तक इस भ्रम में अपने पिता के साथ जंगल में रहे कि वियतनाम ग्रहयुद्ध चल रहा है। उन्हें वर्ष 2013 में तब

जंगल से वापस लाया गया जब वे गंभीर रूप से बीमार हो गये थे।

अकिहिको होशिदे और थॉमस पेस्केट

अंतरिक्ष यात्रियों ने

सात घंटे तक स्पेस वॉक की

दो अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष यात्री जापान के अकिहिको होशिदे और फ्रांस के थॉमस पेस्केट लगभग सात घंटे तक अंतरिक्ष में स्पेस वॉक के बाद सुरक्षित अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) लौट आये हैं। नासा के अनुसार जापान एयरोस्पेस एक्प्लोरेशन एजेंसी (जेएक्सए) के अंतरिक्ष यात्री ने 6 घंटे 54 मिनट तक वॉक की। उन्होंने तीसरे सौर पैनल की स्थापना की तैयारी के लिए एक सपोर्ट ब्रेकेट को जोड़ा, इसके अलावा 'फ्लोटिंग प्वाइंट' को मापने वाली इकाई को बदला है।

आर्कटिक महासागर

एआई से निगरानी होगी

वैज्ञानिकों ने नया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित उपकरण तैयार किया है। जो आर्कटिक महासागर की हिम स्थितियों का ज्यादा सटीक पूर्वानुमान व्यक्त करने में मदद करेगा। इसे ब्रिटिश अंटार्कटिक सर्वे और द एलन ट्यूरिंग इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों ने बनाया है। नेचर कम्युनिकेशन में छपे शोध के अनुसार, एआई प्रणाली - आइसनेट के असरदार परिणाम मिले हैं और वह 95 प्रतिशत सटीक पूर्वानुमान व्यक्त कर सकता है।

पायल कपाड़िया

डॉक्यूमेंट्री को मिला

एम्प्लीफाई वॉयस अवॉर्ड

भारतीय फिल्म डायरेक्टर पायल कपाड़िया की डॉक्यूमेंट्री 'ए नाइ ऑफ नोइंग नथिंग' ने टोरोंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में अवॉर्ड हासिल किया है। फिल्म को एम्प्लीफाई वॉइसेज अवॉर्ड मिला है। इस डॉक्यूमेंट्री का फेस्टिवल में वेब लेंथ फीयर

खंड में प्रदर्शन हुआ था।

आइना राणा

कंस्ट्रक्शन कंपनी की कमान संभालने

वाली पहली महिला सैन्य अधिकारी

भारतीय सेना (इंजीनियरिंग विंग) की मेजर आइना राणा सीमा सड़क संगठन (वीआरओ) की किसी रोड कंस्ट्रक्शन कंपनी की कमान संभालने वाली पहली महिला सैन्य अधिकारी बन गई हैं। मेजर आइना की पोस्टिंग चमोली (उत्तराखंड) के पीपलकोटी में होगी। सेना ने इस फैसले को ऐतिहासिक फैसला बताया है।

उत्तर कोरिया

पूर्वी समुद्र में दागीं बैलिस्टिक मिसाइल

उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव को दरकिनार कर हथियारों का प्रदर्शन फिर शुरू कर दिया है। परमाणु क्षमता वाली क्रूज मिसाइल का परीक्षण किए जाने के बाद अब उसने पूर्वी समुद्र में दो बैलिस्टिक मिसाइल दागी हैं। उत्तर कोरिया का दावा है कि ये और ज्यादा विकसित मिसाइलें हैं। माना जा रहा है कि मिसाइलों ने समुद्र में गिरने से पहले 800 किलोमीटर की दूरी तय की है।

स्मृति शेष

बांग्लादेश के पूर्व अंतर्राष्ट्रीय

अंपायर नादिर शाह का निधन

बांग्लादेश के पूर्व अंतर्राष्ट्रीय अंपायर नादिर शाह का 57 वर्ष की उम्र में कैंसर से निधन हो गया। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने उनके निधन पर शोक व्यक्त कर उनके द्वारा किए गये कार्यों की सराहना की। वीसीबी के मुख्य कार्यकारी निजामुद्दीन चौधरी ने शोक संदेश में कहा, नादिर शाह मिलनसार व्यक्ति थे, जिन्हें क्रिकेट विरादरी में सभी से प्यार और सम्मान मिला। उन्हें हमेशा याद किया जायेगा। वह क्रिकेट के लिए जीते थे और उन्होंने हमेशा एक अंपायर के रूप में अपनी जिम्मेदारी को निष्पक्षता के साथ निभाया था।

क्रिकेट में रैंकिंग शुरू करने

वाले डेक्सटर का निधन

इंग्लैंड के महान क्रिकेटर टेड डेक्सटर का 86 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। आईसीसी ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है। आईसीसी के कार्यवाहक मुख्य कार्यकारी ज्योफ ने कहा कि वे कुशल बल्लेबाजों में से एक थे, उन्हें क्रिकेट में रैंकिंग शुरू करने के लिए हमेशा जाना जायेगा।

इंग्लैंड के पूर्व फुटबॉलर

जिमी ग्रीव्स का निधन

इंग्लैंड के लिए 57 फुटबॉल मैचों में 44 गोल करने वाले दिग्गज जिमी ग्रीव्स का 81 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम के अलावा उन्होंने टोटनहैम, चेल्सी और एमी मिलान के लिए शानदार प्रदर्शन किया। टोटनहैम के लिए उन्होंने 379 मैचों में रिकॉर्ड 266 गोल किए।

सुप्रसिद्ध लेखक

बुद्धदेव गुहा का निधन

सुप्रसिद्ध बंगाली लेखक बुद्धदेव गुहा का 85 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। बांग्ला भाषा में रचित मधुकर, बाबा होवा सहित उनकी उत्कृष्ट कृतियों के लिए उन्हें आनंद, शिरोमन, शरत पुरस्कार मिले थे।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

अफवाहों पर न दें ध्यान, टीका लगवाकर बचायें जान।

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य हिन्दी

1. 'गुदड़ी का लाल' मुहावरे का सही प्रयोग किस वाक्य में है?
(A) लाल बहादुर शास्त्री गुदड़ी के लाल थे।
(B) रमेश गुदड़ी का लाल बनना चाहता है।
(C) लाल बनो तो गुदड़ी के बनो।
(D) गुदड़ी का लाल पहाड़ पर चढ़ सकता है।
उत्तर - (A) लाल बहादुर शास्त्री गुदड़ी के लाल थे।
2. 'आँखों में धूल झोंकना' मुहावरे का सही अर्थ है?
(A) धूल उड़ाना
(B) खुले आम धोखा देना
(C) आँखें चुराना
(D) आँखें बचाना
उत्तर - (B) खुले आम धोखा देना
3. 'व्यर्थ की बातें उभारना' अर्थ को प्रकट करने वाला कौन सा मुहावरा सबसे ठीक रहेगा?
(A) गले पड़ना
(B) खून का घूंट पीना
(C) गड़े मुँदें उखाड़ना
(D) गले मढ़ना
उत्तर - (C) गड़े मुँदें उखाड़ना
4. रिक्त स्थान में सही मुहावरे को चुनकर भरिए :-
सारी संपत्ति लुटा देने पर ही तुम्हारी.....?
(A) बुद्धि चकराएगी
(B) आँखें मिचेंगी
(C) नानी याद आएगी
(D) आँखें खुलेंगी
उत्तर - (D) आँखें खुलेंगी
5. किसान हल चला रहा है, इस वाक्य में क्रिया-पद कौन सा है?
(A) किसान (B) हल
(C) चला (D) चला रहा है
उत्तर - (D) चला रहा है
6. चिड़िया उड़ रही है। इस वाक्य में क्रिया का कौन सा भेद है?
(A) सकर्मक क्रिया
(B) पूर्ण - अकर्मक क्रिया
(C) प्रेरणार्थक क्रिया
(D) अपूर्ण - अकर्मक क्रिया
उत्तर - (B) पूर्ण - अकर्मक क्रिया
7. मैं पुस्तक पढ़ता हूँ, इस वाक्य में कौनसा पद कर्म है?
(A) मैं (B) पुस्तक
(C) पढ़ता (D) हूँ
उत्तर - (B) पुस्तक
8. मुख्य क्रिया कौनसी होती है?
(A) जो क्रिया पदबंध को मुख्य अर्थ प्रदान करे।
(B) जो अंश क्रिया की सहायता करे।
(C) जो क्रिया सकर्मक भी हो।
(D) जो क्रिया अकर्मक भी हो।
उत्तर - (A) जो क्रिया पदबंध को मुख्य अर्थ प्रदान करे।
9. सचिन नित्य शरारत करता है। रेखांकित पद का भेद बताइए?
(A) काल वाचक क्रिया विशेषण
(B) गुणवाचक क्रिया विशेषण
(C) स्थानवाचक क्रिया विशेषण
(D) परिमाण वाचक क्रिया विशेषण
उत्तर - (A) काल वाचक क्रिया विशेषण
10. क्रिया-विशेषण किसकी विशेषता बताता है?
(A) क्रिया की (B) संज्ञा की
(C) विशेषण की (D) सर्वनाम की
उत्तर - (A) क्रिया की
11. राम ऊपर बैठा है, रेखांकित क्रिया-विशेषण का भेद बताओ?
(A) परिमाण वाचक
(B) स्थान वाचक
(C) रीति वाचक
(D) काल वाचक
उत्तर - (B) स्थान वाचक
12. वह ध्यान पूर्वक पढ़ता है, रेखांकित क्रिया विशेषण का भेद है?
(A) रीति वाचक
(B) काल वाचक
(C) स्थान वाचक
(D) परिमाण वाचक
उत्तर - (A) रीति वाचक
13. सोहन दसवीं कक्षा में पढ़ता है, रेखांकित का पद परिचय है?
(A) व्यक्ति वाचक संज्ञा, एक वचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक
(B) व्यक्ति वाचक संज्ञा, एक वचन, कर्म कारक
(C) नाम वाचक संज्ञा, स्त्री लिंग, करण कारक
(D) पुरुष वाचक सर्वनाम, एक वचन, कर्ताकारक
उत्तर - (A) व्यक्ति वाचक संज्ञा, एक वचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक
14. ईमानदारी एक अच्छा गुण है, रेखांकित पद का व्याकरणिक परिचय दीजिए?
(A) व्यक्ति वाचक संज्ञा, एक वचन, पुल्लिंग
(B) जाति वाचक संज्ञा, एक वचन, स्त्री लिंग
(C) भाव वाचक संज्ञा, एक वचन, स्त्रीलिंग
(D) विशेषण, गुण वाचक
उत्तर - (C) भाव वाचक संज्ञा, एक वचन, स्त्रीलिंग
15. सर्दी में हिमालय बर्फ से ढंका जाता है, रेखांकित पद का परिचय दीजिए?
(A) व्यक्ति वाचक संज्ञा, एक वचन, पुल्लिंग
(B) जाति वाचक संज्ञा, एक वचन, पुल्लिंग
(C) भाव वाचक संज्ञा, एक वचन, पुल्लिंग
(D) विशेषण, एक वचन, पुल्लिंग
उत्तर - (A) व्यक्ति वाचक संज्ञा, एक वचन, पुल्लिंग
16. वह धीरे-धीरे चल रही थी, रेखांकित पद का परिचय दीजिए?
(A) विशेषण, बहुवचन
(B) रीति वाचक क्रिया विशेषण
(C) क्रिया (सकर्मक)
(D) क्रिया (अकर्मक)
उत्तर - (B) रीति वाचक क्रिया विशेषण ('चलना' क्रिया का विशेषण)
17. जहां बस खड़ी है, वहां चले जाओ। रचना के आधार पर वाक्य भेद है?
(A) सरल वाक्य
(B) संयुक्त वाक्य
(C) मिश्र वाक्य
(D) प्रश्न वाक्य
उत्तर - (C) मिश्र वाक्य
18. मैं भी आपके साथ चलता किंतु मेरी तबियत खराब है, वाक्य भेद बताइए?
(A) सरल वाक्य
(B) संयुक्त वाक्य
(C) मिश्र वाक्य
(D) अन्य वाक्य
उत्तर - (B) संयुक्त वाक्य
19. लता तबला लाई और उसे बजाने लगी। को मिश्र वाक्य में बदलिए?
(A) लता तबला लाकर बजाने लगी।
(B) जब तबला आया, लता उसे बजाने लगी।
(C) जैसे ही लता तबला लाई, वह उसे बजाने लगी।
(D) लता के आते ही तबला बजने लगा।
उत्तर - (C) जैसे ही लता तबला लाई, वह उसे बजाने लगी।
20. गौतम बुद्ध ने कहा कि तुम्हें अपना दीपक स्वयं बनना है, यह वाक्य है?
(A) सरल वाक्य
(B) संयुक्त वाक्य
(C) मिश्र वाक्य
(D) अन्य वाक्य
उत्तर - (C) मिश्र वाक्य
21. प्रधान मंत्री द्वारा राष्ट्रध्वज फहराया गया, यह वाक्य किस वाक्य में है?
(A) कर्तृ वाक्य
(B) कर्म वाक्य
(C) भाव वाक्य
(D) अन्य वाक्य
उत्तर - (B) कर्म वाक्य
22. विद्यार्थी परीक्षा दे रहे हैं, इस वाक्य का वाक्य है?
(A) कर्तृ वाक्य
(B) कर्म वाक्य
(C) भाव वाक्य
(D) अन्य वाक्य
उत्तर - (A) कर्तृ वाक्य
23. मैं उठ भी नहीं सकता, इस वाक्य का भाव वाक्य बनेगा?
(A) मुझसे उठा भी नहीं जा सकता
(B) मैं उठ नहीं पाऊंगा
(C) मैं उठ सकता ही नहीं
(D) मुझसे उठा नहीं जाता
उत्तर - (A) मुझसे उठा भी नहीं जा सकता
24. मजदूर पेड़ नहीं काट रहे हैं। इसका कर्म वाक्य बनेगा?
(A) मजदूरों द्वारा पेड़ नहीं काटे जा रहे हैं।
(B) मजदूरों से पेड़ नहीं काट रहे।
(C) मजदूर पेड़ नहीं काट सकते।
(D) मजदूर पेड़ नहीं काट रहे।
उत्तर - (A) मजदूरों द्वारा पेड़ नहीं काटे जा रहे हैं।
25. 'मेघ आए बड़े बन ठन के इस पंक्ति में कौनसा अलंकार है?
(A) उपमा
(B) रूपक
(C) श्लेष
(D) मानवीकरण
उत्तर - (D) मानवीकरण
26. काली घटा का घमंड छटा पंक्ति में कौनसा अलंकार है?
(A) उपमा अलंकार
(B) रूपक अलंकार
(C) यमक अलंकार
(D) उत्प्रेक्षा अलंकार
उत्तर - (C) यमक अलंकार
27. 'पीपर पात सरित मत डोला' में अलंकार है?
(A) अनुप्रास अलंकार
(B) उपमा अलंकार
(C) यमक अलंकार
(D) श्लेष अलंकार
उत्तर - (B) उपमा अलंकार
28. लड़की होना, पर लड़की जैसी दिखाई मत देना इस पंक्ति में कौन सा अलंकार है?
(A) अनुप्रास अलंकार
(B) विरोधाभास अलंकार
(C) रूपक अलंकार
(D) अतिशयोक्ति अलंकार
उत्तर - (B) विरोधाभास अलंकार
- निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर चुनिए (प्रश्न 29 से 33 तक)
संकटों में वीर घबराते नहीं, आपदाएं देख छिप जाते नहीं। लग गए जिस काम में, पूरा किया, काम करके व्यर्थ पछताते नहीं। हो सरल अथवा कठिन हो रास्ता, कर्मवीरों को न इससे वास्ता। बड़ चले तो अंत तक ही बड़ चले, कठिन तट गिरिश्रंग चढ़ चले। कठिन पथ को देखकर मुस्काते सदा, संकटों के बीच वे गाते सदा। है असंभव कुछ नहीं उनके लिए, सरल संभव कर दिखाते वे सदा। यह असंभव कार्यों का शब्द है, कहा या नेपोलियन ने एक दिन। सच बताऊं जिन्दगी ही व्यर्थ है, दर्प विन, उत्साह विन औशक्तिविन।
29. कौन सा लक्षण वीर पुरुष का नहीं है?
(A) संकटों से घबराते नहीं।
(B) अपदाएं देखकर छिप जाते हैं।
(C) अपने काम को पूरा करके ही दम लेते हैं।
(D) काम को करके पछताता नहीं है।
उत्तर - (B) अपदाएं देखकर छिप जाते हैं।
30. कर्मवीरों को किस बात से वास्ता नहीं होता?
(A) मार्ग सरल है अथवा कठिन है
(B) गिरिश्रंग कठिनतर है।
(C) अंत तब बढ़ते जाना है।
(D) जिन्दगी व्यर्थ है।
उत्तर - (A) मार्ग सरल है अथवा कठिन
31. कठिन पथ को देखकर कर्मवीरों की क्या प्रतिक्रिया होती है?
(A) वे चिंतित हो जाते हैं
(B) वे मुस्कराते हैं
(C) वे काम करते हैं
(D) ऊपर चढ़ते हैं
उत्तर - (B) वे मुस्कराते हैं
32. नेपोलियन ने एक दिन क्या कहा था?
(A) युद्ध करो
(B) विजय प्राप्त करो
(C) असंभव कार्यों का शब्द है
(D) जिन्दगी व्यर्थ है
उत्तर - (C) असंभव कार्यों का शब्द है
33. जिन्दगी किसके बिना व्यर्थ है?
(A) दर्द के बिना
(B) उत्साह के बिना
(C) शक्ति के बिना
(D) इन सभी के बिना
उत्तर - (D) इन सभी के बिना
34. 'पथ भ्रष्ट' शब्द में कौन सा समास है?
(A) द्वंद समाज
(B) द्विगु समास
(C) तत्पुरुष समास
(D) अव्ययी भाव समास
उत्तर - (C) तत्पुरुष समास
35. 'त्रिफला' शब्द का विग्रह होगा?
(A) त्रि + फल
(B) तीन फलों का समाहार
(C) तीन फल
(D) तीन है जो फल
उत्तर - (B) तीन फलों का समाहार
36. 'गोपाल' शब्द में कौनसा समास है?
(A) तत्पुरुष
(B) कर्म धारम
(C) बहुव्रीहि
(D) अव्ययी भाव
उत्तर - (C) बहुव्रीहि समास
37. निम्नलिखित विग्रह का समस्त पद क्या बनेगा, षट आनन हैं जिसके?
(A) षडानन
(B) षटानन
(C) षटोनन
(D) आननषट्
उत्तर - (A) षडानन
38. निम्नलिखित विग्रह का समस्त पद क्या बनेगा?
पांच रत्नों का समूह
(A) पांच रत्नों (B) पंच रत्न
(C) पंच मेल
(D) पंच बेमेल
उत्तर - (B) पंच रत्न
39. 'युद्ध' शब्द की माप वाचक संज्ञा बनेगी?
(A) वर्धा (B) वार्धाक्य
(C) वृद्धा (D) वृद्धता
उत्तर - (B) वार्धाक्य
40. निम्नलिखित विकल्पों में से कौन से विकल्प में सभी शब्द व्यक्ति वाचक संज्ञाएं नहीं हैं?
(A) भोपाल, इन्दौर
(B) हिमालय, सतपुड़ा
(C) नर्मदा, यमुना
(D) पुस्तक, रामचरित मानस
उत्तर - (D) पुस्तक, रामचरित मानस
41. 'गांधी जी' को राष्ट्रपिता कहा जाता है शब्द कौन सी संज्ञा है?
(A) जाति वाचक संज्ञा
(B) द्रव्य वाचक संज्ञा
(C) व्यक्ति वाचक संज्ञा
(D) भाव वाचक संज्ञा
उत्तर - (C) व्यक्ति वाचक संज्ञा
42. निम्न विकल्पों में से कौन से विकल्प में सभी शब्द भाव वाचक संज्ञाएं नहीं हैं?
(A) चतुराई, महंगाई
(B) भयता, नीचता
(C) सुंदर, फीका
(D) योग्यता, ईमानदारी
उत्तर - (C) सुंदर, फीका
43. दूध में कुछ पड़ा है?
(A) निश्चय वाचक
(B) अनिश्चय वाचक
(C) प्रश्न वाचक
(D) पुरुष वाचक
उत्तर - (B) अनिश्चय वाचक
44. हम पढ़ने जा रहे हैं?
(A) पुरुष वाचक
(B) निश्चय वाचक
(C) अनिश्चय वाचक
(D) संबंध वाचक
उत्तर - (A) पुरुष वाचक
45. तुम कौनसा सर्वनाम है?
(A) अन्य पुरुष वाचक
(B) मध्यम पुरुष वाचक
(C) निज वाचक
(D) संकेत वाचक
उत्तर - (B) मध्यम पुरुष वाचक
46. कौन रो रहा है?
(A) पुरुष वाचक सर्वनाम
(B) प्रश्न वाचक सर्वनाम
(C) निश्चय वाचक सर्वनाम
(D) निज वाचक सर्वनाम
उत्तर - (B) प्रश्न वाचक सर्वनाम
47. कोई रो रहा है?
(A) अनिश्चय वाचक
(B) प्रश्न वाचक
(C) निश्चय वाचक
(D) निज वाचक
उत्तर - (A) अनिश्चय वाचक
48. वह मेरा घर है?
(A) निश्चय वाचक
(B) अनिश्चय वाचक
(C) प्रश्न वाचक
(D) निज वाचक
उत्तर - (A) निश्चय वाचक
49. हल्का पीला फूल तोड़कर लाओ इटैलिक पद व्याकरण में क्या है?
(A) विशेषण
(B) प्रविशेषण
(C) गुणावाचक विशेषण
(D) विशेषण
उत्तर - (B) प्रविशेषण
50. 'सप्ताह' शब्द से विशेषण बनेगा?
(A) सप्ताही
(B) साप्ताहिक
(C) साप्तारी
(D) साप्ताकी
उत्तर - (B) साप्ताहिक

डॉ. राममनोहर उपाध्याय
(लेखक, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.) के जनसंचार विभाग में अतिथि शिक्षक हैं)

विश्व नदी दिवस - 26 सितम्बर

सुनो, हमसे कुछ कहना चाहती हैं नदियां.....

अगर धीरे चलो वह तुम्हें छू लेगी
दौड़ो तो छूट जाएगी नदी
अगर ले लो साथ तो वीहड़ रास्तों में भी
वह चलती चली जाएगी
तुम्हारी उंगली पकड़कर
अगर छोड़ दो तो वहीं अंधेरे में
करोड़ों तारों की आंख बचाकर
वह चुपके से रच लेगी एक समूची दुनिया
एक छोटे से घोंघे में
सच्चाई यह है कि तुम कहीं भी रहो
तुम्हें वर्ष के सबसे कठिन दिनों में भी
प्यार करती है एक नदी
नदी जो इस समय नहीं है इस घर में
पर होगी जरूर कहीं न कहीं
किसी चटाई या फूलदान के नीचे
चुपचाप बहती हुई
कभी सुनना जब सारा शहर सो जाए
तो क्वाइलों पर कान लगा
धीरे-धीरे सुनना कहीं आसपास
एक मादा घड़ियाल की कराह की तरह
सुनाई देगी नदी!

प्रसिद्ध साहित्यकार स्व. केदारनाथ सिंह की यह कविता 'नदी' जितनी गहराई से नदियों की व्यथा को उजागर करती है उतनी ही शिद्दत से यह भी बताती है कि नदियों का हमारे जीवन में कितना महत्व है। नदी पानी का एक ऐसा अनवरत स्रोत है, जिसके बिना मानवीय सभ्यता की कल्पना करना भी बेमानी है। हमारे पूर्वज भी इस बात को बहुत अच्छी तरह समझते थे इसलिए वे वहीं रहना पसंद करते थे, जहां कोई बड़ी नदी बहती थी। हमारे सामने आज भी ऐसे कई शहर हैं जो किसी न किसी बड़ी नदी के कारण ही अस्तित्व में आए और आज भी कई गुना बड़े होकर नदियों के महत्व को प्रतिपादित कर रहे हैं। इन्हीं में से एक है दुनिया के कुछ सबसे पुराने शहरों में शुमार बनारस (वाराणसी) या काशी जो पवित्र और पुण्यदायिनी गंगा नदी के किनारे बसा हुआ है। इसी तरह लंदन की पहचान थेम्स नदी से है। दुनिया के बहुत से बड़े शहर नदियों के किनारे ही आबाद हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह है कि साफ और ताजा पानी जीवन के लिए सबसे जरूरी तत्वों में से एक है, लेकिन नदियों का यही गुण उनके विनाश का कारण बन रहा है। **हमारी जीवनरेखा यानि नदियों के प्रति जागरूकता के लिए है विश्व नदी दिवस** नदियां हमारी जीवनरेखा कल भी थीं

और आज भी हैं, लेकिन हमने अपनी इस अति भौतिकतावादी दुनिया में उनकी उपेक्षा करना शुरू कर दिया है, जिसका खामियाजा हमें ही जल संकट और बढ़ते प्रदूषण के रूप में झेलना पड़ रहा है। भारत में प्राकृतिक जल संसाधन के अंधाधुंध दोहन और मानव निर्मित फैक्ट्रियों और उद्योगों से निकले प्रदूषण की शिकार होकर अधिकतर नदियां अब वीमार हो चली हैं।

अपने अस्तित्व के लिए संघर्षरत इन नदियों को आज संरक्षित करने की जरूरत है। इस बात को संयुक्त राष्ट्र ने भी समझा है और वर्ष 2005 में 'जीवन के जल' दशक की शुरुआत करते हुए जल संसाधनों विशेष तौर पर नदियों के संरक्षण हेतु जागरूकता बढ़ाने के लिए एक दिन भी नियत किया है। प्रति वर्ष सितम्बर माह के अंतिम रविवार को संपूर्ण विश्व में 'विश्व नदी दिवस' (वर्ल्ड रिवर डे) मनाया जाता है। इस दिवस पर विभिन्न गतिविधियों व समारोहों के जरिए दुनियाभर में नदियों के महत्व पर विचार-विमर्श किया जाता है। इस वर्ष 26 सितम्बर को यह दिवस मनाया जा रहा है। इसको मनाने का उद्देश्य यह है कि दुनियाभर के लोग इस बात को समझें कि अगर नदियों को संरक्षित नहीं किया गया तो वह दिन दूर नहीं जब हम बूंद-बूंद पानी के लिए तरसेंगे। पर्यावरणविदों व जल विशेषज्ञों का भी मानना है कि जलवायु परिवर्तन से होने वाले बदलावों का भी नदियों पर असर पड़ने से भविष्य में करोड़ों लोगों के लिए भोजन और पीने के पानी का भयावह संकट उत्पन्न हो जाएगा।

भारतीय पौराणिक ग्रंथों में भी दर्शाया गया है नदियों का महत्व
पृथ्वी का तीन-चौथाई हिस्सा पानी से घिरा हुआ है। जिसमें से 97.3 प्रतिशत पानी सागर और महासागर में पाया जाने वाला नमकीन पानी है, जबकि केवल 3 प्रतिशत ताजा पानी है जो बर्फ, भूजल, ताजे पानी के झीलों और नदियों में पाया जाता है। नदियां जहां स्वच्छ जल का संवाहक होती हैं वहीं आखेट, कृषि, पशुपालन तथा यातायात भी इन्हीं की वजह से संभव हो पाता है। यह भी सच है कि समुद्र से उठा पानी ही वादल बनकर बरसता है। इस पानी को पाकर ही ज्यादातर नदियां, स्वच्छ और सदानेरा होती हैं। किंतु यह भी तथ्य है कि यह नदी ही है, जो सागर के तापमान



को नियंत्रित और उसकी लवणता को संतुलित करती है। सागर के नमकीन पानी को थलक्षेत्र में आने से रोकना और समुद्री जीवों को पोषक तत्व उपलब्ध कराना भी नदी के ही कार्य हैं। इसी महत्व के कारण हिन्दू धर्म में नदियों को देवी के रूप में भी मानवीकरण कर पूजा जाता है। अनेक ग्रंथों, मन्दिरों, स्मारकों तथा संग्रहालयों में इनके अनेक स्वरूपों की परिकल्पना करते हुए कलात्मक चित्रण प्रस्तुत किया गया है। यही नहीं गंगा, यमुना, नर्मदा आदि नदियों का तो पौराणिक महत्व भी दर्शाया गया है। सिर्फ हिंदू नहीं, बल्कि मेसोपोटामिया से लेकर चीन के प्राचीन राजवंशों ने भी प्रकृति के इस अनमोल खजाने को सहेजने के संदेश दिए हैं।

विश्व की जितनी भी सभ्यताएं अब तक ज्ञात हैं, वो सभी किसी न किसी नदी के किनारे ही विकसित हुई हैं। जैसे हड़प्पा सभ्यता सिन्धु नदी के किनारे विकसित हुई तथा मिस्र की सभ्यता को 'नील नदी का वरदान' कहा जाता है। नदी तट पर बसने का यह बहुत बड़ा आकर्षण था कि यहां इंसानी जरूरत के लिए पीने के लिए पानी, खाने के लिये मछली और खेती के लिये उपजाऊ जमीन (जो नदी बाढ़ के समय बहाकर लाती है।) सब मिलता था। इसलिये हजारों वर्षों से मनुष्य नदी की ओर खिंचता चला गया।

मानवजनित प्रदूषण लील रहा है नदियों को

महात्मा गांधी कहा करते थे कि प्रकृति इंसानों की जरूरतें पूरी करने में सक्षम है, लेकिन लालच को नहीं। लेकिन इंसान ने इस बात को नहीं समझा और प्राकृतिक संसाधनों के ज्यादा से ज्यादा दोहन के लालच में उन्हें बर्बादी के कगार पर पहुंचा दिया, जबकि प्रकृति और इंसान एक-दूसरे के पूरक हैं अगर प्रकृति नष्ट होगी तो इसका असर इंसानों पर भी पड़ेगा, क्योंकि हम अपनी सभी प्रमुख जरूरतों के लिए

प्रकृति प्रदत्त संसाधनों पर ही निर्भर हैं, नदियां भी इनमें से एक हैं। दुनिया की 80 प्रतिशत आबादी आज भी ताजे पानी के लिए गंगा, ब्रह्मपुत्र, येलो, मीकांग, नील, टाइबर, राइन, डेन्यूब और अमेजन जैसी प्रमुख नदियों पर निर्भर है। इन नदियों में प्रदूषण बढ़ने के कारण जल संकट सिर्फ भारत ही नहीं समूचे विश्व में अपना असर दिखाने लगा है। पिछले कुछ वर्षों से इन नदियों पर लगातार पड़ रहे दबाव व पानी के अत्यधिक दोहन के परिणामस्वरूप इन नदियों पर गंभीर खतरा मंडराने लगा है। नदी के पर्यावरण के साथ हो रही छेड़छाड़, खेती और मानव उपयोग के लिए खींचे जा रहे पानी और प्रदूषण के कारण ये नदियां अब धीरे-धीरे दम तोड़ने लगी हैं। इसके अलावा ग्लोबल वॉर्मिंग का असर भी इन नदियों पर पड़ रहा है। पिघलते ग्लेशियरों से जहां बाढ़ का प्रकोप बना हुआ है वहीं आने वाले सालों में सदाबहार नदियों को मिलने वाले साफ पानी में भी कटौती होने की भी आशंका है। हमारे देश की प्रमुख नदियां फैक्ट्रियों से निकलने वाले अपशिष्ट और केमिकल के कारण प्रभावित हो रही हैं। ज्यादातर नदियों का पानी तो इतना प्रदूषित हो गया है कि इन्हें उपयोग में ही नहीं लिया जा सकता है। यहां तक देश की सबसे पवित्र और मोक्षदायिनी कही जाने वाली गंगा का पानी भी प्रदूषित हो गया है।

केंद्रीय जल आयोग द्वारा की गई जांचों में पता चला है कि फैक्ट्रियों से निकलने वाले अपशिष्ट जल प्रदूषण का प्रमुख कारण हैं। रासायनिक तत्व पानी में मिलकर जलजनित बीमारियों को जन्म देते हैं। नदियों के प्राकृतिक रास्ते पर बांध बनाकर ऊर्जा उत्पादन किया जाता है। इसका असर भी पर्यावरण पर पड़ता है। विशेषज्ञों का मानना है कि बांधों के डूब क्षेत्र में आए या जल ग्रहण क्षेत्र से बहकर आए जैविक पदार्थ के जलाशय में सड़ने से उसमें ग्रीन हाउस गैसों का निर्माण काफी अधिक होता है जो ग्लोबल वार्मिंग का एक प्रमुख कारक बनता है।

हालांकि इस समय विश्व स्तर पर नदियों को बचाने की कई मुहिम चल रही हैं, लेकिन हाल में प्रकाशित एक अनुसंधान रिपोर्ट में आशंका जताई गई है कि दुनिया के सबसे आबादी वाले क्षेत्रों जैसे उत्तरी चीन में येलो नदी, भारत में गंगा, पश्चिम

अफ्रीका में नाइजर में बहने वाली नदियां बड़े पैमाने पर जलवायु परिवर्तन और मानवजनित कारणों के कारण तेजी से पानी खो रही हैं। असंख्य छोटी नदियां तो प्रकृति और मानव की इस मार के आगे कब से ही अपना अस्तित्व खो चुकी हैं।

पूरे विश्व में नदियों पर निर्भर जैव-विविधता अत्यंत खतरे में है।

नदियों को बचाने का अर्थ है अपना पुनरुद्धार

मानवीय लापरवाही की वजह से परंपरागत जलस्रोतों एवं उसमें रहने वाले जलीय जीवों का अस्तित्व खतरे में है। ऐसे में अब मनुष्य की भूमिका बहुत अधिक बढ़ गई है। इन्हें अपने पुराने और पवित्र स्वरूप में लौटाने के लिए हम सबको संकल्पबद्ध होना होगा। प्रसिद्ध पर्यावरणविद और भारतीय नदी सप्ताह 2016 के आयोजन समिति के अध्यक्ष स्वर्गीय अनुपम मिश्र का मानना था कि नदियां से कुछ साफ पानी तो निकलना स्वाभाविक है, समाज की जरूरत है पर साथ में कुछ पानी भी नदी में भी डालना होगा। गंगा समेत हर बड़ी नदी इसी कारण गंदी हुई है और छोटी सहायक नदियां तो सुखा ही दी गई हैं, मार दी गई हैं। मुख्य बड़ी नदी के साथ उसकी सहायक नदियों को भी चिंता और योजना के दायरे में लाना होगा। आज यह नहीं है। गंगा की सभी सहायक नदियां उत्तराखण्ड में बरसात में उफनती हैं और गर्मी में सूख जाती हैं। सब बड़ी नदियों में, गंगा में भी कई लुप्त हो चुकी छोटी गंगाएं मिलानी होगी। छोटी गंगाओं को बचाए बिना बड़ी गंगा नहीं बच पाएगी। विकास भी नहीं हो पाएगा। नदियों को बचाने का अर्थ है अपना पुनरुद्धार। नदी का भी अपना एक धर्म होता है। एक स्वभाव होता है। नदी का धर्म है बहना। बहते रहना। पिछले एक दौर में हमने विकास के नाम पर, तकनीक की सहायता से नदी के इस धर्म को पूरी तरह बदल दिया है। खेती, उद्योग और शहर में पीने का पानी जुटाने हमने गंगा समेत हर नदी से पानी खींच लिया है। साफ पानी लिया है और फिर इन तीनों गतिविधियों से दूषित हुआ पानी गंगा में वापस डाल दिया है।

हमें उनकी इस बात में छिपे मर्म को समझना होगा तभी हम सचमुच अपनी नदियों को बचा पाएंगे।

- रीता मोदी

(लेखिका, स्वतंत्र पत्रकार हैं)

महिलाओं को मिलेगी चूल्हे के धुएं से मुक्ति - श्री अमित शाह

जबलपुर, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के द्वितीय चरण के शुभारंभ के साथ ही मध्यप्रदेश में 5 लाख माताओं को निःशुल्क गैस कनेक्शन का वितरण किया जा रहा है। इस योजना में गरीब महिलाओं को अब धुएं से मुक्ति मिलेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास की धारा प्रवाहित हो रही है। केंद्र सरकार देश के गरीब, पिछड़े, आदिवासी एवं दलित वर्ग के कल्याण के लिए सतत् रूप से कार्य कर रही है। केंद्र सरकार के वर्ष 2014 के प्रथम कार्यकाल से ही गरीब-कल्याण के लिए बनाई गई योजनाओं को अमलीजामा पहनाया जा रहा है। ये बातें केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने वेटनरी कॉलेज ग्राउण्ड जबलपुर में निःशुल्क गैस कनेक्शन वितरण करने की प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना 2.0 के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहीं।

श्री शाह ने कहा कि 2014 तक लगभग 13 करोड़ रुपये धनाढ्य परिवारों के पास गैस कनेक्शन था। गरीब महिलाओं को पारम्परिक तरीके से लकड़ी चुनकर चूल्हे पर खाना बनाना पड़ता था। लकड़ी के धुएं से फेफड़ों एवं आंखों की समस्यायें

होती थीं। उनके इस दर्द को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बखूबी समझा और उज्ज्वला योजना की शुरुआत की। अब तक लगभग 9 करोड़ गरीब परिवारों के घरों तक निःशुल्क गैस कनेक्शन प्रदान किये गये। वर्ष 2019 में सरकार के दूसरे कार्यकाल में एक करोड़ निःशुल्क गैस कनेक्शन देने का कार्य किया गया। मध्यप्रदेश में 74 लाख लोगों को गैस कनेक्शन दिए गए। आज पांच लाख लोगों को इसका लाभ प्रदान किया जा रहा है।

श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत बैंक खाते खुलवाए गए एवं इसमें शासकीय योजनाओं की राशि को सीधे भेजा गया। हर घर में बिजली पहुंचाई गई। वर्ष 2022 तक सभी पात्र हितग्राहियों के लिए पक्का मकान एवं शौचालय की व्यवस्था करवाई जा रही है। आयुष्मान कार्ड योजना में पात्र परिवारों को पांच लाख रुपये का निःशुल्क उपचार दिया जा रहा है। कोरोना की महामारी को देखते हुए निःशुल्क अनाज वितरण करने की भी व्यवस्था की गई है। सरकार द्वारा सिर्फ वादे नहीं किए गए, बल्कि उन्हें पूरे कर इसका लाभ निचले स्तर तक पहुंचाने

का कार्य किया गया है। देश के 130 करोड़ लोगों का पूर्ण समावेशी विकास करना प्रधानमंत्री का लक्ष्य है। इसके तहत आत्मनिर्भर भारत, आजादी का अमृत महोत्सव, गरीब के चेहरे पर मुस्कान लाना, बेरोज़गारों को काम दिलाना, सरकार की मुख्य प्राथमिकता है।

चूल्हे के धुएं से मुक्ति दिलाने का अभियान है उज्ज्वला योजना

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना गरीब माताओं को चूल्हे के धुएं से मुक्ति दिलाने वाला अभियान है। इस अभियान में आज मध्यप्रदेश में 5 लाख रसोई गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उज्ज्वला योजना में मध्यप्रदेश को मिले 17 लाख लक्ष्य में शेष बचे 12 लाख कनेक्शन जल्द प्रदान किये जायेंगे। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के द्वितीय चरण में योजना का दायरा बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार गरीबों के कल्याण में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। साथ ही गरीबों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए दिन-रात काम कर रही है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जीवन के लिए आवश्यक रोटी,

मकान, स्वास्थ्य से जुड़ी केंद्र सरकार की योजनाओं का विस्तार से जिक्र किया। उन्होंने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा कोविड संकट के दौरान गरीबों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना में लगभग 7 माह का मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी प्रकार केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना में 2023 तक गरीबों के लिए पक्के मकान दिलाने का लक्ष्य रखा गया है। श्री चौहान ने बताया कि मध्यप्रदेश में इस वर्ष 8 लाख प्रधानमंत्री आवास का निर्माण किया जाएगा। केंद्र सरकार के नेतृत्व में अब घर-घर पानी पहुंचाने की अभिनव योजना जल जीवन मिशन में भी युद्ध स्तर पर कार्य जारी है।

चिन्हित प्राइवेट अस्पतालों में मिलेगा निःशुल्क इलाज

मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार की कल्याणकारी और लोकप्रिय योजना आयुष्मान भारत निरामयम का जिक्र करते हुए कहा कि प्रत्येक परिवार को इस योजना में 5 लाख तक का निःशुल्क इलाज दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश में अब तक 2.5 करोड़ आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। आयुष्मान कार्ड बनाने का

कार्य अभी भी सतत् जारी है। योजना में अब चिन्हित प्राइवेट अस्पतालों में भी पात्र आयुष्मान कार्डधारियों को भी निःशुल्क इलाज मुहैया कराया जाएगा।

स्व-सहायता समूहों को इस वर्ष मिलेगा 2500 करोड़ का क्रेडिट लिंकेज

श्री चौहान ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए भी प्रयास निरंतर किये जा रहे हैं। इस वर्ष स्व-सहायता समूहों को 2500 करोड़ का क्रेडिट लिंकेज उपलब्ध कराया जाएगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार का यह सपना है कि प्रत्येक कामकाजी माताओं की आय कम से कम 10 हजार रुपये प्रति माह जरूर हो।

मंच से उज्ज्वला योजना के हितलाभ वितरित

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान सहित अतिथियों ने मंच से प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना 2.0 के द्वितीय चरण के शुभारंभ पर हितग्राहियों को गैस कनेक्शन वितरण किए। मंच से लाभांशित होने वाले हितग्राहियों में रेनु कोटिया, सोनू बेन, ज्योति प्रजापति और निशा कुशवाहा शामिल रहे।

चंबल अंचल की नंदिनी अग्रवाल सीए में टॉपर

मुरैना की नंदिनी अग्रवाल ने प्रथम और उनके भाई सचिन अग्रवाल ने 18वीं रैंक के साथ पाई गौरवपूर्ण उपलब्धि

प्रश्न सर्वप्रथम नंदिनी और सचिन आप दोनों को बहुत शुभकामनाएं, सीए परीक्षा में अव्वल आकर कैसा लग रहा है आपको?

नंदिनी जी मेरे लिए यह बहुत खुशी का दिन है। मैं और मेरे भाई ने टॉप रैंकर रहकर सीए क्लियर किया है। यह हमारे लिए बहुत उपलब्धिपूर्ण दिन है।

प्रश्न सीए परीक्षा की ओर आपके कैरियर की दिशा कैसे मुड़ी?

नंदिनी मेरी पारिवारिक पृष्ठभूमि में सीए हैं। मेरे दादाजी दिनेशचंद्र गुप्ता मुरैना के प्रतिष्ठित एडवोकेट हैं, वित्तीय मामलों के विशेषज्ञ हैं। इसके साथ ही मेरे परिवारजनों की इच्छा थी कि मैं एक कामयाब सीए के रूप में आगे बढ़ूं। इस घरेलू वातावरण के अलावा सबसे बड़ी बात यह रही कि मैं खुद भी सीए बनना चाहती थी। इसके लिए मैंने 11वीं में कॉमर्स विषय लिया एवं भाई के साथ मिलकर सीए की तैयारी की।

प्रश्न आपकी पारिवारिक पृष्ठभूमि के विषय में बताएं?

नंदिनी मेरे पिताजी नरेशचंद्र गुप्ताजी एक एडवोकेट हैं। मेरी मां श्रीमती डिम्पल गुप्ता एक कुशल गृहिणी हैं। हमारा

चंबल अंचल अब बेटियों की मेहनत, समर्पण और इच्छाशक्ति से देश, प्रदेश में सम्मान पा रहा है। यहां की बेटियां पढ़-लिखकर चंबल का नाम रोशन कर रही हैं। मुरैना की 19 वर्षीय नंदिनी अग्रवाल ने भी सीए फायनल में देशभर में टॉप करके एक ऐसी ही चमकीली उपलब्धि हासिल की है। नंदिनी ने इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंट द्वारा आयोजित सीए परीक्षा में पूरे देश में अव्वल आकर अपने शहर और अपने प्रदेश का नाम रोशन किया है। नंदिनी की उपलब्धि में चार चांद लगाते हुए उनके भाई सचिन अग्रवाल ने भी सीए फायनल में देशभर में 18वीं रैंक हासिल की है और अपनी बहन के साथ मिलकर अपने दादाजी, मां-पिता सहित समूचे परिवार का नाम रोशन किया है। आइए इन मेधावी भाई-बहनों से खुद जानते हैं उनकी सफलता की कहानी।

परिवार एक सामान्य मध्यमवर्गीय परिवार है जो शिक्षा को हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता देता है।

प्रश्न आपने प्रतिदिन लगभग कितने घंटे पढ़ाई की?

नंदिनी मैंने अपने भाई के साथ प्रतिदिन 10 से 12 घंटे साल भर पढ़ाई के लिए दिए। इस बीच खास बात ये रही कि हम पढ़ाई के बीच-बीच में गैप देते रहते थे। विषय का निरंतर व नियमितता से अध्ययन किया इसलिए हम पर तैयारी के दौरान किसी तरह का दबाव नहीं रहा।

प्रश्न भविष्य के लिए आपके क्या लक्ष्य हैं?

नंदिनी नवंबर में कैम्पस सिलेक्शन होंगे जिसका हम इंतजार कर रहे हैं। इसके साथ ही आगे कैट का एग्जाम है जो हमारा मुख्य लक्ष्य रहेगा। मैं और भाई सचिन कैट क्लियर करके देश के प्रसिद्ध आईआईएम संस्थानों



से एमबीए करना चाहते हैं। इसके लिए हमारी तैयारी पूर्व से चल रही है।

प्रश्न आपने स्कूली पढ़ाई कहां से की?

नंदिनी मैंने विक्टर कॉन्वेंट स्कूल मुरैना से अपनी स्कूली पढ़ाई पूरी की है।

प्रश्न आप भाई से छोटी हैं मगर फिर भी तैयारी एक साथ कैसे संभव हुई?

नंदिनी मैंने प्रारंभिक शिक्षा के दौरान 2

कक्षाएं विद्यालय में नहीं पढ़ी हैं। इससे मैं भाई सचिन के साथ वाले क्लास में आ गयी। एक ही कक्षा में हम दोनों साथ रहे तो तैयारी में भी सुविधा हुई। दोनों ने एक-दूसरे को निरंतर प्रोत्साहित किया साथ ही पढ़ाई करते हुए हम दोनों तैयारी को इंजॉय भी कर सके।

प्रश्न भाई के साथ तैयारी का आपको रिजल्ट में किस तरह लाभ हुआ?

नंदिनी हम लोग साथ पढ़ते थे। तैयारी के बाद अपने ऑनर्स एक-दूसरे को चेक कराते थे, जिससे हम दोनों का लेखन सुधरता चला गया। पढ़ाई के दौरान हम दोनों एक-दूसरे के कड़े आलोचक रहे, जिससे दोनों की गलतियां लगातार कम होती चली गयीं।

प्रश्न आप दोनों अपनी सफलता का श्रेय किसे देना चाहेंगे?

नंदिनी व सचिन : हम दोनों ने पूरी एकाग्रता

और अनुशासन के साथ सीए की तैयारी की। हमने सोच लिया था भले ही यह हमारा पहला प्रयास हो मगर यह हमारा सर्वोत्तम प्रयास होना चाहिए। इसके लिए हमने लयबद्ध रूप से तथा लगन से तैयारी की, जिससे हमारी कामयाबी की राह आसान हुई।

प्रश्न 'रोज़गार एवं निर्माण' के पाठकों एवं युवा साथियों के लिए आपका क्या संदेश रहेगा?

नंदिनी एवं सचिन : हम दोनों अपने अनुभव से कह सकते हैं कि पढ़ाई के दौरान सोशल मीडिया एक बड़ी बाधा रहता है। हमने भी तैयारी के दौरान सोशल मीडिया से दूरी बनाए रखी, जिससे हमारी एकाग्रता भंग नहीं हुई। आप सभी से हमारा आग्रह रहेगा कि पूरे मन लगन व एकाग्रता से अपने लक्ष्य के लिए जुटें। ध्यान भंग करने के साधनों से दूर रहें। तन-मन की प्रसन्नता और आत्मविश्वास के लिए निरंतर परिवार से ऊर्जा पाते रहें। आप अवश्य ही अपनी मंजिल तक पहुंचेंगे।

विवेक पाठक

(लेखक - स्वतंत्र पत्रकार)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान-खेल

- इनमें से किस गेंदबाज ने अपने पदार्पण टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में हैट्रिक ली है?
 - (अ) धनंजय डि सिल्वा
 - (ब) अल्जारी जोसेफ
 - (स) नाथन एलिस
 - (द) टिम साउथी
- टोक्यो ओलिंपिक-2020 में बैडमिंटन में महिला एकल वर्ग की चैंपियन बनी हैं?
 - (अ) पी.वी. सिंधु
 - (ब) चैन यूफेई
 - (स) ताई जू यिंग
 - (द) नोजोमी ओकुहारा
- लुईस हैमिल्टन ने इनमें से किस वर्ष फॉर्मूला-वन चैंपियनशिप नहीं जीती है?
 - (अ) वर्ष 2008
 - (ब) वर्ष 2015
 - (स) वर्ष 2016
 - (द) वर्ष 2019
- पीआर श्रीजेश किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं?
 - (अ) हॉकी
 - (ब) कबड्डी
 - (स) फुटबॉल
 - (द) नौकायन
- वर्ष 2017 में इनमें से किस खिलाड़ी ने वर्ल्ड स्नूकर चैंपियनशिप जीती थी?
 - (अ) रॉरी ओसुलिवान
 - (ब) मार्क सेल्बी
 - (स) स्कॉट डोनाल्डसन
 - (द) जॉन हिगिंग्स
- एमा मेक्कॉन किस देश की दिग्गज महिला तैराक हैं?
 - (अ) ऑस्ट्रेलिया
 - (ब) अमेरिका
 - (स) हंगरी
 - (द) न्यूजीलैंड
- किस पूर्व क्रिकेटर को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का नया अध्यक्ष बनाया गया है?
 - (अ) वसीम अकरम
 - (ब) जावेद मियांदाद
 - (स) इंजमाम उल हक
 - (द) रमीज राजा
- टेस्ट क्रिकेट में एक पारी में सर्वाधिक स्कोर बनाने का रिकॉर्ड किस देश के नाम है?
 - (अ) वेस्टइंडीज
 - (ब) इंग्लैंड
 - (स) श्रीलंका
 - (द) भारत
- टोक्यो ओलिंपिक में इनमें से किस खिलाड़ी ने टेनिस में महिला एकल वर्ग का स्वर्ण पदक जीता है?
 - (अ) इलिना स्विटोलिना
 - (ब) बेलिंडा बेनकिंक
 - (स) नाओमी ओसाका
 - (द) गर्बाइन मुगुरुजा
- वर्ष 2019 में मलेशिया ओपन में पुरुष एकल वर्ग में चैंपियन बने थे?
 - (अ) लिन डेन
 - (ब) ली चोंग वेई
 - (स) किदांबी श्रीकांत
 - (द) विक्टर एक्सेलसन
- बेल्जियम के स्टार फुटबॉलर रोमेलू लुकाकु किस इंग्लिश क्लब के लिए खेलते हैं?
 - (अ) चेलसी
 - (ब) लिवरपूल
 - (स) मैनचेस्टर सिटी
 - (द) एस्टन विला
- विराट कोहली ने वन-डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अब तक कितने शतक बनाए हैं?
 - (अ) 28
 - (ब) 32
 - (स) 14
 - (द) 43
- इस वर्ष वर्ल्ड टेबल टेनिस चैंपियनशिप किस देश में आयोजित की जायेगी?
 - (अ) नीदरलैंड
 - (ब) दक्षिण कोरिया
 - (स) अमेरिका
 - (द) मलेशिया
- इस वर्ष स्पॅनिश फुटबॉल लीग ला लीगा का खिताब किस क्लब ने जीता है?
 - (अ) बार्सिलोना
 - (ब) रियल मैड्रिड
 - (स) वेलेंसिया
 - (द) एटलेटिको मैड्रिड
- आईपीएल की टीम पंजाब किंग्स के मौजूदा कप्तान हैं?
 - (अ) रविचंद्रन अश्विन
 - (ब) के.एल. राहुल
 - (स) मयंक अग्रवाल
 - (द) निकोलस पूरन
- वर्ष 2019 में किस फुटबॉलर को अर्जुन अवॉर्ड मिला था?
 - (अ) गुरप्रीत सिंह संधु
 - (ब) सुनील छेत्री
 - (स) अनिरुद्ध थापा
 - (द) अब्दुल समद
- डॉल्फिन किंग टर्म किस खेल से संबंधित हैं?
 - (अ) ताइक्वांडो
 - (ब) तैराकी
 - (स) कराटे
 - (द) मुक्केबाजी
- शिवपाल सिंह ने टोक्यो ओलिंपिक में किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व किया?
 - (अ) टेबल टेनिस
 - (ब) हॉकी
 - (स) भाला फेंक
 - (द) निशानेबाजी
- इनमें से कौन-सा खिलाड़ी भारतीय हॉकी टीम से संबंधित नहीं है?
 - (अ) मनप्रीत सिंह
 - (ब) विवेक सागर
 - (स) वीरेंद्र लाकड़ा
 - (द) सौरभ चौधरी
- वर्ष 2020 में लंदन मैराथन में पुरुष वर्ग में विजेता बने थे?
 - (अ) पीटर हरजोग
 - (ब) इलियुड किपचोगे
 - (स) शूरा किताता
 - (द) सिसय लेमा
- इनमें से किस गेंदबाज ने क्रिकेट वर्ल्डकप-2019 में हैट्रिक ली थी?
 - (अ) ट्रेंट बोल्ट
 - (ब) जसप्रीत बुमराह
 - (स) मिशेल स्टार्क
 - (द) मोहम्मद आमिर
- इस वर्ष यूई में आयोजित होने वाले आईसीसी टी-20 वर्ल्डकप में कितने देश हिस्सा लेंगे?
 - (अ) 10
 - (ब) 12
 - (स) 16
 - (द) 20
- मीराबाई चानू ने कॉमनवेल्थ गेम्स-2018 में कौन-सा पदक जीता था?
 - (अ) स्वर्ण पदक
 - (ब) रजत पदक
 - (स) कांस्य पदक
 - (द) इनमें से कोई नहीं
- डेविड वॉर्नर ने टेस्ट क्रिकेट में किस देश के खिलाफ तिहरा शतक बनाया है?
 - (अ) भारत
 - (ब) पाकिस्तान
 - (स) दक्षिण अफ्रीका
 - (द) इनमें से कोई नहीं

उत्तर

- (स), 2. (ब), 3. (स), 4. (अ), 5. (ब), 6. (अ), 7. (द), 8. (स), 9. (ब), 10. (अ), 11. (अ), 12. (द), 13. (स), 14. (द), 15. (ब), 16. (अ), 17. (ब), 18. (स), 19. (द), 20. (स), 21. (अ), 22. (स), 23. (अ), 24. (ब), 25. (स)

- पुष्पेंद्र कुमार सविता

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

मध्यप्रदेश कृषि क्षेत्र में मॉडल राज्य होगा

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की केंद्रीय कृषि मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर के साथ भोपाल स्थित मंत्रालय में एक उच्च स्तरीय बैठक में कृषि अधोसंरचना और अन्य विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। कृषि मंत्रालय के केंद्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी इसमें सम्मिलित हुए।

केंद्रीय मंत्री श्री तोमर ने कहा मध्यप्रदेश कृषि के क्षेत्र में कई प्रांतों से आगे है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में कृषि क्षेत्र के कार्य सभी किसानों के जीवन स्तर में बदलाव लाने में सक्षम हैं और कृषि के क्षेत्र को गौरवान्वित करने वाले हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कृषि अधोसंरचना के लिए एक लाख करोड़ की राशि के साथ

महत्वाकांक्षी कार्यक्रम की शुरुआत की थी। एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड के अंतर्गत 10 हजार करोड़ रुपये के प्रस्ताव राज्यों से प्राप्त हो चुके हैं और इसमें से 5 हजार करोड़ रुपये के प्रस्ताव बैंकों द्वारा स्वीकृत हुए हैं। मध्यप्रदेश द्वारा इसमें सर्वाधिक परियोजनाएं एक हजार करोड़ रुपये की भागीदारी के साथ की गई हैं, जो सराहनीय है। श्री तोमर ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि मध्यप्रदेश मिशन मोड पर कृषि विकास के लिए कार्य करते हुए तेजी से आगे बढ़ेगा और मध्यप्रदेश मॉडल राज्य बनेगा। श्री तोमर ने कहा कि मध्यप्रदेश में किसान मित्र प्रशिक्षित किए जाएं। उन्होंने कहा कि गिरदावरी के लिए एप के विकास के

साथ ही इस प्रणाली का ऐसा उपयोग हो कि किसान तक इसकी उपयोगिता की बात पहुंचे। हम किसान का भरोसा बढ़ाने का प्रयास करें। किसानों को भी इस कार्य में रुचि लेनी होगी। किसान मित्र की भागीदारी से श्रेष्ठ मॉडल विकसित कर अपनाया जाए। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश में एग्री इंफ्रा फंड का बेहतर उपयोग किया गया है। करीब एक हजार करोड़ रुपये के अलग-अलग कार्यों जैसे कोल्ड स्टोरेज चैन प्रारंभ करने, वेयर हाउस निर्माण आदि के लिए 600 करोड़ रुपये की राशि विमुक्त की जा चुकी है। इन नए अधोसंरचनात्मक कार्यों से किसानों को लाभ होगा।

इग्नू से दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से भी प्राप्त कर सकते हैं कानूनी शिक्षा

कानूनी पेशे में व्यापक भागीदारी के लिए समावेशी कानूनी शिक्षा के रूप में कानून में दूरस्थ शिक्षा के महत्व को लंबे समय से हमारे देश में महसूस किया गया है। कानूनी शिक्षा से संबंधित शैक्षिक कार्यक्रम इन दिनों काफी लोकप्रिय हो रहे हैं। इसकी बढ़ती मांग को समझते हुए इग्नू ने प्रख्यात कानूनी विद्वानों की मदद से कानून से जुड़े शैक्षिक कार्यक्रमों को विभिन्न विद्यार्थियों/प्रोफेशन की शैक्षिक आवश्यकताओं के अनुसार विकसित किया है। यद्यपि एलएलबी कार्यक्रम दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन छह महीने और एक वर्ष की अवधि के कई कार्यक्रम हैं, जो इग्नू के माध्यम से प्रस्तुत किए जाते हैं। ये प्रमाण पत्र और डिप्लोमा कार्यक्रम कानूनी अध्ययन के कई विशिष्ट विषय क्षेत्रों के बारे में केंद्रित ज्ञान देते हैं। ये शैक्षिक कार्यक्रम रुचिकर एवं समय की मांग के अनुसार विविध विषय क्षेत्रों में हैं जैसे साइबर कानून, आपराधिक न्याय, आईपीआर, पैरा लीगल, उपभोक्ता कानून, व्यापार कानून, मानव अधिकार, मानवीय कानून और मानव तस्करी रोकथाम आदि। जो छात्र थोड़े समय के भीतर विशिष्ट ज्ञान प्राप्त करने में रुचि रखते हैं, उनके लिए यह कार्यक्रम विशेष रूप से उपयोगी हैं। हालांकि इनमें से अधिकांश कार्यक्रमों के लिए पात्रता 10+2 या स्नातक है, लेकिन इन कार्यक्रमों से प्रशिक्षित कानूनी पेशेवरों को भी काफी फायदा होगा। दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से कानूनी शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से वर्ष 2005 में इग्नू के स्कूल ऑफ लॉ (विधिक विद्यापीठ) की स्थापना की गई थी। यह विद्यापीठ कानून के व्यावहारिक पहलुओं को सीखने, कानूनी कौशल और छात्रवृत्ति को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करने के साथ अभिनव, मल्टी-मीडिया लर्निंग टीचिंग पैकेजों के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा सुनिश्चित करने का प्रयास करता है। इस स्कूल का मुख्य उद्देश्य उभरती विश्व व्यवस्था में कानूनी अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूकता पैदा करना, क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान करना और कानूनी अनुसंधान और परामर्श सेवाओं को शुरू करना है।

इग्नू द्वारा चलाए जा रहे कानून के कुछ अकादमिक कार्यक्रम निम्नानुसार हैं। आपको सलाह दी जाती है कि आप प्रवेश लेने से पहले पात्रता और अन्य सामान्य दिशानिर्देशों के लिए सटीक और अद्यतन जानकारी देखने के लिए हमारी वेबसाइट या विवरणिका देखें।

कानून में पीएचडी कार्यक्रम

एक वर्ष या छह महीने की अवधि के उपरोक्त कार्यक्रमों के अलावा इग्नू कानून में पीएचडी कार्यक्रम भी प्रदान करता है। इग्नू द्वारा चलाया जा रहा कानून में पीएचडी कार्यक्रम एक नियमित कार्यक्रम है। इसे डिस्टेंस मोड के जरिए पेश नहीं किया जाता है। यह तीन वर्ष की अवधि और अधिकतम छह वर्ष की अवधि का है। खाली सीटों की स्थिति के आधार पर पीएचडी प्रोग्राम में दाखिला हर साल जुलाई सत्र में होता है। आवेदक को राष्ट्रीय स्तर पर इग्नू द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा में क्वालीफाई करना होता है।

बौद्धिक संपदा अधिकारों में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

इस कार्यक्रम के लिए योग्यता किसी भी विषय में स्नातक है। यह कार्यक्रम अंग्रेजी माध्यम में संचालित किया जाता है और इसे न्यूनतम एक वर्ष और अधिकतम 3 वर्षों में पूरा किया जा सकता है। इस डिप्लोमा प्रोग्राम को पूरा करने के लिए छात्रों को इस प्रोग्राम के तहत आठ कोर्स पूरे करने होते हैं, इसका उद्देश्य बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) की बुनियादी

अवधारणाओं के साथ शिक्षार्थियों को परिचित करना, आईपीआर से संबंधित मुद्दों पर शिक्षार्थी में विशेषज्ञता विकसित करना और आईपीआर में उभरते मुद्दों और आईपीआर के संरक्षण के औचित्य के साथ शिक्षार्थियों को संवेदनशील बनाना है।

आपराधिक न्याय में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

इस कार्यक्रम के लिए आवेदक किसी भी विषय में स्नातक, अपराध विज्ञान में स्नातक, सामाजिक कार्य और आपराधिक न्याय प्रशासन का कार्यकर्ता होना चाहिए। कार्यक्रम अंग्रेजी माध्यम में संचालित किया जाता है और इसे न्यूनतम एक वर्ष और अधिकतम 3 वर्षों में पूरा किया जा सकता है। इस कार्यक्रम के छात्रों को सात पाठ्यक्रम और एक परियोजना कार्य पूरा करना होता है। कार्यक्रम का उद्देश्य आपराधिक न्याय में उभरते विकास के साथ तालमेल रखना और आपराधिक न्याय प्रणाली के क्षेत्र में पहले से काम कर रहे पेशेवरों की दक्षताओं को बढ़ाना है। जो लोग इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करते हैं, वे सरकारी संगठनों, अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय गैर सरकारी संगठनों में आपराधिक न्याय प्रशासन से संबंधित नौकरियों की तलाश कर सकते हैं। इसके अलावा, प्रैक्टिस करने वाले वकील, महिला, बच्चों और अन्य कमजोर समूहों से संबंधित आपराधिक कानून में विशेषज्ञ बन सकते हैं।

साइबर कानून में स्नातकोत्तर प्रमाण पत्र

साइबर कानून में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र साइबर कानून की बदलती जरूरतों को पूरा करने का प्रयास करता है। जो वर्तमान समय के ज्ञान आधारित समाज में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षार्थियों को साइबर कानून को समझने में सक्षम बनाना है। वर्तमान समय में इंटरनेट के माध्यम से होने वाली धोखाधड़ी और अन्य साइबर अपराधों से निपटने के लिए इस तरह का कोर्स आम आदमी के लिए एक आवश्यकता बन गया है। इसके अलावा प्रत्येक निकाय को 'साइबर स्पेस' से निकलने वाले सामाजिक और बौद्धिक संपदा मुद्दों से परिचित होने की आवश्यकता है। यह कार्यक्रम शिक्षार्थियों को सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, गोपनीयता डेटा सुरक्षा और डेटा संरक्षण के अधिकार के कानूनी ढांचे का गहन ज्ञान भी प्रदान करता है। इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए छात्रों को चार पाठ्यक्रम पूरे करने होंगे। हालांकि यह कार्यक्रम छह महीने की अवधि का है, लेकिन इसे अधिकतम दो साल के भीतर पूरा किया जा सकता है। इस कार्यक्रम के लिए पात्रता किसी भी विषय में स्नातक या 5 वर्षीय एकीकृत एलएलबी पाठ्यक्रम के चौथे और पांचवें वर्ष के छात्र हैं, जिन्होंने तीन वर्षों की डिग्री उत्तीर्ण की है।

पेटेंट में स्नातकोत्तर प्रमाण पत्र

पेटेंट बौद्धिक संपदा का सबसे महत्वपूर्ण रूप है, जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी में रचनात्मकता, नई तकनीक के निर्माण और व्यापार विस्तार के लिए प्रोत्साहित करता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षार्थियों को भारतीय पेटेंट कानून का गहन ज्ञान प्रदान करना, पेटेंट आवेदन लिखने के लिए शिक्षार्थियों को प्रशिक्षित करना और पेटेंट खोजने के लिए विशेषज्ञता विकसित करना है। इस कार्यक्रम के लिए योग्यता विज्ञान/प्रौद्योगिकी/चिकित्सा, कानून में डिग्री और एकीकृत एलएलबी पाठ्यक्रम के चौथे और पांचवें वर्ष के छात्र हैं, जिन्होंने तीन साल पास कर लिए हैं। इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए छात्रों को तीन पाठ्यक्रम और एक परियोजना कार्य पूरा करना होता है।

पैरालीगल प्रैक्टिस में डिप्लोमा

इस कार्यक्रम का उद्देश्य उन कानूनों की समझ विकसित करना है, जो व्यक्तियों को उनके दैनिक जीवन में प्रभावित करते हैं। इसके अलावा यह उन प्राथमिक कौशलों को भी विकसित करता है जो कानूनी और न्यायिक संस्थानों और प्रक्रियाओं तक पहुंचने के लिए आवश्यक हैं। इस प्रोग्राम में छात्रों को चार कोर्स और एक प्रोजेक्ट वर्क पूरा करना होता है। कार्यक्रम के लिए पात्रता 10+2 या इसके समकक्ष है। यह कार्यक्रम अंग्रेजी और हिंदी दोनों माध्यमों में पेश किया जाता है।

सर्टिफिकेट इन ह्यूमन राइट्स

सर्टिफिकेट इन ह्यूमन राइट्स प्रोग्राम 2 पाठ्यक्रमों में विस्तारित 16 क्रेडिट का एक अभिनव शिक्षण पैकेज है। यह विशेष रूप से पेशेवरों को जागरूक और शिक्षित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें सामान्य छात्रों के अलावा, कानून प्रवर्तन कर्मी (पुलिस, सेना, अर्धसैनिक बल), शिक्षक और एनजीओ के पदाधिकारी, निचली न्यायपालिका के अधिकारी और प्रशासनिक अधिकारी शामिल हैं। छात्रों को दो पाठ्यक्रम पूरे करने होते हैं। इस कार्यक्रम के लिए पात्रता 10+2 या इसके समकक्ष है और यह अंग्रेजी और हिंदी दोनों माध्यमों में उपलब्ध है।

उपभोक्ता संरक्षण में प्रमाण पत्र

उपभोक्ता संरक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य उपभोक्ता मामलों पर समग्र जागरूकता और प्रशिक्षण पैदा करना है। इस कार्यक्रम को पूरा करने के बाद शिक्षार्थी उपभोक्ता कार्यकर्ता बन सकते हैं और उद्योगों, गैर सरकारी संगठनों और उपभोक्ता मामलों के सरकारी विभागों में काम कर सकते हैं। वे अपने मामलों को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 के तहत बनाए गए उपभोक्ता निवारण फोरम दर्ज कर सकते हैं और अपना पक्ष रख सकते हैं। कार्यक्रम के लिए पात्रता 10+2 या इसके समकक्ष है और यह अंग्रेजी और हिंदी दोनों माध्यमों में उपलब्ध है। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए छात्रों को तीन पेपर और एक प्रोजेक्ट वर्क पूरा करना होता है।

सहकारिता, सहकारी कानून और

व्यापार कानून में प्रमाण पत्र

सहकारिता में प्रमाण पत्र, सहकारी कानून और व्यापार कानून (CCLBL) पर कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य व्यापार के प्रचार और कामकाज के बारे में पूरी समझ और ज्ञान प्राप्त करना है। इन सर्विस कर्मियों (न्यूनतम तीन साल की सेवा के साथ) के लिए इस कार्यक्रम के लिए पात्रता 10+2 या फ्रेशर के लिए कोई डिग्री है। कार्यक्रम अंग्रेजी माध्यम में संचालित किया जाता है।

मानव तस्करी रोकथाम प्रमाण पत्र

इस कार्यक्रम का उद्देश्य मानव तस्करी रोकथाम में जागरूकता लाना, व्यापक समझ प्रदान करना और विभिन्न हितधारकों/एजेंसियों के बीच कार्यात्मक समझ और समन्वय विकसित करना है। इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद छात्रों के पास मानव तस्करी को समझने, पुनर्वास, रोकथाम और पुनः एकीकरण की प्रक्रिया से जुड़ने के लिए व्यावहारिक कौशल होगा। कार्यक्रम में स्नातक, 10+2 और संबंधित क्षेत्र में 5 वर्ष का अनुभव/10वीं कक्षा उत्तीर्ण (इग्नू से सेतु पाठ्यक्रम करने वाले शिक्षार्थियों) को प्रवेश दिया जाएगा। कार्यक्रम अंग्रेजी और हिंदी दोनों माध्यमों में उपलब्ध है।

अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून

में प्रमाण पत्र

यह कार्यक्रम रेडक्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति (आईसीआरसी), नई दिल्ली के सहयोग से विकसित किया गया है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून में ज्ञान और कौशल विकसित करना है; दक्षिण एशियाई क्षेत्रों में अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून के समकालीन मुद्दों पर विशेषज्ञों को समझ प्रदान करना और आईएचएल के क्षेत्र में पहले से काम कर रहे पेशेवरों की दक्षताओं को बढ़ाना। इस कार्यक्रम के लिए पात्रता 10+2 या इसके समकक्ष है और कार्यक्रम केवल अंग्रेजी में संचालित किया जाता है।

कैसे तय करें कि कौन सा कार्यक्रम आपके लिए उपयोगी हो सकता है?

इग्नू आपको क्षेत्रीय केंद्रों और अध्ययन केंद्रों पर प्री-एडमिशन काउंसलिंग के लिए सभी सुविधाएं देती हैं, ताकि आप पाठ्यक्रमों के लिए निर्णय ले सकें। आप मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए किसी भी समय व्यक्तिगत रूप से या ईमेल के माध्यम से हमसे संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा ट्विटर, फेसबुक आदि जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इग्नू की व्यापक उपस्थिति है। कृपया हमारे सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर जाएं और समय पर जानकारी प्राप्त करने के लिए हमें फॉलो करें। क्षेत्रीय केंद्रों और विश्वविद्यालय मुख्यालयों द्वारा नियमित रूप से आयोजित किए जाने वाले हमारे पूर्व प्रवेश परामर्श सत्रों के बारे में जानकारी लेने के लिए कृपया हमारे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करें। सभी क्षेत्रीय केंद्र ऐसे सत्र आयोजित करते हैं। ऐसे सत्रों से अवगत रहने के लिए आपको क्षेत्रीय केंद्रों और विश्वविद्यालय मुख्यालय के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नजर रखनी चाहिए। हम नियमित रूप से छात्रों के साथ बातचीत करने के लिए फेसबुक पर लाइव सत्र आयोजित करते हैं। ये रिकॉर्ड

किए गए कार्यक्रम हमारे ई-ज्ञान कोष पर भी उपलब्ध हैं। आप निश्चित रूप से इन्हें इग्नू में पाठ्यक्रमों के चयन पर निर्णय लेने के लिए काफी महत्वपूर्ण पाएंगे। इसके अलावा हमने अपने अधिकांश अधिगम संसाधनों को ई-ज्ञान कोष पर ऑनलाइन रखा है। कृपया हमारी वेबसाइट पर जाएं और ई-ज्ञान कोष पर क्लिक करें। आप सभी कार्यक्रमों के लिए विस्तृत पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम सामग्री, रिकॉर्डेड परामर्श सत्र, ऑडियो/वीडियो कार्यक्रम आदि देख सकते हैं।

ज्ञान दर्शन के माध्यम से प्रवेश परामर्श

हम आपको टेलीकॉन्फ्रेंसिंग सत्रों के माध्यम से भी पूर्व प्रवेश परामर्श सत्रों के बारे में नियमित जानकारी देते हैं। इग्नू भारत के ज्ञान दर्शन टीवी चैनल के लिए नोडल एजेंसी है। विश्वविद्यालय नियमित रूप से इस चैनल के माध्यम से विभिन्न विषयों पर लाइव इंटरैक्टिव कार्यक्रम आयोजित करता है। इसके अलावा हम ज्ञान वाणी रेडियो के माध्यम से भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करते हैं। ज्ञान धारा रेडियो विश्वविद्यालय की वेब साइट के माध्यम से भी उपलब्ध है। इनमें से कुछ कार्यक्रम आपको पूर्व प्रवेश परामर्श देने के लिए आयोजित किए जाते हैं। विश्वविद्यालय मुख्यालय से हमारे वरिष्ठ अधिकारी ज्यादातर ऐसे कार्यक्रमों में उपस्थित होते हैं। ये कार्यक्रम विश्वविद्यालय मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सीधे बातचीत करने का अनूठा अवसर प्रदान करते हैं। कृपया ऐसे पूर्व प्रवेश परामर्श सत्रों के कार्यक्रम पर नजर रखें। ये दूरसंचार सत्र ज्ञान दर्शन टीवी चैनल और इग्नू के ज्ञान धारा रेडियो के माध्यम से आयोजित किए जाते हैं। आप हमारी वेबसाइट से इन चैनलों के लिंक पा सकते हैं। ज्ञान दर्शन डीटीएच प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध है। ज्ञान दर्शन और ज्ञान धारा के कार्यक्रम हमारी वेबसाइट पर उपलब्ध हैं और आपको इन कार्यक्रमों पर नजर रखनी चाहिए।

अगर हमारे किसी भी अध्ययन केंद्र या क्षेत्रीय केंद्रों से मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं। मध्यप्रदेश में, इग्नू के दो क्षेत्रीय केंद्र भोपाल और जबलपुर में हैं। भोपाल में क्षेत्रीय केंद्र, 12, अरेरा हिल्स पर स्थित है, जबकि जबलपुर में क्षेत्रीय केंद्र आरडीवीवी जबलपुर में स्थित है। आपको मार्गदर्शन देने के लिए सभी कार्य दिवसों में क्षेत्रीय केंद्रों पर पूर्णकालिक कर्मचारी उपलब्ध है। हालांकि अध्ययन केंद्र अंशकालिक कर्मचारियों द्वारा संचालित हैं। उनके कामकाज का समय संबंधित क्षेत्रीय केंद्रों की वेब साइटों पर उपलब्ध है।

डॉ. उमेशचन्द्र पाण्डेय
(लेखक, इग्नू, भोपाल में क्षेत्रीय निदेशक हैं।)

एक रुपये प्रति किलोग्राम में उपलब्ध कराया जायेगा फोर्टिफाइड चावल - खाद्य मंत्री

भोपाल, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री विसाहलाल सिंह ने प्रदेश में राइस फोर्टिफिकेशन पायलट योजना को लांच करते हुए कहा कि फोर्टिफाइड चावल मानव शरीर में एनीमिया और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी को दूर करेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सोच के अनुसार वर्ष 2024 तक फोर्टिफाइड राइस राशन की दुकानों से वितरित कराया जायेगा एवं बच्चों को मध्यान्ह भोजन में फोर्टिफाइड चावल उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। श्री सिंह ने कहा कि सिंगरौली में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में प्रारंभ इस योजना में फोर्टिफाइड चावल एक रुपये प्रति किलोग्राम की दर से सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशन की दुकानों पर उपलब्ध कराया जायेगा।

मैनैजिंग डायरेक्टर मध्यप्रदेश स्टेट सिविल सप्लाईज कॉर्पोरेशन लिमिटेड श्री तरुण पिथोड़े ने कहा कि चावल फोर्टिफिकेशन के लिए यह एक आदर्श योजना है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली में फोर्टिफाइड चावल को शामिल करने से राज्य में आबादी की पोषण स्थिति में सुधार के लिए एक स्थायी और कम लागत का प्रभावी तरीका उपलब्ध होगा। वर्ष 2006 से न्यूट्रिशन इंटरनेशनल, मध्यप्रदेश सरकार के साथ काम करने वाला एक वैश्विक पोषण संगठन है। फूड (खाद्य) फोर्टिफिकेशन को एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम और पोषण अभियान के माध्यम से एनीमिया को कम करने के लिए एक कम लागत वाले प्रभावी हस्तक्षेप के रूप में राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता दी गई है। उपलब्ध विभिन्न

खाद्य पदार्थों के फोर्टिफिकेशन में, भिन्न सूक्ष्म पोषक तत्वों को वितरित करने के लिए चावल को एक उत्कृष्ट खाद्य पदार्थ माना जाता है, क्योंकि भारत में 65 प्रतिशत भारतीय चावल का सेवन करते हैं और भारत में प्रति व्यक्ति चावल की खपत 6.8 किलोग्राम प्रति माह है। नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस, एनएसएसओ 2015 के अनुसार चावल सभी सरकारी सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों जैसे की मध्यान्ह भोजन, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, समेकित बाल विकास योजना (आईसीडीएस) के तहत वितरित किये गए अनाज का एक महत्वपूर्ण प्रतिशत है। फोर्टिफाइड चावल, यदि इन वितरण चैनलों के माध्यम से प्रदान किया जाता है तो अधिकतम जनसंख्या तक फोर्टिफाइड चावल की पहुंच सुनिश्चित की जा सकती है।



सुरक्षा कारणों से न्यूजीलैंड ने रद्द किया पाकिस्तान दौरा

रावलपिंडी, न्यूजीलैंड ने सुरक्षा कारणों के चलते पाकिस्तान का दौरा रद्द कर दिया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने यह फैसला पाकिस्तान के खिलाफ रावलपिंडी में खेले जाने वाले पहले वन-डे मैच के ठीक पहले लिया है। न्यूजीलैंड की क्रिकेट टीम लगभग 18 साल बाद पाकिस्तान के दौरे पर आई थी। इस दौरे पर न्यूजीलैंड को पाकिस्तान के साथ तीन वन-डे और पांच ट्वेंटी-20 मैचों की सीरीज खेलनी थी। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डेविड व्हाइट ने कहा कि खिलाड़ियों की सुरक्षा सर्वोपरि है। न्यूजीलैंड सरकार की तरफ से हमें पाकिस्तान में खतरे की जानकारी मिली, इसके बाद हमने सुरक्षा सलाहकारों से चर्चा के बाद निर्णय लिया कि न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को पाकिस्तान से तुरंत लौटना होगा। न्यूजीलैंड के बाद इंग्लैंड ने भी पाकिस्तान दौरे पर टीम भेजने से इनकार कर दिया है। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा कि सुरक्षा की स्थिति को देखते हुये टीम को भेजना संभव नहीं है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान में वर्ष 2009 में श्रीलंका की क्रिकेट टीम पर लाहौर में आतंकी हमला हुआ था।

क्रिकेट में अब बैट्समैन की जगह बैटर शब्द का होगा इस्तेमाल

लंदन, क्रिकेट के नियम बनाने वाली संस्था मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने क्रिकेट के नियमों में बदलाव किया है। एमसीसी ने कहा कि अब क्रिकेट में बैट्समैन शब्द की जगह बैटर शब्द का इस्तेमाल किया जायेगा। एमसीसी ने कहा कि महिला एवं पुरुष क्रिकेट के लिये जेंडर न्यूट्रल शब्द का इस्तेमाल किया जायेगा। जेंडर न्यूट्रल शब्दावली का इस्तेमाल सभी के लिये एक समान होने से क्रिकेट को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। एमसीसी के अनुसार महिला क्रिकेट ने अभूतपूर्व विकास किया है। महिलाओं और लड़कियों को क्रिकेट खेलने के लिये प्रोत्साहित करने के लिये जेंडर न्यूट्रल शब्दों को अपनाने की बातें की जा रही थीं।

ट्वेंटी-20 विश्वकप से पहले अभ्यास मैच खेलेगा भारत

दुबई, भारतीय क्रिकेट टीम अगले महीने से शुरू होने वाले आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप से पहले दो अभ्यास मैच खेलेगी। ट्वेंटी-20 विश्वकप के मुख्य दौर की शुरुआत 23 अक्टूबर से होगी। भारत अपना पहला मैच 24 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगा। इससे पहले भारत 18 अक्टूबर को इंग्लैंड के खिलाफ तथा 20 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगा। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 14 नवम्बर को खेला जायेगा।

एशियन टेबल टेनिस चैंपियनशिप से बाहर हुई मणिका बत्रा

नई दिल्ली, भारत की युवा टेबल टेनिस खिलाड़ी मणिका बत्रा इस महीने दोहा में आयोजित होने वाली एशियन टेबल टेनिस चैंपियनशिप से बाहर हो गई हैं। भारतीय टेबल टेनिस संघ (टीटीएफआई) ने टूर्नामेंट के लिये भारतीय टेबल टेनिस टीम का चयन किया। टीटीएफआई ने बताया कि मणिका ने सोनीपत में अनिवार्य राष्ट्रीय शिविर में हिस्सा नहीं लिया था। मणिका बत्रा की अनुपस्थिति में सुर्तिथा मुखर्जी भारतीय महिला टीम की अगुआई करेंगी। टीम में अयहिका मुखर्जी और अर्चना कामत भी शामिल हैं।

बीसीसीआई ने जारी किया भारतीय टीम के घरेलू सत्र का कार्यक्रम

मुंबई, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 2021-22 सत्र में भारतीय क्रिकेट टीम के घरेलू सरजमीं पर खेले जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय मैचों का कार्यक्रम जारी कर दिया है। भारतीय टीम नवम्बर 2021 से जून 2022 तक भारत में चार टेस्ट, 3 वन-डे और 14 ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलेगी। बीसीसीआई ने बताया कि इस दौरान न्यूजीलैंड (नवम्बर-दिसम्बर), वेस्टइंडीज (फरवरी), श्रीलंका (फरवरी-मार्च) और दक्षिण अफ्रीका (जून) की टीमों भारत का दौरा करेंगी।

न्यूजीलैंड का भारत दौरा

बीसीसीआई ने बताया कि भारत के घरेलू सत्र की शुरुआत न्यूजीलैंड के खिलाफ ट्वेंटी-20 सीरीज से होगी। भारतीय टीम न्यूजीलैंड के साथ तीन ट्वेंटी-20 और दो टेस्ट मैच खेलेगी। पहला ट्वेंटी-20 मैच 17 नवम्बर यानी ट्वेंटी-20 विश्वकप फाइनल के ठीक तीन दिन बात जयपुर में खेला जायेगा। दूसरा ट्वेंटी-20 मैच 19 तथा तीसरा मैच 21 नवम्बर को खेला जायेगा, वहीं पहला टेस्ट मैच 25 नवम्बर से तथा दूसरा टेस्ट मैच 3 दिसम्बर से खेला जायेगा। इसके बाद भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगी। इस दौरे पर भारत 3 टेस्ट, 3 वन-डे और 4 ट्वेंटी-20 मैच खेलेगा।

फरवरी-मार्च में वेस्टइंडीज और श्रीलंका से भिड़ेंगी टीम इंडिया

दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद भारतीय क्रिकेट टीम अपनी सरजमीं पर वेस्टइंडीज का सामना करेगी। इस दौरे पर वेस्टइंडीज भारत के साथ तीन वन-डे और तीन ट्वेंटी-20 मैचों की सीरीज खेलेगी। दोनों देशों के बीच 6, 9 और 12 फरवरी को वन-डे मैच

भारत का न्यूजीलैंड दौरा हुआ स्थगित

ऑकलैंड, भारतीय क्रिकेट टीम का न्यूजीलैंड दौरा स्थगित हो गया है। भारतीय टीम को अगले वर्ष मार्च में न्यूजीलैंड का दौरा करना था। यह दौरा भारतीय क्रिकेट टीम के अति व्यस्त कार्यक्रम और न्यूजीलैंड में कोरोना महामारी के कारण लगी सख्त पाबंदियों के कारण स्थगित किया गया है। यह जानकारी न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने दी।

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने बताया कि न्यूजीलैंड का गर्मियों में क्रिकेट कार्यक्रम काफी व्यस्त है। टीम को बांग्लादेश, नीदरलैंड्स और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विभिन्न सीरीज की मेजबानी करनी है। इसके बाद अप्रैल-मई में आईसीसी महिला क्रिकेट

बीसीसीआई ने घरेलू क्रिकेटर्स की सैलरी में किया इजाफा

मुंबई, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने कोरोना महामारी के दौर में घरेलू क्रिकेटर्स को बड़ी राहत दी है। बीसीसीआई ने घरेलू खिलाड़ियों की सैलरी बढ़ाने का एलान किया है। बड़ी हुई सैलरी खिलाड़ियों को आने वाले घरेलू मैचों से दी जायेगी। कोरोना वायरस महामारी की वजह से पिछले साल रणजी ट्रॉफी का आयोजन नहीं हुआ था।

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने अपने ऑफिशियल ट्वीटर हैंडल पर खिलाड़ियों की सैलरी की बढ़ोत्तरी की घोषणा की। जय शाह ने कहा कि जिन क्रिकेटर्स ने 2019-20 के घरेलू क्रिकेट सत्र में हिस्सा लिया था उन्हें 2020-21 सत्र के लिये मुआवजे के तौर पर 50 प्रतिशत अतिरिक्त मैच फीस दी जायेगी। जिन रणजी खिलाड़ियों ने 40 से अधिक मैच खेले हैं उनकी मैच फीस लगभग दोगुनी 60 हजार रुपये प्रतिदिन हो गयी है, जिसका मतलब है कि खिलाड़ी



- बीसीसीआई ने कहा कि न्यूजीलैंड और श्रीलंका के खिलाफ खेली जाने वाली टेस्ट सीरीज आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा होंगी।
- बीसीसीआई ने रोटेशन नीति के तहत सीमित ओवर क्रिकेट (वन-डे और ट्वेंटी-20) के लिये 17 मैच स्थलों का चयन किया है।
- दक्षिण अफ्रीकी टीम का दौरा सबसे छोटा (केवल दस दिन) होगा।

खेले जायेंगे, वहीं 15, 18 और 20 फरवरी को ट्वेंटी-20 मैच खेले जायेंगे। इस सीरीज के तुरंत बाद भारत और श्रीलंका के बीच टेस्ट सीरीज का आगाज होगा। दो मैचों की सीरीज का पहला टेस्ट बेंगलुरु में 25 फरवरी से तथा दूसरा टेस्ट मोहाली में पांच मार्च से खेला जायेगा। इसके बाद तीन मैचों की ट्वेंटी-20 सीरीज खेली जायेगी। सीरीज के मैच 13, 15 और 18 मार्च को खेले जायेंगे।

आईपीएल के बाद

दक्षिण अफ्रीका से होगी भिड़ंत

बीसीसीआई ने श्रीलंका के खिलाफ ट्वेंटी-20 सीरीज के बाद अप्रैल-मई महीने को आईपीएल-2022 के लिये रिजर्व रखा है। आईपीएल के बाद जून 2022 में दक्षिण अफ्रीका की टीम भारत दौरे पर आयेगी।

दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की ट्वेंटी-20 सीरीज खेली जायेगी। सीरीज का पहला मैच 9 जून को चेन्नई, दूसरा मैच 12 जून को बेंगलुरु, तीसरा मैच 14 जून को नागपुर, चौथा मैच 17 जून को राजकोट और पांचवां मैच 19 जून को दिल्ली में खेला जायेगा।

ट्वेंटी-20 विश्वकप-2022 की तैयारी करेगी भारतीय टीम

बीसीसीआई के एक अधिकारी ने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत भारतीय टीम सबसे ज्यादा 14 ट्वेंटी-20 मैच खेलेगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 में ऑस्ट्रेलिया में आयोजित होने वाले ट्वेंटी-20 विश्वकप को ध्यान में रखते हुये यह कार्यक्रम बनाया गया है। वड़े टूर्नामेंट की तैयारी को देखते हुये हमें पर्याप्त संख्या में ट्वेंटी-20 मैच खेलने की जरूरत है।

सेंट किट्स एंड नेविस ने जीती कैरेबियन प्रीमियर लीग

सेंट किट्स, ऑलराउंडर डोमिनिक ड्रेक्स के शानदार प्रदर्शन की बदौलत सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियोट्स ने कैरेबियन प्रीमियर लीग का खिताब अपने नाम कर लिया है। पैट्रियोट्स ने टूर्नामेंट के फाइनल में सेंट लूसिया किंग्स को तीन विकेट से हराया।

मैच में सेंट लूसिया किंग्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पैट्रियोट्स को आंद्रे फ्लेचर (11) और रहकीम कॉर्नवाल (43) ने तेज शुरुआत दिलाई। इन दोनों बल्लेबाजों के बाद रोस्टन चेंस (43) ने पारी को आगे बढ़ाया। पारी

विराट छोड़ेंगे भारतीय ट्वेंटी-20 टीम की कप्तानी

मुंबई, आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप के बाद विराट कोहली ने भारतीय ट्वेंटी-20 क्रिकेट टीम की कप्तानी से इस्तीफा देने का फैसला किया है। विराट कोहली ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर कहा कि मैं पिछले 8-9 वर्षों से क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में खेल रहा हूं और 4-5 वर्ष से कप्तानी भी कर रहा हूं। मैंने अपने वर्कलोड को कम करने के लिये ट्वेंटी-20 फॉर्मेट में भारतीय टीम की कप्तानी छोड़ने का फैसला किया है। हालांकि मैं बतौर बल्लेबाज ट्वेंटी-20 क्रिकेट खेलता रहूंगा। विराट ने इसके अलावा आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु टीम की कप्तानी भी छोड़ने का एलान किया है। विराट ने कहा कि वे वर्ष 2021 के आईपीएल के बाद बेंगलुरु के कप्तान नहीं रहेंगे। माना जा रहा है कि विराट कोहली की जगह मौजूदा उपकप्तान रोहित शर्मा ट्वेंटी-20 टीम के अगले कप्तान हो सकते हैं। रोहित के अलावा के.एल. राहुल और श्रेयस अय्यर भी कप्तान बनने के दावेदार हैं।

राजा रिक्कि बने

भारत के 70वें ग्रैंड मास्टर

बुडापेस्ट, भारत के 17 वर्षीय शतरंज खिलाड़ी आर. राजा रिक्कि ने ग्रैंड मास्टर नॉर्म हासिल कर लिया है। रिक्कि ने हंगरी में आयोजित एक प्रतियोगिता के दौरान तीसरा और अंतिम ग्रैंड मास्टर नॉर्म हासिल किया। रिक्कि शतरंज में ग्रैंड मास्टर नॉर्म हासिल करने वाले भारत के 70वें खिलाड़ी बन गये हैं। रिक्कि ने पहला ग्रैंड मास्टर नॉर्म वर्ष 2019 में हासिल किया था, इसके एक महीने बाद उन्होंने स्केलिका ओपन टूर्नामेंट में दूसरा नॉर्म हासिल किया और अब रिक्कि ने हंगरी में तीसरा नॉर्म हासिल किया। इस टूर्नामेंट में रिक्कि ने वकलख फिनेक को हराकर 2500 ईएलओ रेटिंग अंक पूरे किये।

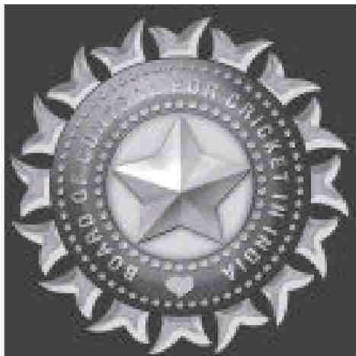
के अंतिम ओवरों में कीमो पॉल (39) ने तेजी से रन बनाये और स्कोर को 159 रन तक पहुंचाया।

जीत के लिये मिले 160 रनों के लक्ष्य के जवाब में किंग्स की शुरुआत खराब रही। टीम के स्टार बल्लेबाज क्रिस गेल पहले ओवर में शून्य पर आउट हो गये। इसके बाद जोशुआ डिसिल्वा (37) और शेरफेन रदरफोर्ड (25) ने पारी को संभाला। अंतिम ओवरों में डोमिनिक ड्रेक्स ने 24 गेंदों में 48 रन तथा फेबियन एलेन ने 20 रनों की शानदार पारी खेल सेंट लूसिया किंग्स को जीत की दहलीज तक पहुंचाया।

मिताली राज 20 हजार रन बनाने वाली पहली महिला क्रिकेटर

मैके, भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी मिताली राज ने क्रिकेट में नई उपलब्धि हासिल की है। मिताली क्रिकेट करियर में 20 हजार रन बनाने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर बन गई हैं। मिताली ने यह उपलब्धि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के तीनों प्रारूपों, प्रथम श्रेणी, लिस्ट-ए और ट्वेंटी-20 मैचों में रन बनाकर हासिल की है। मिताली ने यह उपलब्धि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली जा रही वन-डे सीरीज के पहले मैच के दौरान हासिल की। इस मैच में मिताली ने 63 रनों की पारी खेली। मिताली की शानदार पारी के बावजूद भारत यह मैच 9 विकेट से हार गया। मिताली महिला वन-डे क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं। मिताली के नाम टेस्ट क्रिकेट में सबसे कम उम्र में दोहरा शतक बनाने का रिकॉर्ड है। इसके अलावा मिताली वन-डे में सबसे ज्यादा मैचों में कप्तानी कर चुकी हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)



एक मैच से दो लाख 40 हजार रुपये कमा सकते हैं।

लगभग 2 हजार क्रिकेटर्स को होगा फायदा

बीसीसीआई के मुताबिक जिन खिलाड़ियों ने 21 से 40 मैच खेले हैं उन्हें प्रतिदिन 50 हजार रुपये जबकि इससे कम अनुभव रखने वाले क्रिकेटर्स को प्रतिदिन 40 हजार रुपये मिलेंगे। बीसीसीआई के इस कदम से अंडर-16 से लेकर सीनियर

स्तर तक लगभग 2 हजार क्रिकेटर्स को लाभ मिलेगा। जय शाह ने इसके साथ ही कहा कि घरेलू खिलाड़ियों को बड़ी हुई मैच फीस का भुगतान किया जायेगा। घोषणा के अनुसार अंडर-23 और अंडर-19 क्रिकेटर्स को क्रमशः 25 हजार और 20 हजार रुपये प्रतिदिन मिलेंगे।

घरेलू क्रिकेटर्स की मैच फीस में हुई इतनी बढ़ोत्तरी

जय शाह ने कहा कि मुझे घरेलू क्रिकेटर्स की मैच फीस में बढ़ोत्तरी करने की घोषणा करते हुये खुशी हो रही है। इससे पहले रणजी ट्रॉफी में अंतिम एकादश में जगह बनाने वाले खिलाड़ी को 35 हजार रुपये प्रतिदिन मिलते थे। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिये बीसीसीआई प्रति मैच 17 हजार 500 रुपये भुगतान करता था। बीसीसीआई ने इसके साथ ही महिला क्रिकेटर्स के लिये भी नये पारिश्रमिक की घोषणा की।



॥ उज्बेकिस्तान ॥

अगली एससीओ बैठक की अध्यक्षता करेगा

उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव ने कहा कि उज्बेकिस्तान अगले वर्ष 15-16 सितंबर को शंघाई सहयोग संगठन



(एससीओ) बैठक की अध्यक्षता करेगा। मिर्जियोयेव ने एससीओ बैठक में कहा, मैं इस अवसर पर अगले शिखर सम्मेलन की बैठक के लिए राष्ट्राध्यक्षों को आमंत्रित करता हूँ। हम इसे अगले वर्ष 15-16 सितंबर को इसे उज्बेकिस्तान में आयोजित करने की योजना बना रहे हैं। उज्बेकिस्तान चरणबद्ध तरीके 2022 में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) बैठक की अध्यक्षता करेगा। वह वर्ष 2004, 2010 और 2016 में एससीओ की अध्यक्षता कर चुका है।

रूस : पुतिन की पार्टी ने फिर चुनाव जीता

रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन की पार्टी युनाइटेड रशिया ने संसदीय चुनाव जीत लिया है। शुरुआती नतीजों के बाद ही पार्टी ने जीत का जश्न मनाना शुरू कर दिया, जबकि विपक्षी दलों ने धांधली के आरोप लगाए। जीत के साथ संसद पर राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन की पकड़ महबूत हो गयी।

न्यूज एजेंसी रायटर्स के मुताबिक युनाइटेड रशिया ने संसदीय चुनाव जीत लिया है। गौरतलब है कि कोविड के कारण तीन दिन तक चली मतदान प्रक्रिया में तमाम

भारत में लोकतंत्र, सिर्फ संविधानों की धाराओं का संग्रह ही नहीं है, हमारी जीवन धारा है : प्रधानमंत्री

संसद टीवी का शुभारम्भ

उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति श्री वेंकैया नायडू, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिड़ला ने अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस के अवसर पर संयुक्त रूप से संसद टीवी का शुभारम्भ किया।

इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने तेजी से बदलते दौर के साथ संसद से जुड़े चैनल में बदलाव की सराहना की। उन्होंने कहा, यह तब और भी अहम हो जाता है जब 21वीं सदी संवाद और संचार के माध्यम से क्रांति ला रही है। प्रधानमंत्री ने संसद टीवी के शुभारम्भ को भारतीय लोकतंत्र के इतिहास की कहानी में एक नया अध्याय बताया, क्योंकि संसद टीवी के रूप में देश को संचार और संवाद का एक माध्यम मिलने जा रहा है, जो राष्ट्र के लोकतंत्र और लोगों के प्रतिनिधि की एक नई आवाज बन जाएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब लोकतंत्र की बात आती है तो भारत की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है, क्योंकि भारत लोकतंत्र की जननी है। भारत के लिए लोकतंत्र सिर्फ एक व्यवस्था नहीं है, यह एक विचार है। भारत में लोकतंत्र सिर्फ एक संवैधानिक स्ट्रक्चर नहीं, बल्कि एक स्पिरिट है। भारत



में लोकतंत्र, सिर्फ संविधानों की धाराओं का संग्रह ही नहीं है, ये तो हमारी जीवन धारा है।

प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता के 75 वर्ष के संदर्भ में मीडिया की भूमिका को रेखांकित किया, जब अतीत का गौरव और भविष्य के प्रति भरोसा दोनों हमारे सामने हैं। उन्होंने कहा कि जब मीडिया स्वच्छ भारत अभियान जैसे मुद्दों को उठाता है तो यह लोगों तक तेज गति से पहुंचता है। उन्होंने सुझाव दिया कि मीडिया स्वतंत्रता संग्राम के 75 एपिसोड की योजना बनाकर या इस अवसर पर विशेष सफ़लीमेंट लाकर आजादी का अमृत

महोत्सव के दौरान लोगों के प्रयासों के प्रसार में एक भूमिका निभा सकता है।

कंटेंट के महत्व पर बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, जब 'कंटेंट इज किंग' कहा जाता है तो उनके अनुभव में 'कंटेंट इज कनेक्ट' है। उन्होंने विस्तार से बताते हुए कहा, जब किसी के पास बेहतर कंटेंट होता है तो लोग स्वतः ही उसके साथ जुड़ते जाते हैं। यह बात जितनी मीडिया पर लागू होती है, उतनी ही हमारी संसदीय व्यवस्था पर भी लागू होती है क्योंकि संसद में सिर्फ राजनीति नहीं होती है, नीति भी बनती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आम जनता को

== ऑक्स ==

ब्रिटेन, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया ने बनाया नया गठबंधन

ब्रिटेन, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया ने हिंद प्रशांत में चीन के बढ़ते प्रभाव के बीच, रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस क्षेत्र के

● रक्षा क्षमताओं को बेहतर तरीके से साझा करने के लिए ब्रिटेन, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया ने की घोषणा।

लिए एक नए त्रिपक्षीय सुरक्षा गठबंधन 'ऑक्स' (एयूकेयूएस) की घोषणा की है, ताकि वे अपने साझा हितों की रक्षा कर सकें और परमाणु ऊर्जा से संचालित पनडुब्बियां हासिल करने में ऑस्ट्रेलिया की मदद करने समेत रक्षा क्षमताओं को बेहतर तरीके से साझा कर सकें।

सप्ताह के आरंभ में महत्वाकांक्षी सुरक्षा पहल की घोषणा अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने एक संयुक्त बयान में की। उन्होंने कहा, इस पहल से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा और उनके साझा मूल्यों एवं हितों को सहयोग मिलेगा।

'ऐतिहासिक' बताए जाने वाले इस नए गठबंधन ऑक्स को टेलीविजन पर



प्रसारित एक संयुक्त संबोधन के दौरान डिजिटल माध्यम से शुरू किया गया। इस गठबंधन के तहत तीनों राष्ट्र संयुक्त क्षमताओं का विकास करने, प्रौद्योगिकी को साझा करने, सुरक्षा के गहन एकीकरण को बढ़ावा देने और रक्षा संबंधित विज्ञान, प्रौद्योगिकी, औद्योगिक केंद्रों और आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने पर सहमत हुए।

ऑक्स की पहले बड़ी पहल के तहत अमेरिका और ब्रिटेन की मदद से ऑस्ट्रेलिया परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियों का एक बेड़ा बनाएगा, जिसका मकसद हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता को बढ़ावा देना है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने इस अवसर पर कहा, ब्रिटेन,

ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका स्वाभाविक सहयोगी हैं।

इस डिजिटल संबोधन के दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन भी जॉनसन के साथ मौजूद थे। इस संबोधन के दौरान एक संयुक्त बयान जारी किया गया। बाइडेन ने व्हाइट हाउस के ईस्ट रूम से कहा कि तीनों देश 20वीं सदी की तरह 21वीं सदी के खतरों से निपटने की अपनी साझा क्षमता को बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा, हमारे राष्ट्र और हमारे वहादुर बल 100 से अधिक वर्षों से कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे हैं। उन्होंने कहा, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन लंबे समय से वफादार और सक्षम भागीदार रहे हैं तथा आज हम और भी करीब हैं।

स्पेसएक्स अंतरिक्षयान : सैर कर धरती पर लौटे अंतरिक्ष पर्यटक

स्पेसएक्स के एक निजी विमान से कक्षा (ऑर्बिट) के तीन दिन तक चक्कर लगाने के बाद चार अंतरिक्ष पर्यटक अपनी यात्रा सफलतापूर्वक पूरी करके फ्लोरिडा तट पर अटलांटिक महासागर में उतरे।

स्पेसएक्स मिशन कंट्रोल ने कहा, आपके अभियान ने दुनिया को यह दिखाया कि अंतरिक्ष हम सभी के लिए है। इस पर यात्रा के प्रायोजक जारेड इसाकमैन ने कहा, यह हमारे लिए बेहद रोमांचक था। स्पेसएक्स का पूरी तरह स्वचालित ड्रैगन कैप्सूल रवाना होने के बाद 585 किमी. की ऊंचाई पर पहुंच गया। 160 किमी. बाद अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र से आगे निकलने के बाद यात्रियों ने कैप्सूल के सबसे ऊपर लगी खिड़की से पृथ्वी का नजारा देखा।

पृथ्वी पर लौटने के बाद सभी यात्री स्वस्थ और खुश दिखे। इस उड़ान का नेतृत्व 38 वर्षीय अरवपति जारेड इसाकमैन ने



किया। वह 'शिफ्ट 4 पेमेंट्स इंक' के कार्यकारी प्रबंधक हैं। उनके अलावा कैसर से उवरी हेले आर्सीनॉक्स (29 वर्ष), स्वीपस्टेक विजेता क्रिस सेम्ब्रोस्की (42 वर्ष) और एरिजोना में एक सामुदायिक कॉलेज के शिक्षक सियान प्रॉक्टर (51 वर्ष) इस मिशन में शामिल थे। आर्सीनॉक्स अंतरिक्ष में जाने वाली सबसे कम उम्र की अमेरिकी हैं। वह किसी कृत्रिम अंग के साथ अंतरिक्ष में जाने वाली पहली शख्स भी हैं। उनके बाएं पैर में टाइटेनियम की रॉड लगी हुई है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गुगल से साभार)



तरीके की धांधली के आरोप लगे हैं और सरकार ने विभिन्न कारणों का हवाला देते हुए विपक्ष के ज्यादातर नेताओं को चुनाव लड़ने से रोक दिया था। इस मतदान को देश में 2024 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले की तैयारी के रूप में देखा जा रहा है।

कनाडा : चुनाव जीते टूडो, पार्टी बहुमत से दूर

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो को मध्यावधि चुनाव कराने से कोई खास लाभ होता दिखाई नहीं दे रहा है। उनकी लिबरल पार्टी संसदीय चुनाव जीतने में सफल रही, लेकिन बहुमत पाने से दूर रह गई। पार्टी को 2019 के चुनाव में भी बहुमत नहीं मिला था। टूडो को निर्धारित समय से दो साल पहले चुनाव कराने के फैसले को लेकर अब भी विपक्ष के आरोपों का सामना करना पड़ रहा है। विपक्षी उन पर यह आरोप लगा रहे हैं कि उन्होंने निजी महत्वाकांक्षा के लिए देश को दो साल पहले चुनाव में ढकेल दिया। संसद के निचले सदन के लिए हुए चुनाव में अब तक जो नतीजे सामने आए हैं, वे पिछले चुनाव जैसे ही हैं। 338 सीटों के लिए हुए चुनाव में लिबरल पार्टी 156 सीटें जीत गई है या बढ़त बनाए है। यह आंकड़ा बहुमत के जादुई आंकड़े 170 से 14 कम है। 2019 के चुनाव में लिबरल के खाते में 157 सीटें आई थीं। वहीं चुनाव में भारतीय मूल के 17 उम्मीवार भी निर्वाचित हुए हैं। संसद पहुंचने वाले भारतवर्षियों में जगमीत सिंह भी शामिल हैं।

पनडुब्बी सौदा

बाइडेन से बात करेंगे फ्रांस के राष्ट्रपति

फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ऑस्ट्रेलिया द्वारा फ्रांस के साथ पनडुब्बी सौदे को अचानक रद्द किए जाने के बाद उनके देश और अमेरिका के बीच पैदा हुए राजनीतिक संकट के मध्य अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन से आने वालों दिनों में बातचीत करेंगे।

सरकार के प्रवक्ता गैब्रिएल अटाल ने बताया कि ने फोन पर बातचीत करने का अनुरोध बाइडेन की तरफ से आया है। उन्होंने कहा कि पहले सब 'स्तब्ध' और 'आक्रोशित' थे लेकिन अब आगे बढ़ने का वक्त है। दरअसल ऑस्ट्रेलिया ने 12 पारंपरिक डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों के निर्माण के लिए 2016 में फ्रांस सरकार के स्वामित्व वाली नौसैन्य कंपनी के साथ 90 अरब ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (66 अरब डॉलर) का अनुबंध



किया था। अब ऑस्ट्रेलिया ने अमेरिका व ब्रिटेन के साथ परमाणु ऊर्जा चालित आठ पनडुब्बियों के लिए नया समझौता किया है। फ्रांस का कहना है कि उसे इस समझौते के बारे में पहले कुछ नहीं बताया गया।

ऑस्ट्रेलिया द्वारा फ्रांस के साथ पनडुब्बी सौदे को अचानक रद्द किए जाने के विरोध में पेरिस ने वाशिंगटन और ऑस्ट्रेलिया से अपने राजदूतों को वापस बुला लिया था।

ऑस्ट्रेलिया की चिंता से अवगत था फ्रांस

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने कहा कि फ्रांस को पता होगा कि ऑस्ट्रेलिया को गंभीर चिंता थी कि पेरिस जिस पनडुब्बी बेड़े का निर्माण कर रहा था, वह ऑस्ट्रेलियाई जरूरतों को पूरा नहीं कर पाएगा। कैनबरा द्वारा पेरिस के साथ पनडुब्बी निर्माण समझौता रद्द किए जाने के बाद दोनों के रिश्तों में तनाव पैदा हो गया है। फ्रांस ने ऑस्ट्रेलिया पर 12 पारंपरिक डीजल-विद्युत चालित पनडुब्बियों के निर्माण के लिए नेवल ग्रुप के साथ 90 अरब ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (66 अरब डॉलर) के अनुबंध से पीछे अपने इरादों को छिपाने का आरोप लगाया है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के साथ एक नए गठबंधन की घोषणा की थी जिसके तहत परमाणु ऊर्जा चालित आठ पनडुब्बियों की आपूर्ति करने की घोषणा की गई है।

मास्क लगाना और अपनाना दो गज दूरी, कोरोना से बचने टीका बहुत जरूरी।



मध्यप्रदेश का जनजातीय समाज चलेगा दुनिया से कदम मिलाकर

जनजातियों की शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका विकास और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए मध्यप्रदेश सरकार तत्परता से निर्णय ले रही है। अपने जनजातीय भाइयों और बहनों के विकास को पूर्ण करके ही चैन की सांस लूंगा।

शिवराज सिंह चौहान (मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश)



मध्यप्रदेश सरकार ने लिये अनुसूचित जनजाति समाज को बराबर के अधिकार सुनिश्चित करने के ऐतिहासिक फैसले

- भगवान बिरसा मुंडा जयंती (15 नवंबर) के दिन जनजातीय गौरव दिवस मनाया जायेगा।
- 1 नवंबर से जनजातीय क्षेत्रों के लिए 'रशन आपके द्वार' योजना चलाएंगे।
- ग्राम सभाओं को सामुदायिक वन प्रबंधन के अधिकार दिए जाएंगे।
- प्रदेश सरकार द्वारा औषधीय पादप बोर्ड का गठन किया जाएगा।
- चरणबद्ध रूप से पेसा एक्ट का क्रियान्वयन किया जाएगा।
- पेसा कानून के तहत ग्राम सभा द्वारा संसाधनों का प्रबंधन होगा।
- जनजातीय भाई-बहनों को साहूकारों के शोषण से मुक्ति दिलाई जाएगी।
- 15 नवंबर से मध्यप्रदेश में सिकल सेल मिशन प्रारंभ किया जाएगा।

- कौशल विकास से आर्थिक उन्नति हेतु हर ग्राम पंचायत में कम से कम 4 लोगों को विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।
- एक वर्ष के भीतर बैकलॉग के पदों की पूर्ति से रोजगार के नए अवसर।
- मछली पालन, मुर्गी पालन व बकरी पालन के लिए एकीकृत योजना बनाई जाएगी।
- छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय का नाम राजा शंकर शाह किया जाएगा।
- देवारण्य योजना के अंतर्गत ग्राम सभा द्वारा सभी वन औषधियों और वनोपज को प्रोसेसिंग करके बेचा जायेगा।
- जनजातीय बच्चों और युवाओं को शिक्षा एवं रोजगार में आगे लाने के लिए NEET, JEE के फाउंडेशन में सुधार की ऑनलाइन स्मार्ट क्लास तथा विज्ञान, तकनीकी और चिकित्सा में भविष्य बनाने के प्रयास।

जनजातीय अधिकारों के लिए प्रतिबद्ध मध्यप्रदेश सरकार

जनजातीय कार्य विभाग, मध्यप्रदेश शासन



गर्भावस्था में खून की कमी जच्चा और बच्चा के लिए जानलेवा है

- गर्भावस्था में प्रत्येक जाँच में हीमोग्लोबिन (खून) की जाँच करायेँ
आयरन फॉलिक एसिड की गोलियाँ नियमित रूप से खायेँ।
- गंभीर खून की कमी की स्थिति में अस्पतालों में निःशुल्क उपचार
(आयरन सुक्रोज, ब्लड ट्रांसफ्यूजन) उपलब्ध है।
- गर्भवती महिलाएं पर्याप्त पोषण आहार एवं हरी सब्जियाँ खायेँ।



**सरकारी अस्पतालों में हीमोग्लोबिन की
जाँच और आयरन फॉलिक एसिड/
आयरन सुक्रोज निःशुल्क उपलब्ध हैं।**

तीन बात से डरे कोरोना – दूरी, मास्क, हाथ को धोना



मास्क/फेस कवर पहनें



दो गज दूरी बनाएं



हाथों को अच्छे से साबुन और पानी से धोएं

**सभी नियमों का पालन
करेंगे और करायेंगे
हम कोरोना से बचेंगे और
अपनों को बचायेंगे।**



**दो डोज़ पूर्ण
सुरक्षा संपूर्ण**

गर्भवती तथा धात्री महिलाओं हेतु
कोविड-19 के टीके शासकीय
टीकाकरण केन्द्रों पर निःशुल्क उपलब्ध हैं।



लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश

M.P.Madhyam/102072/R-46001/2021